दैनिक
सत्ता सुधार
जनता के साथ जनता की आवाज
दतिया ■ गुरुवार 26 सितंबर 2024 ■ वर्ष -19 ■ अंक-330 ■ पृष्ठ-16 ■ मूल्य- ₹03

सुविचार

आत्मविश्वास जीवन की सबसे खूबसूरत सुबह है, जो पूरे दिन को खूबसूरत बनाए रखती है।

भारत में सड़क दुर्घटनाएं-2022 शीर्षक से जारी वार्षिक रिपोर्ट

- दुखदः देश में सड़क हादसों में प्रतिदिन मर रहे 461 लोग
- भारत में हर साल चार लाख से ज्यादा सड़क हादसे हो रहे

सावधान! तमिलनाडु-मध्यप्रदेश यूपी में सबसे ज्यादा सड़क हादसे

सत्ता सुधार ■ भोपाल/ नई दिल्ली //

देश में सड़क हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। मुख्य वजह, ओवर स्पीड हो या रोड इंजीनियरिंग का फॉल्ट, सड़क हादसों में रोजाना औसतन 461 लोग मारे जा रहे हैं। सड़क हादसों में मारे जाने वाले लोगों की संख्या के मामले में भारत ने अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, चीन, जर्मनी और जापान सहित कई देशों को पीछे छोड़ दिया है। भारत में हर रोज औसतन 1263 सड़क हादसे हो रहे हैं। प्रतिवर्ष होने वाले सड़क हादसों की बात करें तो यह संख्या चार लाख के पार है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 2021 के दौरान हुए 412432 सड़क हादसों में 153972 लोग मारे गए थे। इसके अलावा 384448 लोग घायल हुए थे। 2022 में राष्ट्रीय राजमार्गों पर सबसे अधिक सड़क हादसे, तमिलनाडु में दर्ज किए गए हैं। यहां 64,105 हादसे हुए। इसके बाद मध्य प्रदेश का नंबर आता है। जहां 54,432 सड़क दुर्घटनाएं हुईं। अगर सड़क-उपयोगकर्ता श्रेणी की बात करें तो 2022 में हुई मौतों में दुपहिया सवार सबसे ज्यादा रहे। यह 44.5 फीसदी था। वहीं पैदल यात्रियों का प्रतिशत 19.5 रहा है। सड़क दुर्घटनाओं में मरने वाले लोगों की सर्वाधिक संख्या उत्तर प्रदेश में रही है। राज्य में 22,595 लोगों की सड़क हादसों में मौत हो गई। तमिलनाडु में यह आंकड़ा 17,884 रहा है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की भारत में सड़क दुर्घटनाएं-2022 शीर्षक से जारी वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, देशभर में 4,61,312 सड़क हादसे हुए थे। हादसों में 1,68,491 लोगों की जान गई, जबकि 4,43,366 लोग घायल हुए। पिछले वर्ष की तुलना में सड़क

हादसों में 11.9 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। इन हादसों में होने वाली मौतों में 9.4 प्रतिशत और घायलों की संख्या में 15.3 फीसदी वृद्धि हुई है।

गांवों में 68 फीसदी मौत

एक्सप्रेस-वे सहित राष्ट्रीय राजमार्गों पर 1,51,997 (32.9 प्रतिशत) सड़क हादसे हुए। राज्य मार्गों पर 1,06,682 (23.1 प्रतिशत) हादसे और अन्य मार्गों पर 2,02,633 (43.9 प्रतिशत) सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं। 2022 के दौरान सड़क हादसों के 66.5 प्रतिशत पीड़ितों की आयु 18 से 45 वर्ष के बीच थी। अधिकांश पीड़ित युवा थे। 68 प्रतिशत मौतें, ग्रामीण क्षेत्रों में हुईं, जबकि शहरी क्षेत्रों में 32 प्रतिशत मौतें हुईं।

2020: भारत सहित कई देशों में हादसों की स्थिति

देश	हादसे	मौत
भारत	432957	151417
चीन	244937	63194
रूस	168099	18214
द. अफ्रीका	146773	14500
इरान	337891	16540
तुर्की	186532	6675
अमेरिका	1927654	36560
जर्मनी	308721	3275
जापान	430601	4166

बढ़ी सड़क हादसों की रफ्तार

■ 2021 के दौरान हुए सड़क हादसों में 133025 (86.4 फीसदी) पुरुष और 20947 (13.6 फीसदी) महिलाओं की जान गई है। ■ दुपहिया वाहन पर बिना हेलमेट वाले 46593 (30.6 फीसदी) चालक सड़क हादसों का शिकार हुए हैं। ■ ऐसे 16397 कार सवार, जिन्होंने सीट बेल्ट नहीं लगाई थी, सड़क हादसों में मारे गए। ■ ओवरलोड वाहनों की वजह से जो हादसे हुए, उनमें 11011 लोग मारे गए। सड़क पर बने गड्ढों के चलते 1481 हादसे हुए। ■ हिट एंड रन के 57415 केस हुए थे, जिनमें 25938 लोगों की मौत हो गई और 45355 लोग घायल हुए।

गुजरात में ट्रक से टकराई कार, सात लोगों की मौत

कार को गैस कटर से काटकर शव निकाले, एक गंभीर

अहमदाबाद। गुजरात के साबरकांठा में हिम्मतनगर हाईवे पर एक इनोवा कार की बुधवार सुबह ट्रक से टक्कर हो गई। हादसे में कार सवार 7 लोगों की मौत हो गई। 1 गंभीर रूप से घायल है, जिसका इलाज हिम्मतनगर सिविल अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने बताया कि कार में सवार सभी 8 लोग अहमदाबाद के रहने वाले थे। वे शामलाजी से अहमदाबाद की ओर जा रहे थे। इसी दौरान इस कार की ट्रक के पिछले हिस्से से टक्कर हुई। हादसा इतना गंभीर था कि कार का बंपर उड़ गया था और शव कार में फंस गए थे।

ब्रीफ न्यूज

चीन ने किया बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण

बीजिंग। चीन ने बुधवार को डमी वारहेड के साथ अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का प्रशांत महासागर में परीक्षण किया। चीन के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि परीक्षण के दौरान वांछित लक्ष्य हासिल कर लिया गया।

ट्रेनी डॉक्टर के परिवार ने बृंदा को चुना नया वकील

कोलकाता। आरजी कर रेप और मर्डर केस में पीड़िता के परिवार ने बृंदा ग्रोवर को अपना नया वकील नियुक्त किया है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट में पीड़ित की ओर से बिकाश रंजन भट्टाचार्य वकालत कर रहे थे।

महाराष्ट्र चुनाव- महायुति के बीच जल्द सीट बंटवारा

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छत्रपति संभाजीनगर में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ-साथ डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार से मुलाकात की। जल्द ही सीटों का बंटवारा किया जाएगा।

कृषि कानून वाले बयान पर कंगना की माफी

हरियाणा। भाजपा सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनोट ने कृषि कानूनों को लेकर दिए बयान पर बुधवार को माफी मांग ली। उन्होंने कहा कि यदि मेरे अपने बयान से किसी को निराशा हुई है तो मैं अपने शब्द वापस लेती हूं। एक्ट्रेस का यह बयान भाजपा के किनारा कर लेने के बाद आया।

सीएम आतिशी को मिली जेड कैटेगरी की सुरक्षा

नई दिल्ली। आतिशी को सीएम के रूप में शपथ लेने के एक सप्ताह बाद जेड कैटेगरी की सुरक्षा प्रदान की गई है। गृह मंत्रालय के आदेश के अनुसार उन्हें सुरक्षा दी गई है।

प्रदेश के 28वें मुख्य न्यायाधिपति बने जस्टिस कैत

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने राजभवन में दिलाई शपथ

सत्ता सुधार ■ भोपाल

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के 28वें मुख्य न्यायाधिपति की शपथ न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत को दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन राजभवन के सांदीपनि सभागार में किया गया था। इस अवसर पर सीएम डॉ. मोहन यादव भी उपस्थित रहे।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने नव-नियुक्त मुख्य न्यायाधिपति को शपथ ग्रहण के बाद पुष्प-गुच्छ भेंट कर बधाई और शुभकामनाएं दीं। गौरतलब है कि जस्टिस कैत मूलतः हरियाणा के कैथल जिले के निवासी हैं। उन्होंने 12 अप्रैल 2013 से न्यायाधीश के रूप में रूप में अपनी सेवाएं दी हैं। जस्टिस कैत ने 12 अप्रैल 2016 से 11 अक्टूबर 2018 तक तेलंगाना हाईकोर्ट के बाद 12 अक्टूबर 2018 से दिल्ली हाईकोर्ट में अपनी सेवाएं दीं।

सीएम ने सम्मान में दिया भोज

इधर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जबलपुर हाईकोर्ट के नव-नियुक्त मुख्य न्यायाधीश कैत के सम्मान में दोपहर भोज दिया। शपथ लेने के बाद कैत दोपहर में मुख्यमंत्री निवास पहुंचे। जहां मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने मुख्य न्यायाधीश को राजा भोज की और उनकी धर्मपत्नी सरोज कैत को रानी कमलापति की कांस्य प्रतिमा स्मृति चिन्ह के रूप में भेंटकर सम्मान किया।

उर्मिला मातोंडकर पति मोहसिन अख्तर मीर से लेंगी तलाक

मुंबई। 90 के दशक की फेमस बॉलीवुड अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर इन दिनों चर्चा में हैं। हालांकि, इस बार वजह प्रोफेशनल नहीं, बल्कि निजी जीवन है। दरअसल, उर्मिला मातोंडकर अपने पति मोहसिन अख्तर मीर से तलाक लेने जा रही है। उर्मिला और मोहसिन ने 3 मार्च 2016 को निकाह किया था। अब विवाह के आठ साल बाद दोनों के अलग होने जा रही हैं। दावा किया जा रहा है कि उर्मिला ने मोहसिन अख्तर से तलाक की अर्जी दे दी है। दोनों के तलाक की वजह तो सामने नहीं आई है, लेकिन सूत्रों के मुताबिक, दोनों आपसी सहमति से अलग नहीं हो रहे हैं। अभिनेत्री और मोहसिन काफी समय से साथ नहीं रह रहे हैं।

अश्लीलता की पराकाष्ठा...आज के भोजपुरी गायक हो गए नचनियां

धनबाद। भोजपुरी गीत गायक भरत शर्मा व्यास ने भोजपुरी इंडस्ट्री में हलचल मचाने वाला बयान दे डाला है। उन्होंने आज के भोजपुरी गायकों को नचनियां बताया है। उनका कहना है कि बिना महिला डांसर के इनकी दुकान बंद हो जाएगी। अपने बयान से चीरहरण करते हुए सिंगर शर्मा ने महाभारत काल के पात्र दु:शासन और द्रौपदी का भी जिक्र किया। दरअसल, बुधवार को धनबाद आए प्रख्यात भोजपुरी गीत गायक भरत शर्मा व्यास कुछ अलग ही अंदाज में दिखे। वह आयकर से जुड़े एक मामले की सुनवाई के लिए धनबाद पहुंचे थे।

देश के किसी हिस्से को नहीं कह सकते पाकिस्तान

- सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट जज के विवादित बयान पर लिया एक्शन
- सीजेआई चंद्रचूड़ की फटकार के बाद फिर जज ने मांगी माफी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को जजों को हिदायत दी कि वे किसी समुदाय पर कमेंट करते वक्त लापरवाही ना बरतें। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच कर्नाटक हाईकोर्ट के जज के विवादित कमेंट का मामला सुन रही थी। जिसमें जज ने बेंगलुरु के एक हिस्से को पाकिस्तान कह दिया था। सीजेआई ने कहा कि आप देश के किसी हिस्से को पाकिस्तान नहीं कह सकते हैं। यह देश की एकता के मौलिक सिद्धांत के खिलाफ है। कर्नाटक हाईकोर्ट के जस्टिस वी श्रीशनंदा के इस कमेंट का वीडियो वायरल हो गया था, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने खुद इस मामले की सुनवाई शुरू की। वीडियो के वायरल होने के बाद कर्नाटक हाईकोर्ट ने बिना परमिशन के कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग पर रोक लगा दी थी। इस पर सीजेआई ने कहा कि कोर्ट की प्रक्रिया में अधिकतम पारदर्शिता लाने के लिए उसे ज्यादा से ज्यादा प्रकाश में लाने की जरूरत है। कोर्ट में जो कुछ भी होता है उसे दबाना नहीं चाहिए। सब कुछ बंद कर देना नहीं है। इसके बाद जस्टिस श्रीशनंदा ने सुप्रीम कोर्ट से माफी मांग ली। सीजेआई की बेंच ने माफी मंजूर करते हुए केस बंद कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट की सलाह

कमेंट व्यक्ति का पक्षपात पूर्ण नजरिया बताते हैं। खासतौर से तब जब वे किसी जेंडर या कम्युनिटी हों। जज ऐसे कमेंट से बचें, जो किसी समुदाय के खिलाफ हों या उसे नुकसान पहुंचाने वाला हो। इस केस को हम बंद कर रहे हैं, लेकिन न्यायधीशों और वकीलों को उचित कमेंट करना चाहिए।

बीपी-डायबिटीज, बुखार की दवाओं के सेंपल फेल

पैरासिटामॉल सहित 53 दवाओं की सूची जारी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

पैरासिटामॉल सहित 53 दवाएं क्वालिटी टेस्ट में फेल हुई हैं। इनमें विटामिन, शुगर और ब्लड प्रेशर के दवाओं के अलावा एंटीबायोटिक्स भी शामिल हैं। देश की सबसे बड़ी ड्रग रेगुलेटरी बॉडी सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन ने इसकी लिस्ट जारी की है।

सीएसडीएसओ की लिस्ट में विटामिन-सी और डी-3 की गोलियां शेल्कल, विटामिन बी कॉम्प्लेक्स और विटामिन सी सॉफ्टजेल, एंटीएसिड पैन-डी, पैरासिटामॉल की गोलियां आईपी 500 एमजी, शुगर की दवा ग्लिमेपिराइड और

हाई ब्लड प्रेशर की दवा टेल्मिसर्टन भी क्वालिटी टेस्ट में फेल है। बैन की गई दवाओं की लिस्ट में दौरे और एनजाइटी में इस्तेमाल की जाने वाली क्लोनाजेपाम टैबलेट, दर्द निवारक डिक्लोफेनाक, सांस की बीमारी के लिए इस्तेमाल होने वाली एंब्रॉक्सोल, एंटी फंगल फ्लुकोनाजोल और कुछ मल्टीविटामिन और कैल्शियम की गोलियां भी हैं। ये दवाएं हेटेरो ड्रग्स, अल्केम लेबोरेट्रीज, हिंदुस्तान एंटीबायोटिक्स लिमिटेड, कर्नाटक एंटीबायोटिक्स एंड फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड जैसी बड़ी कंपनियों द्वारा बनाई जाती हैं।

प. बंगाल डॉक्टर रेप-मर्डर केसः थाने में बदला गया क्राइम सीन, बनाए गए झूठे रिकॉर्ड

सीबीआई का खुलासा-पीएम रिपोर्ट में भी कई खामियां

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की जूनियर डॉक्टर के साथ दुष्कर्म व हत्या की घटना की जांच कर रही सीबीआई ने बुधवार को सियालदह कोर्ट में दावा किया कि घटना से जुड़े कुछ तथ्यों को स्थानीय टाला थाने में बदला गया है। उन्हें नष्ट करने की कोशिश की गई है। इतना ही नहीं, थाने में कुछ गलत तथ्य गढ़े गए हैं। सीबीआई ने अदालत में दावा किया कि

मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल घोस व पूर्व टीआई ने खोले राज

यह जानकारी आरजी कर अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष और टाला थाने के पूर्व प्रभारी अभिजीत मंडल से हिरासत में पूछताछ के दौरान उनके हाथ लगी। सीबीआई ने कोर्ट को बताया कि डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर (डीवीआर) और हार्ड डिस्क के साथ टाला थाने के सीसीटीवी फुटेज को भी फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। एक-दो दिन में जानकारी आ जाएगी।

उपलब्धि रूस-जापान से आगे भारतः एशिया पावर इंडेक्स में अमेरिका पहले, चीन दूसरे स्थान पर

एशिया में बढ़ी हमारी धाक... अब तीसरा सुपरपावर बना भारत

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत की शक्ति दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है। इसी का नतीजा है कि एशिया में भारत की धाक और बढ़ गई है। एशिया पावर इंडेक्स की ओर से जारी सूची के मुताबिक रूस और जापान को पीछे छोड़ भारत एशिया की तीसरी महाशक्ति बन गया है। बुधवार को भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। ऑस्ट्रेलिया के लॉवी इंस्टीट्यूट थिंक टैंक की ओर से जारी किए गए एशिया पावर इंडेक्स में भारत से आगे चीन है। इस लिस्ट में पहले स्थान पर अमेरिका है। एशिया प्रशांत क्षेत्र में सालाना आधार पर ताकतवर देशों की एक सूची तैयार की जाती है। इस बार एशिया पावर

इंडेक्स में कुल 27 देशों की स्थिति आकलन किया गया है। वहीं भारत सरकार ने बयान में कहा कि एक बड़े बदलाव के तहत भारत ने जापान को पछाड़कर एशिया पावर इंडेक्स में तीसरे सबसे ताकतवर देश का दर्जा हासिल किया है। ये भारत की दुनियाभर में बढ़ रही साख को दर्शाता है। एशिया पावर इंडेक्स रिपोर्ट 2024 में भारत की तारीफ की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की एशिया में ताकत बढ़ रही है। ऐसा पहली बार हुआ है जब भारत ने ताकत के मामले में तीसरा स्थान हासिल किया है।

एक नजर में...कौन से देश किस स्थान पर

सूची के अनुसार भारत जापान को पछाड़कर 39.1 प्वाइंट के साथ तीसरे स्थान पर है। पिछले साल भारत को इस रिपोर्ट में चौथे नंबर पर रखा गया था। जापान की आर्थिक स्थिति में गिरावट की वजह से उसकी ताकत में कमी आई है। जापान अब चौथा सबसे शक्तिशाली और प्रभावशाली एशियाई देश बन गया है। जापान को 38.9 प्वाइंट मिले हैं। इस लिस्ट में अमेरिका को 81.7 प्वाइंट के साथ पहले और चीन 72.7 प्वाइंट के साथ दूसरे स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया 31.9 प्वाइंट के साथ पांचवें, रूस 31.1 प्वाइंट के साथ छठवें, साउथ कोरिया 31.0 प्वाइंट के साथ सातवें, सिंगापुर 26.4 प्वाइंट के साथ आठवें, इंडोनेशिया 22.3 अंक के साथ नौवें और थाईलैंड 19.8 प्वाइंट के साथ 10वें स्थान पर है।

पाकिस्तान का हाल काफी बेहाल- पाकिस्तान का हाल काफी बेहाल है। पाक को मात्र 14.6 प्वाइंट मिले हैं। वह 16वें नंबर पर है। चीन ने सैन्य बढ़त जरूर हासिल की है, लेकिन प्रभाव स्थिर है। चीन की ताकत न तो बढ़ रही है और न ही कम हो रही है। वहीं अमेरिका ने एशिया में अपनी सैन्य ताकत में इजाफा किया है। हालांकि अमेरिका सैन्य ताकत के मामले में चीन से पिछड़ रहा है।

मैसूर जमीन घोटाले में लोकायुक्त करेगा सीएम सिद्धारमैया की जांच

एमपी-एमएलए कोर्ट ने कहा- तीन महीने में पेश करो रिपोर्ट

बेंगलुरु। हाईकोर्ट के बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया को बुधवार को एमपी-एमएलए कोर्ट से भी बड़ा झटका लगा है। विशेष अदालत ने मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण घोटाला में सीएम सिद्दरमैया के खिलाफ लोकायुक्त जांच की मंजूरी दी है। न्यायाधीश संतोष गजानन भट ने मामले की जांच मैसूर जिले के लोकायुक्त अधीक्षक को सौंपी है। उन्हें तीन महीने यानी 24 दिसंबर को अपनी रिपोर्ट सौंपनी होगी। जांच अधिकारी के पास सीएम से पूछताछ करने और गिरफ्तार करने का भी अधिकार होगा। अदालत ने स्पष्ट कहा कि मामले की जांच सीआरपीसी की धारा 156 (3) के प्रावधानों के तहत की जाएगी। सीएम सिद्दरमैया के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के बाद जांच शुरू की जाएगी। याचिकाकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने विशेष अदालत में मुडा घोटाले में एक शिकायत दाखिल की थी।

sattasudharbpl@gmail.com | satta_sudhar | facebook.com/satta.sudhar.7 | www.sattasudhar.in
पांच राज्यों से एक साथ प्रकाशित

भोपाल। भाजपा के पितृपुरुष पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती पर बुधवार को भाजपा सदस्यता महाअभियान के तहत ग्राम मीना खेड़ी बैरागढ़ कोलार में सैकड़ों कार्यकर्ताओं को भारतीय जनता पार्टी का सदस्य बनाया गया। इस उपलक्ष में मुख्य रूप से सर्व मीना समाज के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश मीना, ताराचंद मारण जिला अध्यक्ष, राजेंद्र मीना, प्रदीप मीना, विनय मीना, विकास मीना, दीपक मीना, अनिकेत, सुमित, आकाश, धन सिंह, राजू मीना, महेंद्र, अभय, विकास, वीरेन, अमन, चिरंजी लाल मीना काका जी, धर्मेंद्र, विनोद, रवि, सागर, रमेश, राकेश शेखर, अरमान, नितिन, सतीश मीना, संजय मीना, कमल सिंह, कैलाश, कपिल, अजब सिंह, राधेश्याम, फूल सिंह, रामदयाल और अनेक कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ली।

ब्रीफ न्यूज

रिटायर्ड जज को सचिव बनाएगी सरकार

भोपाल। महाधिवक्ता कार्यालय जबलपुर में सचिव के पद पर की जाने वाली संविदा नियुक्ति को लेकर विधि और विधायी कार्य विभाग ने राज्य की न्यायिक सेवा से रिटायर होने वाले उच्च न्यायिक सेवा के चयन श्रेणी के अधिकारियों से आवेदन मांगे हैं। सचिव के नए पद का सृजन किए जाने के बाद सरकार ने तय किया है कि ये नियुक्ति संविदा नियम के आधार पर की जाएगी। नियुक्ति के लिए आवेदन 15 अक्टूबर तक बुलाए गए हैं जो विधि और विधायी कार्य विभाग की वेबसाइट पर आनलाइन किए जा सकेंगे। संविदा सचिव पर नियुक्ति के लिए आवेदन प्रमुख सचिव विधि और विधायी कार्य विभाग के पते पर किए जाएंगे। रिटायर अधिकारियों से आवेदन बुलाए गए हैं उन्हें यह बताना होगा कि शासकीय सेवा के दौरान उनके किसी कार्य से या उसके बाद कोई अपराध दर्ज हुआ है या नही। इसकी पूरी जानकारी भी देना होगी।

21वीं पशु संगणना के संबंध में राज्यस्तरीय कार्यशाला आज

भोपाल। 21 वीं पशु संगणना 2024 के संबंध में राज्य स्तरीय कार्यशाला गुरुवार को संचालनालय पशु चिकित्सा एवं डेयरी के सभागार में आयोजित की गई है। कार्यशाला का शुभारंभ भारत सरकार के मत्स्य, पशुपालन एवं डेयरी विभाग की सचिव सुश्री अलका उपाध्याय और प्रदेश के प्रमुख सचिव पशुपालन एवं डेयरी विभाग ई.रमेश कुमार करेंगे। कार्यशाला में पशुधन गणना के लिए कार्य प्रणाली और दिशा निर्देशों पर विस्तृत सत्र, मोबाइल एप्लीकेशन और डैश-बोर्ड सॉफ्टवेयर पर प्रशिक्षण के साथ ही प्रतिभागियों के प्रश्न और समस्याओं का समाधान किया जाएगा। 21वीं पशु संगणना भारत सरकार द्वारा मप्र के 55 जिलों के एक करोड़ 80 लाख परिवारों में घर-घर जाकर की जानी है।

वाहनों की जांच के लिए चेकिंग पाइंट तय

भोपाल। प्रदेश में अंतर्राज्यीय सीमाओं से प्रवेश करने वाले वाहनों के लिए अस्थाई चेकिंग पाइंट निर्धारित किए गए हैं। यह व्यवस्था मोटर मालिकों की सुविधा को देखते हुए की गई है। पूर्व में इंटीग्रेटेड चेकपोस्ट अंतर्राज्यीय सीमाओं में कार्य कर रहे थे। इन चेकपोस्टों पर विभिन्न विभागों, जिनमें प्रमुख रूप से खनिज, वन, परिवहन समेत अन्य विभागों की जांच की जा रही थी। संयुक्त जांच कार्य से दूसरे राज्यों से आने वाले वाहनों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था।

बुंदेलखंड क्षेत्र के समग्र विकास में कोई कसर नहीं रहने देंगेः सीएम

सागर की रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव से बुन्देलखंड को मिलेगी औद्योगिक गति

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पीएम नरेन्द्र मोदी ने बुंदेलखंड क्षेत्र को केन-बेतवा परियोजना की सौगात देकर पूरे क्षेत्र के समग्र विकास के नए द्वार खोल दिये हैं। इससे कृषि के साथ-साथ औद्योगिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। आगामी 27 सितम्बर को सागर में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव होने जा रहा है। इस कॉन्क्लेव से वीरों की धरती के रूप में विख्यात बुंदेलखंड को एक नई पहचान मिलने के साथ औद्योगिक विकास को भी गति मिलेगी। सीएम डॉ. यादव ने कहा कि क्षेत्रीय अंचलों में होने वाली रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव से निवेश में अभूतपूर्व सफलताएँ मिली हैं। इससे क्षेत्र के विकास के साथ बड़ी संख्या में रोजगार सृजन भी होगा। उन्होंने कहा कि म.प्र. सरकार बुन्देलखंड क्षेत्र के समग्र विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगी।

राज्य सरकार ने वर्ष 2025 को उद्योग वर्ष घोषित किया है। इस दिशा में सरकार द्वारा पूरे देश में रोड-शो एवं स्थानीय स्तर पर रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है, जिससे राज्य औद्योगिक केन्द्र के रूप में अपनी पहचान बनाने में सफल हो रहा है। राज्य सरकार के इस नवाचार से पीएम मोदी के वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को पूरा करने में प्रदेश महत्वपूर्ण योगदान देगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सागर की रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव होने से पहले बुंदेलखंड क्षेत्र के उद्योगपतियों से चर्चा की गई। सभी ने उद्योगों को बढ़ावा देने के लिये व्यापक पैमाने पर निवेश के लिये सहमति दी है। देश-विदेश के उद्योगपतियों ने कॉन्क्लेव में शामिल होने और निवेश के लिये रूचि दिखाई है। सागर संभाग में आने वाले प्रमुख जिले-सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, दमोह और पन्ना में

औद्योगिक विकास के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं लागू की जा रही हैं, जिससे राज्य में निवेश बढ़े और रोजगार के नए अवसर उत्पन्न हों। सागर जिले में 5 औद्योगिक क्षेत्रों में कुल 440 एकड़ भूमि पर 206 औद्योगिक इकाइयाँ कार्यरत हैं। इन इकाइयों में लगभग 211 करोड़ रुपये का पूंजी निवेश हुआ है और 4789 लोगों को रोजगार मिल रहा है। प्रमुख परियोजनाओं में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) द्वारा बीना स्थित रिफाइनरी में 15000 करोड़ रुपए का निवेश और 4000 लोगों को रोजगार शामिल है। इसके अतिरिक्त, रिफाइनरी के विस्तार और पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स के निर्माण के लिए 49000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश प्रस्तावित है, जिससे हजारों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। छतरपुर जिले में 3 औद्योगिक क्षेत्र हैं, जो 145 एकड़ भूमि पर स्थित हैं। यहां कुल 82 औद्योगिक इकाइयां कार्यरत हैं, जिनसे 19 करोड़ रुपए का निवेश और 560 लोगों को रोजगार मिला है। भविष्य में ग्राम ढढारी में 131 एकड़ भूमि पर औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने का प्रस्ताव है। वहीं टीकमगढ़ जिले में 4 औद्योगिक क्षेत्र हैं, जिनमें कुल 32 औद्योगिक इकाइयां कार्यरत हैं। इनसे लगभग 12 करोड़ रुपए का पूंजी निवेश हुआ है और 358 लोगों को रोजगार प्राप्त हुआ है। प्रमुख योजनाओं में बेल मेटल क्लस्टर और फर्नीचर क्लस्टर का निर्माण प्रस्तावित है।

निवाड़ी जिले में 3 औद्योगिक क्षेत्र हैं, जिनमें कुल 119 औद्योगिक इकाइयां कार्यरत हैं। यहाँ 135 करोड़ रुपये का पूंजी निवेश हुआ है और 1690 लोगों को रोजगार मिला है। महत्वपूर्ण परियोजनाओं में पैसिफिक मेटा स्टील्स द्वारा 1772 करोड़ रुपए के निवेश से इंटीग्रेटेड स्टील प्लांट का निर्माण किया जा रहा है, जिससे 1164 लोगों को रोजगार मिलेगा। साथ ही, बबेड़ी जंगल और ग्राम जेर में नए औद्योगिक क्षेत्रों का विकास किया जा रहा है। दमोह जिले में 3 औद्योगिक क्षेत्र हैं, जिनमें कुल 53 औद्योगिक इकाइयां कार्यरत हैं। इनसे 16 करोड़ रुपए का पूंजी निवेश हुआ है और 210 लोगों को रोजगार मिला है। यहां मेसर्स जेएसडब्ल्यू सीमेंट द्वारा 3000 करोड़ रुपये के निवेश से सीमेंट प्लांट का निर्माण प्रस्तावित है। पन्ना जिला, जो हीरे की धरती के रूप में जाना जाता है, औद्योगिक विकास की दिशा में भी अग्रसर है। जिले में 2 औद्योगिक क्षेत्र हैं, जिनमें 20 औद्योगिक इकाइयां कार्यरत हैं। इनसे 46 करोड़ रुपए का पूंजी निवेश हुआ है और 178 लोगों को रोजगार मिला है। प्रमुख परियोजनाओं में अमानगंज में 2000 करोड़ रुपए के निवेश से सीमेंट प्लांट का निर्माण और डायमंड बिजनेस पार्क की स्थापना शामिल हैं।

पं. दीनदयाल ने देश की बुनियाद से जुड़कर कार्य करने की दी प्रेरणा

मुख्यमंत्री ने उपाध्याय की जयंती पर उन्हें माल्यार्पण कर किया नमन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा से मानवता का भला करने का दर्शन दिया। उनका मानना था कि देश की जड़ों से जुड़कर हम कार्य करें और अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक का भला करें। शांति के अग्रदूत के रूप में पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पं. दीनदयाल उपाध्याय की सोच को क्रियान्वित करते हुए विकास और जनकल्याण के कार्य पूरे देश में जारी है। उनके विचारों को घर-घर तक पहुंचाने के लिए संपूर्ण प्रदेश में अभियान जारी है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा लगाए गए जनसंघ के पौधे का विस्तार विचार के रूप में देश ही नहीं दुनिया के विभिन्न भागों तक हुआ है। जन-कल्याण की कई योजनाओं के क्रियान्वयन में राज्य सरकार देश में अग्रणी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के उपलक्ष में लाल घाटी स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित कर उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। सांसद वीडी शर्मा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों के आधार पर ही विश्व के सबसे बड़े संगठन ने अपना विस्तार किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव पं. दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को धरातल पर उतारने के पुनीत कर्तव्य को समर्पित हैं। उनकी जयंती पर प्रत्येक वार्ड, मोहल्ले और गांव-गांव में उनके विचारों पर केंद्रित कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। अधिक से अधिक लोगों को उनके विचार से जोड़ा जा रहा है। कार्यक्रम में पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त-घुमन्तु और अर्द्ध-घुमन्तु कल्याण राज्य मंत्री कृष्णा गौर, महापौर मालती राय, स्थानीय सांसद आलोक शर्मा, पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, जन प्रतिनिधि आदि मौजूद थे।

शहरों में आने वाले श्रमिकों के लिए बनेंगे मॉडल रैन-बसेरे

इंदौर, भोपाल, जबलपुर व सागर के प्रस्ताव हुए तैयार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के शहरों में संचालित रैन-बसेरों की जानकारी ली है। विभिन्न कार्यों से ग्रामीण शहरों में पहुंचते हैं। इनके रात में आराम करने के लिए व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से श्रम विभाग के माध्यम से रैन-बसेरों के निर्माण का कार्य होगा। मुख्यमंत्री के निर्देशों के परिपालन में भोपाल, सागर, जबलपुर एवं इंदौर के प्रस्ताव तैयार कर श्रमिक विश्राम गृह के निर्माण की पहल की गई है। उल्लेखनीय है कि नगर निगमों के माध्यम से प्रदेश के प्रमुख नगरों में दीनदयाल अंत्योदय योजना, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत 121 आश्रय स्थल संचालित हैं। यहां शहरी बेघर आकर भी शरण लेते हैं। नगरीय निकायों द्वारा इन स्थानों का प्रबंधन किया जाता है। प्रदेश के 16 नगर निगम क्षेत्रों में मॉडल रैन-बसेरों का निर्माण भी किया जा रहा है। इसके लिए शासन ने श्रम विभाग को प्रति मॉडल रैन-बसेरा 6.10 करोड़ रूपए के मान से 100 करोड़ रूपए की राशि स्वीकृत की है। श्रम विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों और एजेंसियों ने रैन-बसेरों के निर्माण की कार्यवाही शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गत दिसम्बर में भोपाल शहर में फुटपाथ पर रात गुजारने वाले कई नागरिकों से भेंट की थी। साथ ही ईदगाह हिल्स और शाहजहांनी पार्क के पास नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा संचालित रैन-बसेरों का निरीक्षण भी किया था। मुख्यमंत्री ने इन रैन-बसेरों में नागरिकों के उपचार के लिए सुविधा प्रदान करने, भोजन की गुणवत्ता पर नजर रखने और शीतकाल में रजाई आदि की व्यवस्था के संबंध में निर्देश दिए थे। अनेक सामाजिक संगठन भी रैन-बसेरों के अच्छे संचालन के लिए सहयोग करते हैं। मुख्यमंत्री को रैन-बसेरों के निरीक्षण में इस तथ्य की भी जानकारी मिली थी कि निर्धन वर्ग विशेषकर ऐसे श्रमिक जो किन्हीं कार्यों से भोपाल, इंदौर व अन्य बड़े नगरों में आते हैं और उन्हें कुछ दिन शहर में रहना होता है। शहरों में ऐसी सुविधा कम होने से उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ता। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्रमिकों की सुविधा के लिए शहरों में श्रमिक विश्राम गृह के निर्माण के निर्देश दिए थे।

रीजनल इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव बुंदेलखंड के औद्योगिक विकास में मील का पत्थर साबित होगाः मंत्री राजपूत

सत्ता सुधार ■ भोपाल

बुंदेलखंड के संभागीय मुख्यालय सागर में 27 सितंबर को होने वाली रीजनल इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव बुंदेलखंड के विकास में मिल का पत्थर साबित होगी। कॉन्कलेव का उद्घाटन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। यह जानकारी बुधवार की शाम खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने आयोजन स्थल पुलिस अकादमी परेड ग्राउंड की तैयारी का जायजा लेते हुए दी।

मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि तैयारियां अंतिम चरण में है। इस भव्य आयोजन में देश और विदेश के साढे चार हजार से अधिक उद्यमियों ने अभी तक पंजीयन

कराया है। एक दिवसीय इस आयोजन में खनिज, पर्यटन, नवकरणीय ऊर्जा, टेक्सटाईल, आईटी, डॉटा सेंटर के क्षेत्र में भरपूर निवेश होने की संभावना है। आयोजन के अंत में ÷एक जिला-एक उत्पाद÷ पर कार्यशाला आयोजित की जावेगी। कॉन्कलेव की तैयारियां अंतिम चरण में है। पूरे शहर को आमंत्रित अतिथियों के स्वागत में दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है। मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि रीजनल इंडस्ट्रीज कॉन्कलेब में मध्य प्रदेश के साथ-साथ देश और विदेश के उद्यमियों को शामिल होने का निमंत्रण दिया गया है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता विमला डोहर बनी प्रेरणा

परिश्रम और समाज के प्रति जिम्मेदारी जीवन में ला सकती है परिवर्तन

सत्ता सुधार ■ भोपाल

महिला एवं बाल विकास विभाग की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता न केवल पोषण और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करती हैं, बल्कि समाज में महत्वपूर्ण बदलाव लाने का भी कार्य करती हैं।

सतना, मध्यप्रदेश के सोहावल परियोजना के अंतर्गत ग्राम सलैया की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता विमला डोहर की कहानी न केवल उनके समर्पण को दिखाती है, बल्कि यह भी बताती है कि कैसे एक कार्यकर्ता समाज में स्वस्थ जीवनशैली और जागरूकता का संचार कर सकती है। एक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता का परिश्रम और समाज के प्रति उसकी जिम्मेदारी किसी भी परिवार के जीवन में बड़ा परिवर्तन ला सकती है। अनीता वर्मा, जो सलैया के मिनी आंगनवाड़ी केंद्र की रहने वाली हैं, का जीवन तब और कठिन हो गया जब वह अपने पहले बच्चे के जन्म के तुरंत बाद फिर से

गर्भवती हो गई। उनके पति संजीव, जो एक दिहाड़ी मजदूर हैं, अपने परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए दिन-रात मेहनत करते थे लेकिन अनीता की सेहत की गिरावट ने पूरे परिवार को चिंतित कर पहली डिलीवरी के बाद अनीता का शरीर पहले से ही कमजोर था और दूसरी बार गर्भवती होने से उसकी सेहत और खराब हो गई। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता विमला डोहर को अनीता की स्थिति के बारे में पता चला, तो उन्होंने तुरंत अनीता का आंगनवाड़ी में पंजीयन करवाया और उसे नियमित जांच और टीकाकरण के लिए प्रेरित किया। विमला जानती थीं कि केवल ये प्रयास काफी नहीं थे। उन्होंने अनीता के परिवार से मिलकर गर्भधारण से जुड़े जोखिमों और पोषण के महत्व को समझाया। यह विमला के दृढ़ निश्चय का ही परिणाम था कि अनीता के परिवार ने उसकी सेहत का पूरा ख्याल रखा और उसकी स्थिति में निरंतर सुधार होने लगा। विमला डोहर का यह कदम सिर्फ एक स्वास्थ्य सेवा नहीं था, बल्कि एक सामाजिक जागरूकता का प्रतीक भी था। उन्होंने अनीता और उसके परिवार को यह समझाया कि गर्भवती महिलाओं का स्वस्थ होना न केवल उस परिवार के लिए बल्कि पूरे समाज के लिए महत्वपूर्ण है। विमला का धैर्य और परिश्रम रंग लाया और अनीता ने 4 जनवरी 2024 को एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया।

भावनात्मक और सामाजिक पहलू

अनीता के प्रसव के बाद भी विमला ने अपने कर्तव्यों को नहीं छोड़ा। उन्होंने नियमित रूप से अनीता और उसके बच्चे की देखभाल की साथ ही अनीता को नवजात को जन्म के शुरुआती 6 महीने केवल स्तनपान कराने की सलाह दी। बच्चे को 6 महीने के बाद पोषण युक्त आहार दिया गया। आज, अनीता का बच्चा पूरी तरह से स्वस्थ है। अनीता और उसके परिवार ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता विमला डोहर का आभार प्रकट किया और यह महसूस किया कि सही मार्गदर्शन और पोषण ही अच्छी सेहत का आधार है।

बयान

बीज प्रमाणीकरण विभाग का चपरासी 10 करोड़ रुपए के गबन का आरोपी

विभाग के अधिकारी लगे मामले की लीपापोती में : जीतू पटवारी

सत्ता सुधार ■ भोपाल

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि बीज प्रमाणीकरण विभाग में करोड़ों रूपयों का व्यापक पैमाने पर भ्रष्टाचार किए जाने का मामला पहले ही सामने आ चुका है। अब विभाग के एक चपरासी द्वारा 10 करोड़ रुपए की एफडी को तुड़वाकर अपने खाते में ट्रांसफर कराये जाने का मामला सामने आया है। संज्ञान में यह बात सामने आयी है कि विभाग का उक्त चपरासी विगत 10 सालों से कार्यालय में नौकरी करने ही नहीं जाता, फिर भी उसे पूरा वेतन मिल रहा है, इससे स्पष्ट है कि विभाग के आला अधिकारी इस एफडी कांड में शामिल हैं।

पटवारी ने कहा कि मामला राजधानी भोपाल के इमामी गेट के स्थित सेंट्रल बैंक आफ इंडिया से जुड़ा हुआ हैं। बीज

प्रमाणीकरण विभाग ने इमामी गेट स्थित सेंट्रल बैंक आफ इंडिया में विगत 30 नवम्बर 2023 को पांच-पांच करोड़ रुपए की दो एफडी बनवाई थी। जब अधिकारी इन एफडी को तुड़वाने के लिए बैंक पहुंचे तो मामला सामने आया कि इन एफडी की राशि को चपरासी द्वारा तोड़कर एचडीएफसी बैंक खाते में ट्रांसफर कर दी गई है। इतना ही नहीं एफडी पर मिले 66 लाख रूपये के ब्याज की राशि भी उक्त चपरासी के खाते में ट्रांसफर की गई है।

उन्होंने कहा कि एफडी कांड में चपरासी के साथ बैंक मैनेजर या विभाग के आला-अफसर और एमडी की मिलीभगत तो नहीं है? मामला सामने आते ही बैंक प्रबंधन और प्रशासन ने जांच तो शुरू कर दी, लेकिन सच्चाई अभी भी कुछ और ही बयां कर रही है। वहीं पुलिस ने धोखाधड़ी और गबन के मामले की एफआईआर दर्ज कर ली है लेकिन अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। इस फर्जीवाड़े को अंजाम देने में कौन-कौन से अन्य लोग शामिल हैं, इतनी बड़ी राशि का गबन करने वाले आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम का गठन कर आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की जानी चाहिए।

दोषियों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करें

पटवारी ने कहा कि बैंकिंग प्रणाली की सुरक्षा और आंतरिक नियंत्रणों पर गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं। बीज प्रमाणीकरण विभाग के एमडी सहित फर्जीवाड़े में शामिल अन्य अधिकारियों और चपरासी को तत्काल सेवा से बर्खास्त किया जाना चाहिए। सरकार द्वारा इस तरह के फर्जीवाड़ों को रोकने के लिए नई नीतियों और सुरक्षा उपायों पर विचार किया जाना चाहिए। इस मामले ने राज्य सरकार और बैंक प्रशासन इस घटना की गंभीरता से लेते हुए दोषियों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करें।

राज्य शासन ने शुरू की शून्य आधार बजटिंग की नवाचारी पहल

वर्ष 2025-26 के बजट की तैयारियां शुरू

सत्ता सुधार ■ भोपाल

राज्य शासन ने बजट निर्माण की नवाचारी पहल करते हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट अनुमान शून्य आधार बजटिंग प्रक्रिया के आधार पर तैयार करने के निर्देश दिए हैं। विभागों को वर्तमान में चल सभी योजनाओं/नवीन योजनाओं के मूल्यांकन एवं विश्लेषण सूक्ष्मता से करने के लिये कहा है। शून्य आधारित बजट में बजट अनुमान शून्य से प्रारंभ किये जाते हैं। शून्य आधारित बजट में गत वर्षों के व्यय सम्बन्धी आंकड़ों को कोई महत्व नहीं दिया जाता है। इस प्रणाली में कार्य इस आधार पर शुरू किया जाता है कि अगली अवधि के लिए बजट शून्य है।

प्रशासकीय विभाग द्वारा विभाग में चल रहे कार्यक्रमों और गतिविधियों की योजनावार पूरी तरह से गणना की पुनः समीक्षा की जाना होगी जिसमें विभाग में प्रचलित सभी योजनाओं की निरंतर उपयोगिता की गणना का सटीक आंकलन हो सके। अतः विभाग द्वारा अपने बजट प्रस्ताव के पक्ष में पिछले वर्षों के व्यय (विनियोग) का संदर्भ के साथ-साथ यह भी स्पष्ट करना होगा कि प्रस्तावित किये जा रहे बजट अनुमान की गणना का आधार क्या है।

ब्रीफ न्यूज

मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से एक व्यक्ति को 25 हजार की राषि स्वीकृत

दतिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपनी स्वेच्छानुदान मद से ग्राम ग्यारा तहसील सेंवढ़ा निवासी श्री भगवत सिंह पुत्र श्री लाल बहादुर सिंह को 25 हजार की राशि स्वीकृत की गई है।

प्लेसमेंट ड्राइव/रोजगार मेला का आयोजन आज

दतिया। जिला रोजगार अधिकारी दतिया ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार दतिया जिले में आज प्रातः 10.30 बजे से दोपहर 2 बजे तक जिला रोजगार कार्यालय शासकीय आईटीआई परिसर इंडस्ट्रीयल एरिया बक्शी हनुमान मंदिर रोड दतिया में प्लेसमेंट ड्राइव/रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। रोजगार मेला के माध्यम से विभिन्न पदों पर भर्ती की जाएगी जिनमें चैकमेट सर्विस प्राइवेट लिमिटेड गुजरात में सुरक्षा गार्ड, एक्सिस बैंक में अस्टिेंट मेनेजर, पुखराज हेल्थ केयर कंपनी ग्वालियर में मैनेजर, भारतीय जीवन बीमा नियम दतिया में महिला अभिकर्ता/पुरूष अभिकर्ता एवं टाटा मोटर्स सनद गुजरात में ट्रेनी शामिल है।

दुष्कर्म का आरोपी को गिरफ्तार, जेल भेजा

दतिया। भांडेर थाना पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने दंपत्ति को बाइक से लिफ्ट दी, बाद में बहाना कर महिला के पति को बाइक से उतार दिया। इसके बाद उसे सुनसान जगह ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया। जानकारी के अनुसार 23 सितंबर को गांव निवासी महिला ने पुलिस को बताया कि 21 सितंबर को वह रिश्तेदारी में ततारपुर गांव में पति के साथ तेरहवीं के कार्यक्रम में गई थी। अगले दिन सुबह करीब नौ बजे वह और उसका पति ततारपुर अपने गांव के जाने के लिए वाहन के इंतजार में गांव के तिराहे पर खडे थे। तभी पडोस के गांव का रहनेवाला संजय परिहार वहां से निकला। उन लोगों ने उससे गांव तक छोडने के लिए कहा तो उसने उन लोगों को बाइक पर बैठा लिया। लेकिन कुछ दूर जाकर उसने बाइक में हवा कम होने का बहाना कर उसके पति को उतार दिया। इस पर उसके पति ने दूसरी वाहन से आने की कहकर उसके साथ चले जाने दिया। आरोपी उसे शॉर्टकट की कहकर सुनसान जगह खेत में गया और उसके साथ दुष्कर्म किया।

युवक ने शराब ने नशे में लगाई फांसी, मौत

दतिया। उनाव थाना क्षेत्र के ग्राम रिछार में रहने वाले एक युवक ने मंगलवार को शराब के नशे में अपने घर के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक शराब के नशे में धुत होकर आया और कमरे में जाकर फांसी लगा ली। जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पीएम कराया। पुलिस ने मामले को जांच में लिया है। जानकारी के अनुसार, ग्राम रिछार निवासी विवेक पुत्र शिरोमण दांगी ने पुलिस को सूचना देकर बताया कि उसका छोटा भाई विकास (34) पुत्र शिरोमण दांगी मंगलवार को शराब पीकर आया और कमरे में जाकर फांसी लगा ली जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी।

चाइल्ड पोर्न पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला ऐतिहासिक

सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा, बच्चों के अश्लील वीडियो देखना पॉक्सो और आईटी एक्ट के तहत अपराध

120 गैरसरकारी संगठनों के गठबंधन जस्ट राइट्स पर चिल्ड्रेन एलायंस (जेआरसीए) की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाई कोर्ट का फैसला रद्द किया

सत्ता सुधार ■ दतिया

चाइल्ड पोर्नोग्राफी यानी बच्चों के अश्लील वीडियो डाउनलोड करने, उन्हें देखने या किसी से साझा करने को यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम और सूचना तकनीक कानून के तहत अपराध करार देने के सुप्रीम कोर्ट के फै सले का बाल अधिकारों के संरक्षण से जुड़े देश के सभी गैरसरकारी संगठनों ने स्वागत किया है। सुप्रीम कोर्ट का यह फै सला बाल अधिकारों के लिए काम कर रहे देश के 120 से भी ज्यादा गैरसरकारी संगठनों के गठबंधन जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंस (जेआरसीए) की याचिका पर आया। शीर्ष अदालत ने जेआरसीए की याचिका पर सुनवाई करते हुए मद्रास हाई कोर्ट के उस फै सले को रद्द कर दिया जिसने कहा था कि इस तरह की सामग्रियों को डाउनलोड करना और देखना दंडनीय अपराध नहीं है, यह सिर्फ नैतिक पतन है। जेआरसीए के सहयोगी संगठन धरती संस्था ने इस फै सले का स्वागत करते हुए कहा कि यह साइबर जगत में बच्चों के अधिकारों के संरक्षण के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। फै सले में शीर्ष अदालत ने सरकार को यह भी निर्देश दिया कि वह पॉक्सो कानून में चाइल्ड पोर्नोग्राफी की जगह बाल यौन शोषण एवं दुर्व्यवहार सामग्री÷ शब्द का इस्तेमाल करे ताकि जमीनी हकीकत और इस अपराध की गंभीरता एवं इसके विस्तार को सही तरीके से परिलक्षित किया जा सके।

देश में बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए इस अहम फै सले का स्वागत करते हुए धरती संस्था के निदेशक देवेन्द्र भदौरिया ने कहा, ÷यह बेहद महत्वपूर्ण क्षण है। साइबर जगत में बच्चों को पग-पग पर खतरा है जहां आदमी की खाल में छिपे भेड़िये बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्रियों की तलाश में रहते हैं। ये बच्चों के यौन शोषण के वीडियो डाउनलोड करते हैं, इन्हें देखते हैं और दूसरों से साझा करते हैं। लेकिन इस फै सले के बाद अब इस तरह के विकृत तत्व अपने घर में अकेले में भी इस तरह के वीडियो देखने व साझा करने पर बच नहीं पाएंगे।

जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंस ने जनवरी 2024 में मद्रास हाई कोर्ट के फै सले को चुनौती देते हुए यह याचिका दायर की थी। मद्रास हाई कोर्ट ने बच्चों के अश्लील वीडियो डाउनलोड करने व उन्हें देखने को पॉक्सो और सूचना तकनीक (आईटी) अधिनियम के तहत अपराध नहीं मानते हुए 28 वर्षीय आरोपी के खिलाफ मामले को खारिज कर दिया था। मद्रास हाई कोर्ट ने आईटी व पॉक्सो अधिनियम के तहत मुकदमे का सामना कर रहे आरोपी को बरी करने के लिए केरल हाई कोर्ट के फै सले पर भरोसा किया था।

शीर्ष अदालत के इस ऐतिहासिक फै सले पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए याची और जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंस के संस्थापक भुवन ऋभु ने कहा, भारत ने दुनिया भर में फै ले और संगठित अपराधों की रोकथाम और उससे बच्चों की सुरक्षा के लिए एक बार फिर दुनिया को रास्ता दिखाते हुए एक विस्तृत रूपरेखा की आधारशिला रखी है। यह एक दूरगामी फै सला है जिसका असर पूरी दुनिया में होगा। संगठित अपराधों और बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा के मामले में यह फै सला इतिहास में अमिट रहेगा। जब भी कोई व्यक्ति बच्चों के अश्लील वीडियो या उनके यौन शोषण की सामग्रियों की तलाश करता है या उन्हें डाउनलोड करता है तो वह वस्तुतरू बच्चों से बलात्कार की मांग को बढ़ावा दे रहा होता है। यह निर्णय श्बाल पोर्नोग्राफीश् से जुड़ी हमारी उस पारंपरिक समझ को भी तोड़ता है जो इसे वयस्कों के मनोरंजन के तौर पर देखती है। इस आदेश के बाद लोग बच्चों के यौन शोषण और इससे जुड़ी सामग्रियों को एक अपराध के तौर पर देखना शुरू करेंगे। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंस ने जनवरी 2024 में मद्रास हाई कोर्ट के फै सले को चुनौती देते हुए यह याचिका दायर की थी। मद्रास हाई कोर्ट ने बच्चों के अश्लील वीडियो डाउनलोड करने व उन्हें देखने को पॉक्सो और सूचना तकनीक (आईटी) अधिनियम के तहत अपराध नहीं मानते हुए 28 वर्षीय आरोपी के खिलाफ मामले को खारिज कर दिया था। मद्रास हाई कोर्ट ने आईटी व पॉक्सो अधिनियम के तहत मुकदमे का सामना कर रहे आरोपी को बरी करने के लिए केरल हाई कोर्ट के फै सले पर भरोसा किया था।

प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की खंडपीठ ने अदालतों को यह भी आदेश दिया कि वे अदालती कार्रवाइयों एवं आदेशों में ÷चाइल्ड पोर्नोग्राफी÷ के बजाय ÷बाल यौन शोषण व दुर्व्यवहार सामग्री÷ शब्द का प्रयोग करें। खंडपीठ ने कहा कि बच्चे के साथ यौन शोषण व उत्पीड़न की एक भी घटना उसे अवसाद में धकेल देती है। जब-जब उसके शोषण व उत्पीड़न की तस्वीरें या वीडियो देखे या किसी के साथ साझा किए जाते हैं, तब-तब यह बच्चे के अधिकारों व उसकी गरिमा का उल्लंघन है। उक्त जानकारी रामजीशरण राय, जिला समन्वयक बच्चों की न्याय तक पहुँच कार्यक्रम दतिया ने देते हुए इस निर्णय के बारे में जानकारी जनजन तक पहुँचाने का आव्हान किया। ताकि दतिया जिला बाल हितैषी बन सके और बच्चों की न्याय तक पहुँच सुलभ सके।

रावतपुरा कॉलेज दतिया में मनाया गया विश्व फार्मासिस्ट दिवस

सत्ता सुधार ■ दतिया

श्री रावतपुरा सरकार फार्मेसी संस्थान में बुधवार 25 सितम्बर को विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाया गया। इस दिवस की थीम वैश्विक स्वास्थय आवश्यकताओं को पूरा करने वाले फार्मासिस्ट थी। जिसका उद्देश्य समस्त छात्र, छात्राओं को जेनेरिक दवाओं के बारे में जागरूकता, रोगी परामर्श, नशीली दवाओं के उपयोग में कमी, वर्तमान में अच्छे विनिर्माण प्रथाओं (सीजीएमपी) की भूमिका थी। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के मैनेजिंग ट्रस्टी शांतनु अग्रवाल एवं शैली अग्रवाल के द्वारा मां सरस्वती के पूजन द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन बी फार्मा फाइनल ईयर की छात्राओं रिजा खान एवं तनुजा रॉस द्वारा किया गया। फार्मेसी प्राचार्य प्रो गौरव मित्तल द्वारा जेनेरिक दवाओं, पेशेंट काउंसिलिंग और नशीली दवाओं के उपयोग में कमी के बारे में विस्तार से छात्र छात्राओं को अवगत कराया। इसी के साथ फार्मेसी के सभी छात्र छात्राओं ने पौधारोपण, रंगारंग कार्यक्रम एवं पोस्टर प्रेजेंटेशन में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का समापन फार्मासिस्ट शपथ दिलाकर किया गया।

फार्मासिस्ट स्वास्थ्य विभाग की रीढ़ है : विधायक प्रदीप अग्रवाल

सत्ता सुधार ■ दतिया

विश्व फार्मासिस्ट दिवस कार्यक्रम स्टेट फार्मासिस्ट एसोसिएशन के आह्वान पर मेडिकल कॉलेज सह जिला चिकित्सालय दतिया में मनाया गया। जिसमे मुख्य अथिति सेंवडा विधायक प्रदीप अग्रवाल, विशिष्ट अथिति डॉ आर. बी कुरेले सीएमएचओ, डॉ केसी. राठौर, सिविल सर्जन दतिया, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ प्रदीप उपाध्याय, डॉ अर्जुन सिंह मेडिकल सुप्रीडेंट, उपस्थित रहे। मुख्य अथिति द्वारा फल वितरण ट्रामा सेंटर एवं एनआरसी में किया गया तत्पाश्चात एक पेड़ मां के नाम के तहत वृक्षारोपण किया गया। इस मौके पर विधायक अग्रवाल ने कहा फार्मासिस्ट स्वास्थ्य विभाग की रीढ़ है। फार्मासिस्ट द्वारा मरीजों को दवाई की सही डोज की पूरी जानकारी दी जाती है। डॉ केसी राठौर ने बताया कि फार्मासिस्ट डॉक्टर एवं मरीज के बीच की महत्वपूर्ण कड़ी है, फार्मासिस्ट औषधि बनाने से लेकर मरीज के डोज लेने तक अहम रोल निभाता है। फार्मासिस्ट द्वारा विधायक को वेतन विसगति, ग्रेड पे सुधार सम्बंधित ज्ञापन दिया। इस उन्होंने अग्रवाल आश्वासन दिया कि फार्मासिस्ट के वेतन विसंगति, ग्रेड पे सुधार मांग को शासन स्तर पर रखा जायेगा। आभार डॉ डीएस तोमर आरएमओ द्वारा व्यक्त किया गया कार्यक्रम में समस्त चिकित्सा अधिकारी, नर्सिंग ऑफिसर, पैरामेडिकल स्टाफ, कार्यलयिन स्टॉफ, वार्डबाय, कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन कार्तिक मिश्रा, राजेश जाटव द्वारा किया गया।

दतिया जिले के विद्युत बकाएदारों के लिए एक साथ 2 हजार बैंक खातों को सीज करने की बड़ी तैयारी

सत्ता सुधार ■ दतिया

विद्युत विभाग ने वकाया राशि वसूलने की हर संभव तैयारी की है। इस बार राज्य शासन के ऊर्जा विभाग से जारी निर्देश के पालन में कलेक्टर संदीप कुमार माकिन द्वारा बैंक खातों को सीज करने हेतु लीड बैंक मैनेजर को निर्देशित किया था। विद्युत विभाग की वसूली हेतु कलेक्टर श्री माकिन द्वारा शासन की ओर से अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत धनंजय मिश्रा को नोडल और संदीप अग्रवाल को सहायक नोडल बनाया है जिनका कार्य समन्वय स्थापित करना होगा।कलेक्टर श्री माकिन के निर्देशानुसार आज लीड बैंक मैनेजर की उपस्थिति में सभी बैंक प्रमुख से चर्चा की गई .जिसमें तय हुआ कि पदेन तहसीलदार के द्वारा पत्र अनुसार बकाएदारों के लगभग दो हजार खाते सीज किए जाएंगे। सीज होने उपरांत संबंधित खातेदार उस खाते से लेनदेन नहीं कर पाएंगे, यदि बकाएदार का एक से अधिक खाते है तो वह सभी खाते सीज होंगे। कलेक्टर श्री माकिन द्वारा महाप्रबंधक बिजली विभाग को शीघ्र सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए है। विद्युत की राशि बकाया रखना अब मुश्किल होगा।

पहले बंदूक फिर शासकीय सेवक की वेतन और अब बैंक खाता सीज

जहां-जहां पार्किंग है वहां बेहतर लाइट की व्यवस्था हो: माकिन

दतिया। आज शारदीय नवरात्रि एवं दीपावली की दौज पर लगने वाले माता रतनगढ़ पर भव्य मेले की तैयारियों को लेकर कलेक्टर श्री संदीप कुमार माकिन की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री बीरेन्द्र कुमार मिश्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री सुनील कुमार शिवहरे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दतिया श्री कमलेश भार्गव, अपर कलेक्टर श्री विनोद भार्गव, एसडीएम सेवढ़ा श्री अशोक अवस्थी सहित जिला स्तर एवं तहसील स्तर के अधिकारीगण उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर श्री माकिन ने सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि मेले की तैयारियों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतें। उन्होंने कहा कि पूर्व की घटनाओं केा देखते हुए सभी तैयारियां समय सीमा में चाक-चौबंद हो जाए। उन्होंने कहा कि जिन अधिकारियों को जो जिम्मेदारियां सौंपी है वह जिम्मेदारियों के साथ अपने-अपने कार्यो का कार्य समय सीमा में पूर्ण कर लें।

पंडित दीनदयाल की जयंती के उपलक्ष में विचार गोष्ठी करना सौभाग्य की बात : गोविंद परिहार

सत्ता सुधार ■ दतिया

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर भांडेर विधानसभा के ग्राम बागपुरा बूथ क्रमांक 95 पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में गोविंद भैया ने कहा कि आज एकात्म मानववाद, एकात्म मानव दर्शन एवं अंत्योदय के प्रणेता प्रखर राष्ट्रवादी, महान विचारक पण्डित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर विचार गोष्ठी करना सौभाग्य की बात है। हम सभी को उनके विचारों पर चलना चाहिए। इस मौके पर भाजपा सदस्यता अभियान का लक्ष्य आज बूथ पर 100 लोग और जोड़े जायें। इसकी कार्य योजना बनाई गई। साथ ही सदस्यता अभियान के निमित्त नये सदस्य भी बूथ पर बनाए। इस अवसर पर भाजपा भांडेर मंडल अध्यक्ष धीरज पाराशर, मंडल महामंत्री, मैथिली वर्मा, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के मंडल महामंत्री जीतू वर्मा, बूथ अध्यक्ष बलवान सिंह परिहार, सियासरन राजपूत, मदन अहिरवार, मुकेश शर्मा, कल्याण वंशकार, शंकर अहिरवार, अटल यादव आदि कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

फैकल्टी के साए में स्टूडेंट्स से दिलवा रहे जबरन फीडबैक

एमिटी यूनिवर्सिटी: फर्जीवाड़े के दम पर सुधारी जा रही ग्रेडिंग

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

एमिटी यूनिवसिटी में फर्जीवाड़े के दम पर ग्रेडिंग में सुधार किया जा रहा है। जहां मैनेजमेंट के इशारे पर फैकल्टी के साए में स्टूडेंट्स से जबरन फीडबैक दिलवाया जाता है। जिसके आधार पर स्टूडेंट्स से मोटी फीस वसूलने के साथ ही शासन की योजनाओं का जमकर लाभ लिया जा रहा है।

गौरतलब है कि बीते रोज एमिटी यूनिवर्सिटी से बीफार्मा कर रहे स्टूडेंट की मेडिकल लीव नहीं दिए जाने के कारण हुई मौत का मामला खासा सुर्खियों में बना हुआ है। इसके बाद एमिटी यूनिवर्सिटी में चल रही अनियमितताएं एक- एक करके बाहर आने लगी हैं। इसी कड़ी में एक बेहद चौंकाने वाली यह बात सामने आई है, कि एमिटी यूनिवर्सिटी के कर्ता-धर्ताओं द्वारा ग्रेड सुधारने के लिए जमकर फर्जीवाड़ा किया जा रहा है। जिसमें फैकल्टी के जरिए स्टूडेंट्स को प्रबंधन के मुताबिक फीडबैक देने के लिए मजबूर किया जाता है। इस गुंडागर्दी के बूते पर ही एमिटी अपने को बेहतरीन यूनिवर्सिटी निरूपित करते हुए तमाम लाभ प्राप्त कर रहा है।

छात्र को अलग- अलग बुलवा कर भरवा रहे फॉर्म

एमिटी में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स के मुताबिक इन दिनों उनसे ग्रेडिंग संबंधी फॉर्म भरवाए जा रहे हैं। इसके लिए फैकल्टी एक-एक छात्र को अलग- अलग बुलवाते हैं, जो मैनेजमेंट से मिले निर्देश के मुताबिक उन्हें इस फॉर्म में फीडबैक दिलवाते हैं। चूंकि बीते रोज ही यहां से बीफार्मा कर रहे छात्र की मेडिकल लीव नहीं मिलने के कारण मौत हो चुकी है। ऐसे में मैनेजमेंट को डर है कि छात्र निगेटिव फीडबैक ना दे दें, इसलिए पहले ही स्टूडेंट्स को हिदायत दी जा रही है, कि सब कुछ वैसे ही भरना है, जैसा हम बता रहे हैं। चूंकि स्टूडेंट्स को वहां पढ़ना है, इसलिए अपने कॅरियर की चिंता करते हुए वह ना चाहते हुए भी मैनेजमेंट के हिसाब से फीडबैक देने को मजबूर हो जाता है। बताया गया है कि कुछ स्टूडेंट्स से बीते रोज इस तरह गुंडागर्दी से फीडबैक दिलवाया जा चुका है, जबकि बचे हुए छात्रों से आज यह फॉर्म भरवाए जाएंगे।

फैकल्टी बने हुए हैं कठपुतली

एमिटी यूनिवर्सिटी के मैनेजमेंट द्वारा अपने यहां के फैकल्टी को इस तरह प्रेशर में रखा जाता है, कि उन्हें कठपुतली बनकर काम करना पड़ता है। भीतर से जुड़े सूत्र बताते हैं, कि चाहे वह ग्रेडिंग का मामला हो अथवा स्टूडेंट्स की लीव से जुड़ मसला हो, फैकल्टी को सिर्फ वही करना होता है, जो मैनेजमेंट का ऑर्डर होता है। यदि कोई फैकल्टी नैतिकता व छात्रों के हित को देखते हुए इसमें जरा भी ना- नुकूर करता है, तो प्रबंधन उसे बाहर का रास्ता दिखाने में कोई कोताही नहीं बरतता है। यही वजह है कि एमिटी के फैकल्टी तमाम अनियमितताएं मूकदर्शक बने देखते रहते हैं।

ग्रेड में फर्जीवाड़ा कर वसूल रहे मोटी फीस

एमिटी यूनिवर्सिटी के मैनेजमेंट द्वारा फर्जीवाड़े व गुंडागर्दी के बूते पर अपनी ग्रेडिंग कर ली जाती है। फिर पब्लिसिटी स्टंट के बूते पर इसे महिमा मंडित किया जाता है। इसके झांसे में आकर तमाम पैरेंट्स व स्टूडेंट्स उनके जाल में फंस जाते हैं, जिनसे ग्रेडिंग के आधार पर मोटी फीस वसूली जाती है। जबकि हकीकत में ग्रेड के मुताबिक कोई फेसिलिटीज स्टूडेंट्स को नहीं दी जाती है। इसके अलावा नैक की टीम जब निरीक्षण के लिए आती है, तब भी इस फर्जी ग्रेडिंग के आधार पर तमाम तरह के लाभ लिए जाते हैं।

इनका कहना है

स्टूडेंट्स तमाम तरह के फॉर्म भरवाए जाते हैं, यह फीडबैक के फार्म किस लिए भरवाए जा रहे हैं, यह देखना पड़ेगा। वैसे भी यह यूनिवर्सिटी का इंटरनल मामला होता है।

स्वप्निल अग्रवाल
डायरेक्टर, एमिटी यूनिवर्सिटी
ग्वालियर

अशोक सम्मान से अलंकृत होंगे पूर्व आईएएस राजीव शर्मा

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

नई दिल्ली के इंडिया हैबिटैट सेंटर में आगामी 29 सितंबर को एक भव्य समारोह में मप्र के पूर्व आईएएस राजीव शर्मा अशोक सम्मान से अलंकृत होंगे। चार्ल्स वॉल्टर कौंसिल ऑफ इनोवेशन एण्ड रिसर्च द्वारा स्थापित ये महत्वपूर्ण पुरस्कार लोक सेवा में असाधारण कार्य के लिये प्रशासन और सैन्य अधिकारियों को दिया जाता है। भारत पूर्व मुख्य न्यायाधीश सर्वोच्च न्यायालय जस्टिस बालकृष्णन की अध्यक्षता वाली जूरी ने देश भर के चुनिंदा अधिकारियों के नाम तय किये। अलंकरण समारोह शेखर दत्त पूर्व रक्षा सचिव और पूर्व राज्यपाल छत्तीसगढ़ के मुख्य आतिथ्य में और केंद्रीय राज्यमंत्री आर के रंजन सिंह, सिक्किम के राज्यपाल घेड़याल की गरिमामय उपस्थिति में 3:30 बजे प्रारंभ होगा। मप्र संवर्ग में रहे राजीव शर्मा अपने जनोन्मुखी प्रशासन के लिये जाने जाते हैं। फुटबॉल क्रांति, जलक्रांति जैसे अनेक नवाचारों के अलावा उनकी एक पहचान लोकप्रिय कवि और उपन्यासकार के तौर पर भी है। उनके उपन्यास विद्रोही संन्यासी को 2021 में वैली ऑफ बुक्स अवार्ड मिल चुका है।

मच्छरों से निजात दिलाने नगर में निकाय ने शुरू कराई फॉगिंग

भितरवार। नगर परिषद क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में बढ़ते मच्छरो के प्रकोप से निजात दिलाने को लेकर नगर परिषद द्वारा फॉकिंग का कार्य शुरू कराया गया है। भितरवार नगर परिषद अध्यक्ष बलदेव अग्रवाल को निरंतर नगर वासियों से बढ़ते हुए मच्छरों के प्रकोप से निजात दिलाने संबंधी शिकायतें मिल रही थी जिसको लेकर उन्होंने मुख्य नगर पालिका अधिकारी महेश चंद्र जाटव को मच्छर रोधी दवाओं का छिड़काव कराने के निर्देश दिए, जिसके चलते मंगलवार की देर शाम नगर के वार्ड क्रमांक 12, 13 और 14 में नगर स्वच्छता निरीक्षक विनोद खटीक के मार्गदर्शन में मच्छरों के खात्मे को लेकर मशीन से फॉगिंग कराई गई।

दाता बंदी छोड़ गुरुद्वारे के समागम में शामिल होने नगर कीर्तन सहित सिख संगत हुई रमाना

भितरवार। 52 राजपूत हिंदू राजाओं को जहांगीर की कैद से आजाद करवाने वाले सिखों के छठवें गुरु श्री हरगोविंद साहब का दाता बंदी छोड़ दिवस ग्वालियर के किले स्थित गुरुद्वारा दाता बंदी छोड़ मैं हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मनाया जा रहा है जिसको लेकर बुधवार को भितरवार विकासखंड के ग्राम जौरा-श्यामपुर स्थित गुरुद्वारे से सिख संगत का नगर कीर्तन गुरु ग्रंथ साहिब और पंच प्यारों के साथ रवाना हुआ इस दौरान भितरवार नगर में पहुंचते ही गुरु ग्रंथ साहब और पंच प्यारों का नगर में जगह-जगह स्वागत और सम्मान किया गया। बुधवार की सुबह विकासखंड के ग्राम जौरा-श्यामपुर स्थित गुरुद्वारे से भारी मात्रा में क्षेत्र के उपस्थित सिख समुदाय के द्वारा गुरु ग्रंथ साहब और पंच प्यारों के नगर कीर्तन शुरू किया गया

एकात्मक मानववाद के प्रणेता के रूप में याद किए जाते रहेंगे पंडित दीनदयाल उपाध्याय : राठौड़

भितरवार। बुधवार को चीनौर स्थित शासकीय महाविद्यालय में क्षेत्र के भाजपा विधायक मोहन सिंह राठौड़ ने एकात्म मानववाद के प्रणेता, प्रसिद्ध विचारक एवं चिंतक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उन्हें सादर नमन किया और स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम में शामिल होकर अन्य जनप्रतिनिधियों और महाविद्यालय स्टाफ के साथ झाड़ू लगाकर सफाई अभियान चलाया और महाविद्यालय में बैडमिंटन और टेबल टेनिस खेल का उद्घाटन किया। क्षेत्र के भाजपा विधायक मोहन सिंह राठौड़ ने महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित जनों और छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय देश के बड़े विचारक और चिंतक थे

पंजाबी सेवा समिति का निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर 29 सितंबर को

ग्वालियर। पंजाबी सेवा समिति, झंग बिरादरी की सामान्य मीटिंग हरिहर मंदिर, आदर्श कॉलोनी में संपन्न हुई। समिति द्वारा 29 सितंबर को सुबह 9:30 बजे से 12:00 बजे तक हरिहर मंदिर आदर्श कॉलोनी में निशुल्क स्वास्थ्य जांच चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जायेगा। इस कार्यक्रम के संयोजक अजय सप्रा एवं तिलकराज बेरी होंगे। मीटिंग में सदस्यों को शिविर से संबंधित व्यवस्थाओं के लिये जिम्मेदारी प्रदान की गई। मीडिया प्रभारी राजू पंडित ने बताया कि शिविर में हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर दुष्यंत देव, हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉक्टर प्रशांत लहारिया, शुगर थायराइड डायबिटीज रोग विशेषज्ञ डॉक्टर हेमंत गुप्ता, नाक कान गला रोग विशेषज्ञ डॉ. एसपी साहनी एवं कमर दर्द, गर्दन दर्द, जोड़ी के दर्द के विशेषज्ञ फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. रजनीश नीखरा मरीजों को निशुल्क परामर्श देंगे। शिविर में शुगर, बीपी, सीबीसी, थायराइड की निशुल्क जांच होगी। इसके अलावा आवश्यकता पड़ने पर ईसीजी, लिपिड प्रोफाइल और ईको कार्डियोग्राफी भी की जायेगी। मीटिंग में संस्था अध्यक्ष मोहनलाल अरोरा, सत्यपाल बत्रा, जयेंद्रपाल खुराना, सुरेंद्र जुनेजा, कश्मीरी लाल खुराना, कमल पुनियानी, गजेंद्र अरोरा, अजय बत्रा, प्रवीण नागपाल, राकेश अरोरा, प्रवीण घई, अशोक सुनेजा, कमल मिगलानी, राजकुमार चुघ, राजू बड़जात्या, नरेश अरोरा, भारत भूषण अरोरा आदि उपस्थित रहे।

भाजपा ने किया पं. दीनदयाल उपाध्याय को याद

ग्वालियर। भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता ने बुधवार को जनसंघ के संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर डीडी नगर स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर सांसद भारत सिंह कुशवाहा ने कहा कि भाजपा मजबूती के साथ देश का विकास कर रही है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का चिंतन मनन आज भी भारतीय लोकतंत्र के लिए प्रासंगिक है। पंडित दीनदयाल के कारण ही गांव, गरीब, किसान और महिलाएं राजनीतिक दलों के एजेंडे में शामिल हुए। उद्यानिकी मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा ने कि राष्ट्रनायक दीनदयाल उपाध्याय जी का जन्मदिन है। लाखों को प्रेरणा देता है। हमारी सरकारें समाज के कमजोर वर्गों के लिए काम कर रही है। सदस्यता अभियान का महापर्व है। घर-घर जाकर लोगों को पार्टी से जोड़ने का काम करना है। आज हमारे लिए गर्व का दिन है। इस अवसर पर भाजपा नेता एवं कार्यकर्ताओं ने फल वितरण भी किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री श्रीमती माया सिंह, प्रदेश मंत्री केशव सिंह भदौरिया, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य जयप्रकाश राजौरिया, जिला प्रभारी अरुण चतुर्वेदी, पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल, वरिष्ठ भाजपा नेता वेदप्रकाश शर्मा, जितेंद्र गुर्जर, जिला महामंत्री विनय जैन, विनोद शर्मा, राजू पलैया, धर्मेंद्र राणा, रामेश्वर भदौरिया, दीपक शर्मा, सुधीर गुप्ता, धर्मेंद्र सिंह कुशवाहा, दारा सिंह सिंगर, डॉ. कुलदीप चतुर्वेदी, जिला मीडिया प्रभारी नवीन चौधरी, श्रीमती वंदना प्रेमी, मंडल अध्यक्ष जबर सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डेंगू का डंक, शहर में हुई एक और मौत

ग्वालियर। स्मार्ट सिटी ग्वालियर इन दिनों डेंगू की चपेट में है। डेंगू का डंक लोगों को बेहाल कर रहा है। चार दिन बाद ग्वालियर में डेंगू से दूसरी मौत हो गई है। सिरोल पृथ्वीनगर के पास स्थित गंगापुरम निवासी 49 वर्षीय छत्रपाल सिंह सेंगर इनकम टैक्स डिपार्टमेंट में कम्प्यूटर ऑपरेटर के पद पर पदस्थ था। झोलाछाप चिकित्सक के पास इलाज के कराने के बाद जब उनकी हालात ज्यादा बिगड़ी तो परिजनों ने बिरला अस्पताल में भर्ती कराया। वहां पर जब ज्यादा हालत बिगड़ी तो चिकित्सकों ने उसे वेंटीलेंटर पर लिया, लेकिन चार दिन बाद इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

7 दिन में जवाब नहीं देने पर होगा अस्पताल का लायसेंस निरस्त

फायर एनओसी नहीं होने पर 27 अस्पतालों को नोटिस

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

निजी अस्पतालों में फायर सेफ्टी रखे जाने के उद्देश्य से ग्वालियर संभाग आयुक्त द्वारा समीक्षा बैठक में सीएमएचओ डॉ. सचिन श्रीवास्तव को दिये निर्देश दिए थे कि ग्वालियर जिले की निजी अस्पतालो मे फायर सेफ्टी से सम्बंधित सभी व्यवस्थाएं हों ताकि किसी भी तरह की दुर्घटना से बचा जा सके। आयुक्त ग्वालियर संभाग के निर्देशानुसार सीएमएचओ डॉ. सचिन श्रीवास्तव ने 4 टीमें गठित कर अस्पतालों का निरीक्षण कराया गया एवं फायर एनओसी प्रस्तुत करने के लिए निर्देशित किया। जिसमें 127 अस्पतालों से एनओसी कार्यालय में प्राप्त हो चुकी है। साथ ही निरीक्षण एवं सम्पर्क किये जाने के उपरांत 27 अस्पतालों के द्वारा अभी तक फायर एनओसी उपलब्ध नहीं कराई गयी है, जिस कारण से 27 अस्पतालों को नोटिस जारी कर 7 दिवस में एनओसी प्रस्तुत करने हेतु लेख किया गया है, अन्यथा की स्थिति में लायसेंस निरस्त किया जायेगा। सीएमएचओ डॉ. सचिन श्रीवास्तव ने बताया कि इस तरह के निरीक्षण लगातार आगे भी जारी रहेंगे।

इन्हें दिए नोटिस

जिन अस्पतालों को नोटिस दिए हैं उनमें बी.एम.जी अस्पताल, एमके सिटी के पास, सिरोल रोड, ए.डी.एस नर्सिंग होम शिवपुरी लिंक रोड, विश्वास मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल लक्ष्मी

विहार, बड़ागांव मुरार, आशिमा हॉस्पिटल विवेकानन्द चौराहा थाटीपुर, अभिषेक अस्पताल पिपरौली, आदर्श अस्पताल बड़ागांव, मुरार, आनंद हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर, ग्राम धनेली रोड, मुरार, आरोग्यम अस्पताल, एनएच 75 के पास, टेकनपुर, आरोग्यम द मेडिसिटी चितौरा रोड, धनेली मुरार, आशा देवी मेमोरियल हॉस्पिटल, स्टोन पार्क, मोतीझील, आयुष अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, 55/1, एनएच 75 मकोड़ा चौराहा, बालाजी मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल, केदारपुर, शिवपुरी लिंक रोड, भारत अस्पताल, सी ब्लॉक बिल्डिंग, रतवाई मुरार, डीएस मेमोरियल अस्पताल, ग्राम बरौआ पिछोर, सिथौली स्टेशन के पास झांसी रोड, ग्वालियर अस्पताल, उरवाई गेट, ग्वालियर अस्पताल श्री भंवर सिंह किरार शिक्षा प्रसार समिति, खुरेरी, मुरार, ग्वालियर पुनर्वास एवं अस्पताल, ग्राम सिकरौदा, झांसी रोड, आदित्य अस्पताल, एबी रोड, रायरू बरौआ, केयर एंड क्योर हॉस्पिटल खालसा माइनॉरिटी सोसाइटी, ब्लॉक नंबर 28, काउंटर मेग्नेट, चांडक अस्पताल एवं अनुसंधान संस्थान, अस्पताल रोड, सिटी हॉस्पिटल, एमकेआई कैम्पस, शिवपुरी लिंक रोड, क्लियरमेडी परिधि मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, 111, कैलाश विहार, सिटी सेंटर, डॉक्टर प्लस मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल, जच्चा खाना के पास, माल रोड, मुरार, गैलेक्सी अस्पताल, झांसी हाईवे, होप वेल हॉस्पिटल, आनंद नगर चौराहा, बहोड़ापुर, केएस हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, गुड़ा गुड़ी का नाका, कम्पू, ऑप्टिमस सुपरस्पेशलिटी अस्पताल, सागरताल रोड, जगन्नापुरा ग्वालियर शामिल हैं।

ग्वालियर में होगा व्हीलचेयर रग्बी नेशनल्स 2024

ग्वालियर। भारतीय रग्बी फुटबॉल यूनियन (आईआरएफयू), जिसे रग्बी इंडिया के नाम से भी जाना जाता है। इस बार व्हीलचेयर रग्बी फेडरेशन ऑफ इंडिया, मित्सुबिशी कॉर्पोरेशन, मध्यप्रदेश व्हीलचेयर रग्बी एसोसिएशन और पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के सहयोग से आगामी 1 और 2 अक्टूबर को नेशनल व्हीलचेयर रग्बी चैंपियनशिप 2024 और इंटरनेशनल व्हीलचेयर रग्बी वर्कशॉप के 6वें एडिशन की मेजबानी कर रहा है। ये आयोजन ग्वालियर के अटल बिहारी वाजपेयी प्रशिक्षण केंद्र (एबीवीटीसीडीएस) के मल्टीपर्पस इंडोर हॉल में होगा। रग्बी इंडिया के सचिव जेराल्ड प्रभु ने कहा, प्रधानमंत्री ने इस अत्याधुनिक सुविधा की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य विकलांग एथलीटों को खेलों में समान अवसर प्रदान करना है। यह केंद्र व्हीलचेयर रग्बी सहित कई पैरालंपिक खेलों के लिए आवश्यक विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा और सुविधाएं प्रदान करता है। व्हीलचेयर रग्बी फेडरेशन ऑफ इंडिया के सचिव निखिल कुमार गुप्ता ने कहा, यह नेशनल व्हीलचेयर रग्बी चैंपियनशिप 2024 टूर्नामेंट भारत में व्हीलचेयर रग्बी के लिए एक प्रमुख मील का पत्थर है। इसमें 16 राज्यों के लगभग 200 प्रतिभागी शामिल होंगे, जिसमें खिलाड़ी, कोच और मैच ऑफिशियल शामिल हैं। यह टूर्नामेंट अब तक के सबसे बड़े राष्ट्रीय व्हीलचेयर रग्बी टूर्नामेंट में से एक होगा। इसमें बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना, महाराष्ट्र, दिल्ली, उत्तराखंड, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, नागालैंड और मेजबान मध्य प्रदेश जैसे राज्य भाग लेंगे।

मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए की फॉगिंग, डेंगू मलेरिया से बचने के बताये उपाय

ग्वालियर। बारिश के मौसम में मच्छर जनित संक्रामक एवं डेंगू मलेरिया इत्यादि बीमारियों की रोकथाम के लिए नगर निगम ग्वालियर द्वारा निरंतर फॉगिंग एंव कीटनाशक दवाओं का छिडकाव किया जा रहा है। इसी के तहत अब निगम द्वारा योजना बनाकर प्रत्येक वार्ड में फॉगिंग एवं कीटनाशक दवाओं का छिडकाव किया जा रहा है तथा आमजन को डेंगू मलेरिया से बचने के उपाय भी बताए जा रहे हैं। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ वैभव श्रीवास्तव एवं डॉ. अनुज शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री अमन वैष्णव के निर्देश पर शहर के सभी वार्ड की गलियों एवं मोहल्लों में निरंतर साफ-सफाई एवं फॉगिंग का कार्य कराया जा रहा है।

भगवान कृष्ण ने तोड़ा इंद्र का घमंड

भागवत कथा में श्रद्धालुओं ने की गोवर्धन की पूजा

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

बिलौआ में चल रही भागवत कथा के पांचवे दिन गोवर्धन लीला का प्रसंग सुनाया गया। कथा व्यास बाल ब्रह्मचारी स्वामी प्रेमानंद महाराज उत्तराखंड ने कहा कि जब बृजवासी इंद्र की पूजा करने की तैयारी कर रहे थे, तब श्रीकृष्ण ने उन्हें रोका और इंद्र की जगह पर गोवर्धन पर्वत की पूजा करने के लिए कहा, क्योंकि यह पर्वत उनके पशुओं का भरण पोषण करता था। श्रीकृष्ण की सलाह पर इंद्र की पूजा की जगह गोवर्धन पर्वत की पूजा शुरू हुई। अपना अपमान होता देख इंद्र कुपित हो गए और उन्होंने क्रोध में आकर मूसलाधार बारिश कर दी। प्रलय के समान वर्षा देखकर सभी बृजवासी घबरा गए, तब मुरलीधर ने मुरली कमर में डाली और अपनी कनिष्ठा उंगली पर पूरा गोवर्धन पर्वत उठा लिया। इसके बाद इंद्र को अपनी गलती का एहसास हुआ और उसने श्रीकृष्ण से क्षमा याचना की। इसके बाद से ही गोवर्धन पूजा का प्रचलन शुरू हुआ। कथा स्थल पर गोवर्धन पर्वत की मनमोहक झांकी लगी जिसमें महिला पुरुषों ने पूजा अर्चना कर परिक्रमा की। इस अवसर पर प्रमोद दुबे, बल्ली दुबे, बंटी दुबे एवं सभी ग्रामवासी उपस्थित रहे। कथा परीक्षित पं. लखनलाल दुबे ने आरती कर प्रसाद वितरित किया।

एमआईटीएस में हुआ औद्योगिक विशेषज्ञ व्याख्यान

ग्वालियर। एमआईटीएस एलुमनी एसोसिएशन द्वारा मेकेनिकल डिपार्टमेंट और टीएंडपी सेल के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में औद्योगिक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। टाटा मोटर्स लिमिटेड के सेल्स और मार्केटिंग के जनरल मैनेजर और 1998 बैच के प्रतिष्ठित पूर्व छात्र नवनीत सिंह राजपूत ने डिसरप्शन इज न्यू नॉर्मल विषय पर विद्यार्थियों को जानकारी प्रदान की। संस्थान के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश मौर्य ने बताया कि कार्यक्रम में श्री राजपूत ने छात्रों को बताया कि कैसे तकनीकी प्रगति और बाजार की गतिशीलता पारंपरिक उद्योगों को चुनौती दे रही है और उन्हें नए तरीकों से व्यवस्थित कर रही है। उन्होंने तकनीकी अभिसरण और बाजार की गतिशीलता के मेल से होने वाली इन परिवर्तनों के बारे में विस्तार से समझाया और विभिन्न प्रकार की नवाचार-नेतृत्व वाली विघटनकारी प्रक्रियाओं पर चर्चा की। कार्यक्रम का शुभारंभ कैलाशवाशी माधवराव सिंधिया महाराज के चित्र पर माल्यार्पण करके किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि इंजी. रमेश अग्रवाल अध्यक्ष एमआईटीएस एलुमनी एसोसिएशन, प्रो. पी.के. जैन सेवानिवृत्त एचओडी और एलुमनी सचिव शैलेन्द्र माहौर सहित कई गणमान्य अतिथियों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर कर्नल एसएस बैस, विनोद ओझा और संजीव मगरैया भी उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम डॉ. चन्द्रशेखर मालवी, डॉ. गवेन्द्र नॉरके, शरद अग्रवाल और सुश्री हेमलता आर्य के मार्गदर्शन में किया गया।

केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहें छात्र: सीए पंकज शर्मा

ग्वालियर। श्रीराम स्कूल ऑफ बिजनेस स्टडीज द्वारा बीबीए और बीकॉम के नए सत्र के स्टूडेंट्स के लिए एक दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित किया गया। नए छात्र ओरिएंटेशन में शामिल होने और अपने करियर की एक नई यात्रा शुरू करने के लिए उत्साहित रहे। विशिष्ट अतिथि आईसीएआई के ग्वालियर ब्रांच के उपाध्यक्ष सीए पंकज शर्मा ने छात्रों को सम्बोधित किया। उन्होंने छात्रों को केवल किताबी ज्ञान और डिग्री हासिल करने तक सीमित न रहने की बात कही। साथ ही साथ कॉमर्स के फील्ड में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और तकनीकी ज्ञान को समेकित करते हुए भविष्य की संभावनाओं के बारे में बताया। मुख्य वक्ता सीए सुमित निगम ने कार्यक्रम में शामिल स्टूडेंट्स को फाइनेंशियल एनालिस्ट एवं बीमा क्षेत्र के अवसरों के बारे में जानकारी दी। साथ ही साथ छात्रों को उनकी शैक्षणिक यात्रा के लिए मार्गदर्शन भी किया।

महापौर डॉ. सिकरवार की अध्यक्षता में आयोजित हुई मेयर इन काउंसिल की बैठक, लिए गए अनेक निर्णय

ग्वालियर। मेयर इन काउंसिल की बैठक महापौर डॉ.शोभा सतीश सिंह सिकरवार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में शहर विकास से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा कर स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में मेयर इन काउंसिल सदस्य अवधेश कौरव, नाथूराम ठेकेदार, गायत्री सुधीर मण्डेलिया, उपासना संजय यादव, मोनिका मनीश शर्मा, शकील मंसूरी, नगर निगम आयुक्त अमन वैष्णव, अपर आयुक्त विजय राज, मुनीश सिंह सिकरवार, अपर आयुक्त वित्त रजनी शुक्ला, उपायुक्त अनिल दुबे सहित सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। बाल भवन स्थित टीएलसी में आयोजित बैठक में रामकिशोर शुक्ला, सहायक यंत्री (सिविल) प्रभारी कार्यपालन यंत्री की सेवाएं सेवानिवृत्ति उपरान्त संविदा पर लिये जाने के संबंध में प्राप्त निगमायुक्त के प्रतिवेदन पर चर्चा उपरांत स्वीकृति प्रदान की गई। इसके साथ ही उपादान अधिनियम 1972 के तहत विनियमित स्थाई कर्मी कर्मचारियों को ग्रेच्युटी उपादान का लाभ दिये जाने बावत प्राप्त निगमायुक्त के प्रतिवेदन पर चर्चा उपरांत स्वीकृति प्रदान की गई। आउटसोर्स मैन पावर उपलब्ध कराये जाने वाली एजेन्सी की कार्य अवधि बढ़ाये जाने बावत प्राप्त निगमायुक्त के प्रतिवेदन पर चर्चा उपरांत स्वीकृति प्रदान कर परिषद की ओर भेजा गया। इसके साथ ही बैजाताल बोट क्लब में बोटों की प्रस्तावित नवीन दरों के निर्धारण के पुनर्विचार बावत प्राप्त निगमायुक्त के प्रतिवेदन पर चर्चा उपरांत स्वीकृत कर परिषद की ओर भेजा गया। साथ ही खेल विभाग द्वारा संचालित तरणतालों (स्वीमिंग पूलों) तथा एकलव्य खेल परिसर अन्तर्गत विभिन्न खेल गतिविधियों के शुल्क (फीस) में वृद्धि किये जाने हेतु पुनर्विचार बावत प्राप्त निगमायुक्त के प्रतिवेदन पर चर्चा उपरांत स्वीकृत कर परिषद की ओर भेजा गया। चिड़ियाघर प्रवेश शुल्क की दरों में वृद्धि हेतु पुनर्विचार किये जाने बावत प्राप्त निगमायुक्त के प्रतिवेदन पर चर्चा उपरांत स्वीकृत कर परिषद की ओर भेजा गया।

ब्रीफ न्यूज

जुड़वां भाइयों की जुड़वां बहनों से शादी

न्यूयॉर्क। अमेरिका के वर्जीनिया में एक जुड़वा परिवार रहता है। एक परिवार में दो जुड़वा बहने थी। उनकी शादी वहीं पर रहने वाले अन्य परिवार, जिसमें दो जुड़वा भाई थे। उनके साथ शादी हुई है। जुड़वा बहनों के नाम ब्रिटनी और ब्रियाना हैं। इन दोनों ने जिनसे प्यार किया, वह भी जुड़वा भाई थे। एक का नाम जोश और दूसरे का जेरेमी है । 2018 में इन दोनों जोड़ों की शादी हुई। यह वर्जीनिया में एक साथ रह रहे हैं। मां के पेट में एक साथ रहे। पूरा बचपन और युवावस्था एक साथ बिताई। एक साथ प्यार किया, अब पारिवारिक जीवन भी एक साथ बिता रहे हैं।

चीन जिस रास्ते पर चल रहा है वो जंग की तरफ जाता है

बीजिंग। भारत, अमेरिका और जापान ने साउथ चाइना सी में चीन की बढ़ती दादागिरी को नियंत्रित करने के लिए एक संयुक्त रणनीति तैयार की है। इस बीच, चीन ने युद्ध की तैयारी तेज कर दी है और ऐसे सामानों के निर्यात पर रोक लगा दी है, जो सैन्य और नागरिक दोनों के उपयोग में आते हैं। मतलब साफ है कि चीन जिस रास्ते पर चल रहा है वो जंग की तरफ जाता है। चीन की सरकार ने न्यूक्लियर टेक्नोलॉजी, मिसाइलों के पुर्जों, बायोटेक और केमिकल्स के निर्यात पर तुरंत रोक लगाने का आदेश दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह फैसला सही समय पर लिया गया है, क्योंकि चीन समझता है कि उसे चारों ओर से घेरा जा रहा है और युद्ध की स्थिति कभी भी उत्पन्न हो सकती है। चीन इस चिंता से भी ग्रसित है कि हालिया धमाकों की तरह, उसके देश में भी ऐसी घटनाएं हो सकती हैं। चीनी एकेडमी ऑफ सोशल साइंसेस के लू जियांग ने बताया कि चीन इस बारे में विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर रहा है ताकि मौजूदा टेक्नोलॉजी से उत्पन्न खतरों का मूल्यांकन किया जा सके।दिसंबर 2020 में, चीन ने ऐसे सामानों पर निगरानी रखने के लिए कानून बनाया था। इस कानून के तहत निर्यात करने से पहले सामान की गहन छानबीन की जा रही है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा न हो। चीन ने ड्रोन, एयरोस्पेस उपकरणों, गैलियम और जर्मेनियम जैसे मेटल्स के निर्यात पर पहले ही पाबंदियां लगा दी हैं।विशेषज्ञों के अनुसार, चीन को समझ में आ रहा है कि वर्तमान हालात उसके पक्ष में नहीं हैं।

ग्लेडिएटर फाइट में भी होता था आत्मसमर्पण का विकल्प

रोम । ग्लेडिएटर फाइट में क्या वास्तव में ग्लेडिएटर्स को हमेशा मृत्यु तक लड़ना पड़ता था इसका उत्तर है जी नहीं, ग्लेडिएटर फाइट में आत्मसमर्पण का विकल्प भी होता था। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के शोधकर्ता अल्फोंसो मानस ने ग्लेडिएटर्स के इतिहास पर व्यापक शोध किया है। उनका कहना है कि कई बार लड़ाइयों में ग्लेडिएटर की मौत होती थी, लेकिन यह हमेशा सच नहीं था। मानस बताते हैं कि शुरुआती ग्लेडिएटर लड़ाइयों का अंत अक्सर एक या दोनों सेनानियों की मृत्यु के साथ होता था। हालांकि, 27 ईसा पूर्व के बाद से ग्लेडिएटर खेलों में सुधार हुआ, जिससे मौतें कम होने लगीं। सम्राट ऑगस्टस और टिबेरियस के शासनकाल के दौरान ये सुधार लागू हुए।

इक्वेडोर में जंगल की आग के बाद भी इलाके से गुजरते हुए एक मोटरसाइकिल चालक।

भिखारियों से परेशान सऊदी अरब ने कहा तो वीजा नियम सख्त कर देंगे

एजेंसी ■ इस्लामाबाद

सऊदी अरब पाकिस्तानी भिखारियों से परेशान है। रियाद ने पाकिस्तान से साफ कहा है कि अपनी सभी भिखारी वापस बुला लें। साथ ही इनकी संख्या और न बढ़े इसके लिए पुख्ता कदम उठाएं। सऊदी अरब ने पाकिस्तान को गंभीर चेतावनी दी है कि वह उमराह और हज वीजा के तहत यात्रा करने वाले भिखारियों पर तत्काल संज्ञान ले। रियाद ने इस्लामाबाद के धार्मिक मामलों के मंत्रालय से कहा है कि ऐसे लोगों को मिलने वाले वीजा पर रोक लगाए। सऊदी सरकार ने अपनी चेतावनी में कहा है कि बड़ी संख्या में पाकिस्तानी नागरिकों को सऊदी अरब में भीख मांगते हुए पकड़ा गया है, जिन्हें बाद में वापस भेज दिया गया।सूत्र ने बताया, सऊदी अरब ने चेतावनी दी कि यदि स्थिति पर नियंत्रण नहीं किया गया तो इसका पाकिस्तानी उमराह और हज यात्रियों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। मंत्रालय ने उमरा अधिनियम प्रस्तुत किया है, जिसका उद्देश्य उमरा यात्राओं की सुविधा प्रदान करने

वाली ट्रैवल एजेंसियों को कानूनी दायरे में लाना है ताकि उनकी गतिविधियों पर निगरानी रखी जा सके।

रियाद के अनुसार, ये पाकिस्तानी भिखारी उमराह और हज वीजा के तहत सऊदी अरब में दाखिल हुए थे और अपना समय मक्का और मदीना की सड़कों पर भीख मांगने में बिता रहे थे। पाकिस्तान के धार्मिक मामलों के मंत्रालय के सूत्रों ने पुष्टि की है कि सऊदी अरब ने उमराह वीजा पर आने वाले पाकिस्तानी भिखारियों की बढ़ती संख्या पर गंभीर चिंता जताई है। पिछले महीने कराची एयरपोर्ट पर 11 कथित भिखारियों को पकड़ा गया था और उन्हें सऊदी अरब जाने वाली फ्लाइट से उतार दिया गया था। इमिग्रेशन प्रक्रिया के दौरान एफआईए के अधिकारियों द्वारा रोके जाने और पूछताछ किए जाने के बाद उन्हें पकड़ा गया, जिसके बाद पता चला कि वे सभी सऊदी अरब में भीख मांगने के उद्देश्य से यात्रा कर रहे थे। इस स्थिति पर नियंत्रण पाने के लिए पाकिस्तान सरकार को सख्त कदम उठाने की आवश्यकता है, ताकि सऊदी अरब के साथ संबंधों में सुधार किया जा सके और पाकिस्तानी यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

पाकिस्तानी भिखारियों का मुद्दा शहबाज शरीफ सरकार के लिए हाल के दिनों में शर्मिंदगी का विषय बना हुआ है। हाल ही में पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी और इस्लामाबाद में सऊदी राजदूत नवाफ बिन सईद अहमद अल-मलकी के बीच इस मुद्दे पर चर्चा हुई। नकवी ने आश्वासन दिया कि सऊदी अरब में भिखारियों को भेजने वाले माफिया के खिलाफ सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। पाकिस्तान सरकार ने संघीय जांच एजेंसी को ऐसे नेटवर्कों और ट्रैवल एजेंसियों पर नकेल कसने का काम सौंपा है, जो देश की छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं। गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने कहा, भिखारियों का माफिया पाकिस्तान की छवि को नुकसान पहुंचा रहा है।

मारा गया हिजबुल्लाह का मिसाइल मैन इब्राहीम कुबैसी, हवाई हमलों का था मास्टर माइंड

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

हवाई हमले में माहिर हिजबुल्लाह का मिसाइल मैन कहा जाने वाला इब्राहीम कुबैसी इजरायली हमले में मारा गया। कुबैसी ना सिर्फ हिजबुल्लाह के टॉप कमांडर्स में से एक था बल्कि वो इस संगठन का मिसाइल मैन भी था। अबतक इजरायल की धरती पर जितने भी हवाई हमले हुए, उनको अंजाम देने का काम कुबैसी ने ही किया था। बेरूत के दक्षिणी उपनगर में एक इजरायली हवाई हमले में कुबैसी समेत कम से कम छह लोग मारे गए। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस बात की पुष्टि नहीं की कि किसे निशाना बनाया गया था या फिर इजरायल का टारगेट मारा गया या नहीं। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक दिन पहले कहा था, जिस किसी के लिविंग रूम में मिसाइल है, उसके पास घर नहीं होगा। हिजबुल्लाह ने हमलों के कुछ घंटों बाद इब्राहिम कुबैसी की मौत की पुष्टि की। एक बयान जारी कर कहा गया कि कुबैसी यरूशलेम की ओर जाते समय शहीद हो गए, यह शब्द इजरायली हमलों में मारे गए गुर्गों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। आईडीएफ ने कहा,पिछले कई सालों और युद्ध के दौरान वो इजरायली घरेलू मोर्चे पर हमलों के लिए जिम्मेदार थे। कुबैसी मिसाइलों के क्षेत्र में ज्ञान का एक केंद्रीय स्रोत थे और हिजबुल्लाह की सीनियर लीडरशिप का करीब था।

दृष्टि की अचानक हानि का कारण बन सकती है वजन घटाने वाली दवाएं

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

वैज्ञानिकों ने हाल ही में वजन घटाने वाली दवाओं, जैसे ओज़ेम्पिक और वेगोवी, और एक दुर्लभ नेत्र स्थिति के बीच एक चिंताजनक संबंध की पहचान की है। ताजा अध्ययन में वैज्ञानिकों ने कहा है कि ये दवाएं, जिनमें सेमाग्लूटाइड नामक प्रोटीन होता है, मधुमेह और मोटापे के रोगियों के लिए सामान्यतः निर्धारित की जाती हैं, क्योंकि ये रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में सहायक होती हैं। मैसाचुसेट्स आई एंड इयर हॉस्पिटल द्वारा किए गए इस अध्ययन में पाया गया है कि इन दवाओं का सेवन करने वाले मोटे मरीजों में एनएआईओएन विकसित होने का जोखिम सात गुना बढ़ जाता है। यह स्थिति एक आंख में दृष्टि की अचानक हानि का कारण बन सकती है। इस अध्ययन के अनुसार, सेमाग्लूटाइड युक्त दवाओं का उपयोग करने वाले मधुमेह के रोगियों में एनएआईओएन विकसित होने का जोखिम चार गुना से अधिक है। शोध के मुख्य लेखक जोसेफ रिज़ो, जो मैसाचुसेट्स आई एंड ईयर में न्यूरो-ऑप्थल्मोलॉजी सर्विस के निदेशक हैं, ने कहा, यह जानकारी हमारे पास पहले नहीं थी। इसे रोगियों और उनके चिकित्सकों के बीच चर्चा में शामिल किया जाना चाहिए, खासकर जब रोगियों को ग्लूकोमा जैसी अन्य ऑप्टिक तंत्रिका समस्याएं हों। रिज़ो ने यह भी बताया कि एनएआईओएन एक दुर्लभ विकार है, जो प्रति 100,000 लोगों में 2 से 10 व्यक्तियों को प्रभावित करता है। अध्ययन में 17,000 से अधिक अस्पताल के मरीजों की जानकारी का विश्लेषण किया गया, जिन्हें वजन घटाने के लिए सेमाग्लूटाइड-आधारित दवाएं या अन्य दवाएं निर्धारित की गई थीं।

ट्रंप की हत्या कराकर अमेरिका में अराजकता फैलाना चाहता है ईरान

खुफिया एजेंसियों का अलर्ट

एजेंसी ■ वाशिंगटन

अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने अलर्ट करते हुए कहा है कि ईरान अमेरिका के खिलाफ बड़ा षड़यंत्र रच रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप की हत्या कराकर अराजकता फैलाना चाहता है। इसी प्लान के तहत ट्रंप पर दो बार जानलेवा हमले हुए हैं,गनीमत रही उनकी जान बच गई। खुफिया एजेंसियों ने ट्रंप को बताया कि वास्तव में आपकी जान को खतरा है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियां ट्रंप की सुरक्षा के प्रति अलर्ट हो गई हैं। 5 नवंबर को अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव है। चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप का मुकाबला डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस से है। डोनाल्ड ट्रंप पर दो बार जानलेवा हमला हो चुके हैं। सबसे पहला हमला 13 जुलाई को पेंसिलवेनिया

के बटलर में हुआ था। यहां एक रैली के दौरान ट्रंप पर 20 वर्षीय थॉमस मैथ्यू क्रुक्स ने फायरिंग की थी। एक गोली ट्रंप के कान को चीरते निकल गई थी। हालांकि बाद में सीक्रेट सर्विस ने आरोपी क्रुक्स को मार गिराया था। ट्रंप पर दूसरे हमले की कोशिश 15 सितंबर को हुई। फ्लोरिडा के वेस्ट पाम बीच पर ट्रंप इंटरनेशनल गोल्फ क्लब है। इसी क्लब के बाहर गोलीबारी की गई। ट्रंप गोलीबारी वाली जगह से कुछ सौ मीटर की दूरी पर मौजूद थे। इस मामले में 58 साल के रयान वेस्ले राउथ को बंदूक के साथ गिरफ्तार किया गया था।ट्रंप के अभियान संचार निदेशक स्टीवन चेउंग ने कहा, डोनाल्ड ट्रंप को राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के कार्यालय ने आगाह किया कि आपकी जान को खतरा है। ईरान इसकी साजिश रच रहा है। उसका मकसद इस हत्या से अमेरिका में अराजकता और अस्थिरता पैदा करने का है। अमेरिका की सभी एजेंसियां डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा को सुनिश्चित करने में जुटी हैं ताकि राष्ट्रपति चुनाव बिना हस्तक्षेप के संपन्न हो सके।

चुनावी साल में विदेशी छात्रों के मुददे को भुनाने में जुटी ट्रूडो सरकार

ओटावा । कनाडा की जस्टिन ट्रूडो सरकार ने फिर विदेशियों की बढ़ती संख्या के मामले को उठाया है। ट्रूडो सरकार में इमिग्रेशन मंत्री मार्क मिलर ने विदेशी छात्रों के देश में शरण मांगने के ट्रेंड को चिंताजनक बताया है। मिलर का ये बयान तब आया है, जब देश आम चुनावों की ओर बढ़ रहा है। चुनावों से पहले देश में घरों और रोजगार का संकट एक बड़ा मुद्दा बन रहा है। इसके बाद विदेशी, खासतौर से भारतीय छात्रों की संख्या पर ट्रूडो सरकार की ओर से लगातार बयान आ रहे हैं। एक कार्यक्रम में मिलर ने छात्र वीजा पर कनाडा आने के बाद शरण मांगने वाले अंतरराष्ट्रीय छात्रों की बढ़ती संख्या पर एक खतरनाक प्रवृत्ति बताया है। मिलर ने कहा कि छात्र वीजा का इस्तेमाल उनके देश में स्थायी तौर पर बसने के लिए किया जा रहा है और उनका मंत्रालय इस मामले की जांच कर रहा है। उन्होंने कनाडा के उच्च शिक्षा संस्थानों को इस तरह के एलिमेंट को रोकने के लिए अपनी जरूरी सुधार करने के लिए कहा है।

अमेरिका का दोहरा चेहरा

अब यूनुस को गले लगाकर कहा- हम बांग्लादेश का पूरा समर्थन करेंगे

एजेंसी ■ ढाका

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के साथ हो रही अमानवीयता के खिलाफ अमेरिका में जमकर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। मांग की जा रही है कि अमेरिका इस मामले में हस्तक्षेप करे और सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम करने का दबाव बनाए। इधर अमेरिका भारत को आश्वासन देता रहा है कि बांग्लादेश में हो रही अमानवीयता को अमेरिका बर्दाश्त नहीं करेगा और इसके समाधान के लिए प्रयास करेगा। आज यही अमेरिका मोहम्मद यूनुस के साथ गलबहियां डालकर कह रहा है कि हम बांग्लादेश के साथ हैं। खबर है कि अब अमेरिका ने भी अंतरिम सरकार का समर्थन करने का फैसला लिया है। हाल ही में अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने अमेरिका के

राष्ट्रपति जो बाइडेन से मुलाकात की थी। खास बात है कि बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन की साजिश के आरोप अमेरिका पर भी लग रहे हैं। 15 सितंबर को भी अमेरिका के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने बांग्लादेश की राजधानी ढाका में मोहम्मद यूनुस से मुलाकात की थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तब आर्थिक विस्तार और राजनीतिक संबंधों को लेकर भरोसा दिया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मुख्य सलाहकार के दफ्तर से जारी प्रेस नोट में कहा गया है कि बाइडेन ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को पूरा समर्थन देने की बात कही है। प्रेस नोट के मुताबिक, बाइडेन का कहना है कि अगर अपने देश के लिए छात्र इतना कुछ कुर्बान कर सकते हैं, तो उन्हें थोड़ी और मदद करनी चाहिए। यूनुस और बाइडेन ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र से इतर न्यूयॉर्क में मुलाकात की थी।

कौन करवा रहा है हमले

पहले ट्रंप अब कमला हैरिस के दफ्तर पर बरसाई गोलियां

एजेंसी ■ वाशिंगटन

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर दो बार जानलेवा हमले हो चुके हैं। अब बीती रात ट्रंप की प्रतिद्वंदी उप राष्ट्रपति कमला हैरिस के दफ्तर पर फायरिंग की घटना हुई है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर दोनो उम्मीदवारों को कौन टारगेट कर रहा है। हालांकि अमेरिकी खुफिया एजेंसी अलर्ट कर चुकी हैं कि ईरान अमेरिका में ट्रंप की हत्या कराकर अराजकता फैलाने का षडयंत्र रच रहा है। पुलिस के मुताबिक आधी रात के बाद किसी ने ऑफिस पर गोलियां बरसाई। पुलिस विभाग ने

बताया कि डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी के चुनावी अभियान के ऑफिस के पास गोलियों से हुए नुकसान का पता चला है। आपको बता दें कि रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर चुनावी रैली के दौरान दो बार जानलेवा हमले हो चुके हैं।

यह घटना डोनाल्ड ट्रम्प पर दूसरी हत्या के प्रयास के कुछ समय बाद हुई है। ट्रंप हमला के आरोप में हवाई के रहने वाले 58 वर्षीय साल रयान राउथ को तब गिरफ़्तार किया गया। सीक्रेट सर्विस ने उन्हें फ्लोरिडा के वेस्ट पाम बीच में ट्रंप के नेशनल गोल्फ क्लब में एके-47, एक गोप्रो कैमरा और अन्य सामान के साथ छिपे हुए देखा। उस समय, पूर्व राष्ट्रपति उस स्थान पर गोल्फ खेल रहे थे। सीक्रेट सर्विस ने देखते ही गोली चला दी। लेकिन, राउथ कार से भाग गया। हालांकि, बाद में उन्हें गिरफ़्तार कर लिया गया।इससे कुछ दिन पहले, ट्रंप की पेंसिल्वेनिया रैली में एक जानलेवा अटैक हुआ था। हालांकि, वह हमले में बाल-बाल बच गए थे। स्नाइपर्स ने 20 साल हमलावर थॉमस मैथ्यू क्रूक्स को मार गिराया था। उस हमले में ट्रंप और दो अन्य घायल हो गए।

जन सूचना अधिकारी सार्जेंट रयान कुक ने बताया, 'रात में ऑफिस के अंदर कोई नहीं था। लेकिन, इस घटना ने उस बिल्डिंग में काम करने वालों और आस-पास के लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं पैदा करती है।' वहीं, पुलिस के डिटेक्टिव्स घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। वहां, मौजूद सबूतों की जांच कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि कर्मचारियों और आम लोगों के लिए उस क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ाने के लिए कथित तौर पर अतिरिक्त उपाय किए जा रहे हैं। कमला हैरिस के लोकल ऑफिस के कर्मचारी जब घटना स्थल पर पहुंचे तो देखा कि सामने की खिड़कियों से गोलियां चलाई गई हैं। यह दूसरी बार है, जब हाल के दिनों में ऑफिस पर गोलियां चलीं हैं। पुलिस ने बताया कि 16 सितंबर को आधी रात के ठीक बाद, सामने की खिड़कियों पर बीबी गन या पेलेट गन से गोली चलाई गई।

चीन जिस रास्ते पर चल रहा है वो जंग की तरफ जाता है

एजेंसी ■ बीजिंग

भारत, अमेरिका और जापान ने साउथ चाइना सी में चीन की बढ़ती दादागिरी को नियंत्रित करने के लिए एक संयुक्त रणनीति तैयार की है। इस बीच, चीन ने युद्ध की तैयारी तेज कर दी है और ऐसे सामानों के निर्यात पर रोक लगा दी है, जो सैन्य और नागरिक दोनों के उपयोग में आते हैं। मतलब साफ है कि चीन जिस रास्ते पर चल रहा है वो जंग की तरफ जाता है। चीन की सरकार ने न्यूक्लियर टेक्नोलॉजी, मिसाइलों के पुर्जों, बायोटेक और केमिकल्स के निर्यात पर तुरंत रोक लगाने का आदेश दिया है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह फैसला सही समय पर लिया गया है, क्योंकि चीन समझता है कि उसे चारों ओर से घेरा जा रहा है और युद्ध की स्थिति कभी भी उत्पन्न हो सकती है।

चीन इस चिंता से भी ग्रसित है कि हालिया धमाकों की तरह, उसके देश में भी ऐसी घटनाएं हो सकती हैं। चीनी एकेडमी ऑफ सोशल साइंसेस के लू जियांग ने बताया कि चीन इस बारे में विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर रहा है ताकि मौजूदा टेक्नोलॉजी से उत्पन्न खतरों का मूल्यांकन किया जा सके।दिसंबर 2020 में, चीन ने ऐसे सामानों पर निगरानी रखने के लिए कानून बनाया था।

गरीबों के संरक्षक थे ईश्वर चंद्र विद्यासागर

बंगाल पुनर्जागरण के प्रमुख स्तंभ तथा नारी शिक्षा के प्रबल समर्थक ईश्वर चंद्र विद्यासागर को समाज सुधारक, दार्शनिक, शिक्षाविद्, स्वतंत्रता सेनानी, लेखक इत्यादि अनेक रूपों के स्मरण किया जाता रहा है, जिनकी आज हम जयंती मना रहे हैं। ईश्वर चंद्र विद्यासागर का जन्म 26 सितम्बर 1820 को पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर जिले में धार्मिक प्रवृत्ति के एक निर्धन ब्राह्मण परिवार में हुआ था और उनका बचपन का नाम ईश्वर चंद्र बंदोपाध्याय था। ईश्वर चंद्र विद्यासागर ने न केवल नारी शिक्षा के लिए व्यापक जनान्दोलन खड़ा किया बल्कि उन्हीं के अनथक प्रयासों तथा दृढ़संकल्प के चलते ब्रिटिश शासनकाल में अंग्रेज वर्ष 1856 में विधवा पुनर्विवाह कानून पारित करने को विवश हुए थे। उसी के बाद भारतीय समाज में विधवाओं को नए सिरे से जीवन की शुरूआत कर ससम्मान जीने का अधिकार मिला था। उनके अथक प्रयासों से ही कोलकाता सहित पश्चिम बंगाल में कई स्थानों पर कई बालिका विद्यालयों की स्थापना हुई थी और उन्होंने कलकत्ता में मेट्रोपोलिटन कॉलेज की स्थापना भी की थी। 'अपना काम स्वयं करो' सिद्धांत के प्रवर्तक ईश्वर चंद्र विद्यासागर नारी शिक्षा के प्रबल समर्थक थे। अपने क्रियाकलापों से उन्होंने लोगों को हमेशा स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता की सीख दी। अपने समाज सुधार अभियान के तहत उन्होंने स्थानीय बांग्ला भाषा तथा लड़कियों की शिक्षा के लिए स्कूलों की एक श्रृंखला के साथ कलकत्ता में मेट्रोपोलिटन कॉलेज की स्थापना भी की थी। नारी शिक्षा के लिए गंभीर प्रयास करते हुए उन्होंने बैठुने स्कूल की स्थापना की तथा कुल 35 स्कूल खुलवाए, जिनके संचालन के लिए पूरे खर्च की जिम्मेदारी उन्होंने स्वयं अपने कंधों पर ली। स्कूलों के खर्च के लिए वह विशेष रूप से स्कूली बच्चों के लिए बंगाली में लिखी गई किताबों की बिक्री से फंड जुटाते थे। समाज सुधार कार्यों की बदौलत उन्हें जीवन पर्यन्त गरीबों और दलितों का संरक्षक माना जाता रहा। अपने इसी प्रकार के समाज की भलाई के लिए किए जाने वाले कार्यों के चलते ही उन्हें एक समाज सुधारक के रूप में जाना जाने लगा था। सदैव समाज की भलाई के लिए ही सोचने और समाज के लिए कुछ न कुछ नया करते रहने के कारण ही नैतिक मूल्यों के संरक्षक विद्यासागर को महान् समाज सुधारक के रूप

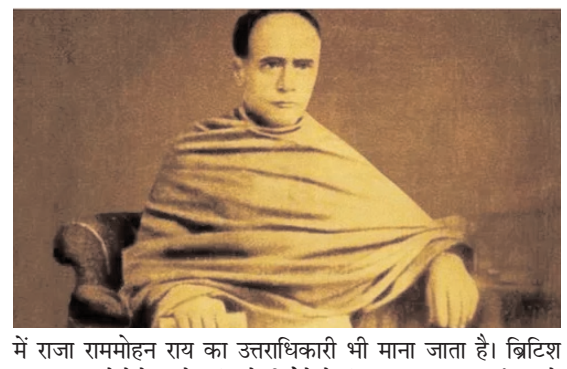

में राजा राममोहन राय का उत्तराधिकारी भी माना जाता है। ब्रिटिश शासनकाल में ऐसे कॉलेज विरले ही होते थे, जिनका संचालन पूर्ण रूप से भारतीयों के ही हाथों में हो और जहां पढ़ाने वाले सभी शिक्षक भी भारतीय ही हों किन्तु ईश्वर चंद्र विद्यासागर ने सन् 1872 में कोलकाता में विद्यासागर कॉलेज की स्थापना कर यह कारनामा भी कर दिखाया था। ईश्वर चंद्र विद्यासागर वास्तव में एक ऐसी महान् शख्सियत थे, जिन्होंने न केवल नारी शिक्षा के लिए व्यापक जनान्दोलन खड़ा किया बल्कि अंग्रेजों को विधवा पुनर्विवाह कानून पारित कराने को भी विवश किया।

नरेंद्र मोदी, भारत के प्रधानमंत्री

'मेक इन इंडिया' के 10 साल पूरे

'मेक इन इंडिया' पहल के 10 साल आज पूरे हो गए! आज आप में से प्रत्येक का अभिनंदन करने का शानदार अवसर है जिन्होंने इस पहल को अत्यं त सफल बनाया है। आप में से प्रत्येक व्यक्ति अग्रणी, दूरदर्शी और अन्वेषक हैंजिनके अथक प्रयासों से ही 'मेक इन इंडिया' की सफलता सुनिश्चित हुई है, और इस तरह से हमारा देश वैश्विक आकर्षण एवं जिज्ञासा का केंद्र बन गया है। इस अथक सामूहिक प्रयास से ही एक सपने ने एक अत्येंत प्रभावशाली आंदोलन या मुहिम का रूप ले लिया है। 'मेक इन इंडिया' का व्यापक प्रभाव यह दर्शाता है कि भारत की प्रगतिथमने वाली नहीं है। यह एक ऐसा अहम प्रयास था जो दस साल पहले इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य के साथ शुरू हुआ था - विनिर्माण में भारत की प्रगति को और तेज करना, और इसके साथ ही यह सुनिश्चित करना कि हमारा जैसा प्रतिभाशाली राष्ट्र केवल आयातक ही नहीं, बल्कि निर्यातक भी बने। पिछले एक दशक पर विचार करते समयमैं इस बात पर गर्व महसूस किए बिना नहीं रह सकता कि 140 करोड़ भारतीयों की अपार क्षमता और कौशल ने हमें कितना आगे बढ़ा दिया है। 'मेक इन इंडिया' की छाप सभी क्षेत्रों में दिखाई देने लगी हैजिनमें वे क्षेत्र भी शामिल हैं जिनमें हमने अपनी अमिट छाप छोड़ने का सपना कभी भी नहीं देखा था।

मैं यहां एक-दो उदाहरण प्रस्तुभत करता हूं।

मोबाइल का विनिर्माण... हम सभी यह जानते हैं कि मोबाइल फोन अब कितने अहम हो गए हैं, लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि वर्ष 2014 में हमारे यहां पूरे देश में केवल दो मोबाइल विनिर्माण इकाइयां थीं। आजयह संख्या बढ़कर 200 से भी अधिक हो गई है। हमारे देश से मोबाइल निर्यात मात्र 1,556 करोड़ रुपये से ऊंची छलांग लगाकर 1.2 लाखकरोड़ रुपये के आश्चर्यजनक आंकड़े को छूने लगा है - यह 7500त्न कीआश्चर्यजनक वृद्धि को दर्शाता है! आज भारत में इस्तेमाल होने वाले 99त्न मोबाइल फोन सही मायनों में 'मेड इन इंडिया' हैं। हम पूरी दुनिया में दूसरे सबसे बड़े मोबाइल निर्माता बन गए हैं। हमारे इस्पात उद्योग पर एक नजर डालेंतो हम विशुद्ध रूप से तैयार स्टील के निर्यातक बन गए हैं, जिसका कुल उत्पादन वर्ष 2014 से लेकर अब तक 50त्न से भी अधिक बढ़ गया है। हमारा सेमीकंडक्टर विनिर्माण क्षेत्र 1.5 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक का निवेश आकर्षित करने में सफल रहा है, जिसमें पांच संयंत्रों को मंजूरी दी गई हैजिनकी संयुक्त क्षमता प्रतिदिन 7 करोड़ से भी अधिक चिप्स की होगी! नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र मेंहम पूरी दुनिया में चौथे सबसे बड़े उत्पादक देश हैंजिसमें कुल क्षमता केवल एक दशक में 400 फीसदी बढ़ गई है। हमारा इलेक्ट्रिक वाहन उद्योगजोरदार उछाल के साथ 3 अरब डॉलर का हो गया है, जो वर्ष 2014 में तो एक तरह से अस्तित्व में ही नहीं था। रक्षा उत्पादों का निर्यात मात्र 1,000 करोड़ रुपये से ऊंची छलांग लगाकर 21,000 करोड़ रुपए हो गया है, जो अब तो 85 से भी अधिक देशों में पहुंच गया है। 'मन की बात' कार्यक्रम के दौरान, मैंने एक जीवंत खिलौना उद्योग की आवश्यकता के बारे में बात की थी और हमारे लोगों ने दिखाया कि यह कैसे किया जाता है! पिछले कुछ वर्षों में, हमने निर्यात में जहां 239 फीसदी की वृद्धि देखी है। वहीं, आयात आधे से भी कम हो गया है, जिसका विशेष रूप से हमारे स्थानीय विनिर्माताओं और विक्रेताओं को लाभ हुआ है, छोटे बच्चों का तो कहना ही क्या!

आज के भारत के कई प्रतीक- हमारी वंदे भारत ट्रेनें, ब्रह्मोस मिसाइलें और हमारे हाथों में मोबाइल फोन- सभी पर गर्व के साथमेक इन इंडिया लेबल नजर आता है। इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर अंतरिक्ष क्षेत्र तक, इससे भारतीय प्रतिभा और गुणवत्ता का पता चलता है। मेक इन इंडिया पहल इसलिए भी खास है,क्योंकि इसने गरीबों को बड़े सपने देखने और आकांक्षाएं के लिए पंख दिए हैं- इसने उन्हें यह विश्वास दिलाया है कि वे वेल्थ क्रिएटर बन सकते हैं। एमएसएमई क्षेत्र पर इसका प्रभाव भी उतना ही उल्लेखनीय है। एक सरकार के रूप में, हम इस भावना को और भी मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा एक दशक लंबा ट्रैक रिकॉर्ड अपने आप में बहुत कुछ बोलता है। उत्पादन से संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाएं गेम चेंजर रही हैं, जिससे हजारों करोड़ रुपये का निवेश संभव हुआ है और लाखों नौकरियां पैदा हुई हैं। हमने व्यापार को आसान बनाने के लिए भी खासे प्रयास किए हैं। आज भारत के पक्ष में बहुत कुछ चल रहा है- हम लोकतंत्र, जनसांख्यिकी और मांग का सही मिश्रण हैं। हमारे पास वो सब कुछ है जो वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक प्रमुख खिलाड़ी बनने के लिए आवश्यक हैं और जिन्हें व्यापार के लिए एक विश्वसनीय भागीदार में देखा जाता है। हमारे पास सबसे शानदार युवा शक्ति भी है, जिसके स्टार्टअप की सफलता सभी के सामने है। इस प्रकार, माहौल स्पष्ट रूप से भारत के पक्ष में है। वैश्विक महामारी जैसी अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, भारत मजबूती से विकास की राह पर बना हुआ है। आज, हमें वैश्विक विकास के नेतृत्व करने वाले के रूप में देखा जा रहा है। मैं अपने युवा मित्रों से आह्वान करता हूं कि वे आएं और मेक इन इंडिया को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में हमारा साथ दें। हम सभी को उत्कृष्टता के लिए प्रयास करना चाहिए। गुणवत्ता प्रदान करना हमारी प्रतिबद्धता होनी चाहिए। जीरो डिफेक्ट हमारा मंत्र होना चाहिए। हम मिलकर एक ऐसे भारत का निर्माण कर सकते हैं जो न केवल अपनी आवश्यकताओं को पूरा करेगा, बल्कि विश्व के लिए विनिर्माण और नवाचार का केंद्र भी बनेगा।

आज के भारत के कई प्रतीक- हमारी वंदे भारत ट्रेनें, ब्रह्मोस मिसाइलें और हमारे हाथों में मोबाइल फोन- सभी पर गर्व के साथमेक इन इंडिया लेबल नजर आता है। इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर अंतरिक्ष क्षेत्र तक, इससे भारतीय प्रतिभा और गुणवत्ता का पता चलता है।

वारफेयर की पारंपरिक परिभाषाओं को चुनौती 'पेजर' हमला

▪ शाश्वत तिवारी

21वीं सदी की तकनीकी क्रांति ने संचार और सूचना के क्षेत्र में जबरदस्त बदलाव किए हैं, और इसके साथ ही साइबर सुरक्षा और साइबर हमलों का भी विस्तार हुआ है। आधुनिक युग में, साइबर अटैक पारंपरिक युद्ध रणनीतियों से एक कदम आगे निकल चुके हैं। पेजर-हमले जैसे साइबर हमलों ने, न केवल वारफेयर की पारंपरिक परिभाषाओं को चुनौती दी है, बल्कि उन्होंने सुरक्षा प्रणाली को भी नए सिरे से परिभाषित किया है। इस लेख में, हम पेजर-हमलों के माध्यम से साइबर वारफेयर के विकास और इसके प्रभावों पर गहन विचार करेंगे।

पेजर-हमला एक विशेष प्रकार का साइबर अटैक है, जिसमें संचार नेटवर्क या उपकरणों को निशाना बनाया जाता है, विशेष रूप से उन उपकरणों को जो महत्वपूर्ण डेटा प्रसारित करते हैं। पेजर पारंपरिक रूप से एक मोबाइल संचार उपकरण था, जिसका उपयोग सूचनाओं को भेजने और प्राप्त करने के लिए किया जाता था। हालांकि अब इसका उपयोग सीमित हो गया है, लेकिन इसका मॉडल साइबर हमलों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुका है। पेजर-हमले का तात्पर्य है एक प्रकार का हमला जिसमें संचार प्रणाली को ठप किया जाता है या उसमें घुसपैठ की जाती है, जिससे सिस्टम अस्थिर हो जाता है और डेटा की सुरक्षा खतरे में पड़ जाती है। साइबर अटैक एक संरचनात्मक हमला होता है जिसमें नेटवर्क, सिस्टम या डिवाइस को निशाना बनाकर उसमें सेंध लगाई जाती है। इसका उद्देश्य डेटा चोरी करना, सिस्टम को नुकसान पहुंचाना, या किसी संगठन को वित्तीय और सूचना के स्तर पर नुकसान पहुंचाना हो सकता है।

वारफेयर (युद्ध) के परिप्रेक्ष्य में, साइबर अटैक एक नई रणनीति के रूप में उभर कर सामने आया है, जिसे डिजिटल या साइबर वारफेयर कहा जाता है। पारंपरिक युद्ध में सैनिक और हथियारों का उपयोग होता है, लेकिन साइबर वारफेयर में जानकारी और नेटवर्क महत्वपूर्ण हथियार होते हैं। पेजर-हमले इस साइबर वारफेयर की नई लहर का हिस्सा हैं, जहां संचार प्रणाली पर हमले किए जाते हैं। इन हमलों में न केवल सरकारी संस्थान बल्कि निजी कंपनियां और यहां तक कि आम लोग भी शामिल हो सकते हैं। पेजर-हमलों की कार्यप्रणाली बेहद जटिल होती है, जिसमें हमलावर नेटवर्क की कमजोरियों का फायदा उठाते हैं। इसके मुख्य चरणों में निम्नलिखित तत्व शामिल होते हैं:-

01- हमलावर सर्वप्रथम नेटवर्क या डिवाइस के प्रवेश बिंदुओं की पहचान करता है। यह प्रवेश बिंदु कोई खुला पोर्ट, कमजोर पासवर्ड, या अप्रयुक्त नेटवर्क सेवा हो सकती है।

02- एक बार जब प्रवेश बिंदु का पता चलता है, तो हमलावर नेटवर्क में घुसपैठ कर सकता है और उसके द्वारा संचालित डेटा को निगरानी या बाधित कर सकता है। इस घुसपैठ में सबसे अधिक संचार चैनलों को प्रभावित किया जाता है ताकि सूचना का प्रवाह रुक जाए या गड़बड़ी हो।

03- हमलावर आमतौर पर नेटवर्क में मैलवेयर या

स्पायवेयर स्थापित करता है, जो डेटा चुराने या सिस्टम को कमजोर करने का काम करता है।

04- अंतिम चरण में हमलावर संचार सिस्टम या डिवाइस को ठप कर देता है, जिससे जानकारी तक पहुंचना या उसका उपयोग करना असंभव हो जाता है। यह साइबर अटैक के मुख्य लक्ष्यों में से एक है - संसाधनों को अस्थिर करना।

साइबर वारफेयर के परिप्रेक्ष्य में पेजर-हमलों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह हमले एक नई किस्म की युद्ध रणनीति का हिस्सा बन चुके हैं, जिसमें किसी देश की या संगठन की संचार प्रणाली पर हमला कर उसे ठप किया जा सकता है। इसका उद्देश्य केवल सैन्य या सुरक्षा सेवाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वित्तीय संस्थानों, स्वास्थ्य सेवाओं, और यहां तक कि बिजली वितरण सेवाओं को भी निशाना बनाया जा सकता है।

पेजर-हमले सीधे तौर पर सूचना युद्ध से जुड़े हैं, जिसमें महत्वपूर्ण जानकारी को बाधित करना, उसे बदलना, या उसे सार्वजनिक करना शामिल होता है। ऐसे हमलों का सबसे बड़ा उदाहरण तब सामने आया जब ईरान की परमाणु सुविधा पर साइबर अटैक हुआ, जिसे स्टक्सनेट वायरस द्वारा अंजाम दिया गया। यह हमला साइबर वारफेयर का एक ज्वलंत उदाहरण है, जिसमें संचार प्रणाली को निशाना बनाकर महत्वपूर्ण जानकारी को नियंत्रित किया गया।

पेजर-हमलों का सबसे बड़ा प्रभाव नेटवर्क और सिस्टम की सुरक्षा पर पड़ता है। जब एक संचार प्रणाली ठप हो जाती है, तो इसका सीधा प्रभाव सिस्टम की कार्यप्रणाली और डेटा सुरक्षा पर पड़ता है। इसके अलावा, इस प्रकार के हमले किसी भी संगठन की प्रतिष्ठा को भी नुकसान पहुंचाते हैं। संगठनों को साइबर हमलों के बाद पुनः सिस्टम बहाल करने के लिए बड़े स्तर पर संसाधनों की आवश्यकता होती है। इसके अलावा, पेजर-हमले आम नागरिकों और कंपनियों को भी प्रभावित करते हैं। उदाहरण के लिए, यदि किसी बैंक की संचार प्रणाली को ठप कर दिया जाता है, तो ग्राहक सेवाओं में बाधा उत्पन्न होती है, जिससे लाखों लोगों का वित्तीय लेन-देन ठप हो सकता है। इसके अतिरिक्त, यदि चिकित्सा सेवा की संचार प्रणाली पर हमला होता है, तो आपातकालीन सेवाओं में देरी हो सकती है, जिससे जीवन की हानि भी संभव है।

साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों ने पेजर-हमलों से निपटने के लिए कई प्रकार की रणनीतियाँ विकसित की हैं। इनमें मुख्य रूप से निम्नलिखित उपाय शामिल हैं:

01- नेटवर्क और सिस्टम में मजबूत सुरक्षा प्रणाली को लागू करना आवश्यक है। इसमें फायरवॉल, एंटीवायरस, और इन्क्रिप्शन जैसी तकनीकों का उपयोग किया जाता है।

02- यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि किसी भी नेटवर्क के प्रवेश बिंदु को नियमित रूप से मॉनिटर किया जाए, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि को समय रहते पहचाना जा सके।

03- सभी डिवाइस और नेटवर्क को नियमित रूप से सुरक्षा अपडेट्स प्रदान करना आवश्यक है। ऐसा न करने पर कमजोरियां उत्पन्न हो सकती हैं, जिनका फायदा साइबर हमलावर उठा सकते हैं।

04- डेटा का नियमित बैकअप करना साइबर हमलों से बचने का एक महत्वपूर्ण कदम है। यदि हमला होता भी है, तो बैकअप के माध्यम से सिस्टम को पुनः स्थापित किया जा सकता है।

05- सभी संगठनों के पास आपातकालीन योजनाएँ होनी चाहिए, ताकि साइबर हमले की स्थिति में तेज़ी से प्रतिक्रिया की जा सके।

पेजर-हमले और साइबर वारफेयर के खतरों को ध्यान में रखते हुए, सभी संगठनों और सरकारों को अपनी साइबर सुरक्षा रणनीतियों को मजबूत करने की आवश्यकता है। साइबर अटैक का खतरा लगातार बढ़ रहा है, और इससे निपटने के लिए सतर्कता, सुरक्षा उपाय, और नवीनतम तकनीकी साधनों का उपयोग अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है।

यह लेख पेजर-हमलों और उनके साइबर वारफेयर में भूमिका को व्यापक रूप से समझने के लिए है। साइबर सुरक्षा के इस नए युग में पेजर-हमले एक महत्वपूर्ण विषय बन गए हैं, जिन्हें समझना और उनसे निपटने की रणनीतियाँ बनाना अत्यावश्यक है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार है)

आधुनिक युग में, साइबर अटैक पारंपरिक युद्ध रणनीतियों से एक कदम आगे निकल चुके हैं। पेजर-हमले जैसे साइबर हमलों ने, न केवल वारफेयर की पारंपरिक परिभाषाओं को चुनौती दी है, बल्कि उन्होंने सुरक्षा प्रणाली को भी नए सिरे से परिभाषित किया है। इस लेख में, हम पेजर-हमलों के माध्यम से साइबर वारफेयर के विकास और इसके प्रभावों पर गहन विचार करेंगे।

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस

पर्यावरण को स्वस्थ बनाकर ही मनुष्य-स्वास्थ्य संभव

हर साल दुनियाभर में 26 सितंबर को विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य है, पर्यावरणीय स्वास्थ्य का मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में जागरूकता पैदा करना। हम सभी जानते हैं कि स्वस्थ रहने के लिए पर्यावरण को बचाना कितना जरूरी है। जिस जगह हम रहते हैं, वहां पर्यावरण से जुड़ी हर चीज की देखभाल करना हर व्यक्ति का फर्ज होना चाहिए। हर बीमारी का उपचार प्रकृति एवं पर्यावरण में है। इस दिवस की 2024 की थीम है पर्यावरण स्वास्थ्य, आपदा जोखिम न्यूनीकरण और जलवायु परिवर्तन शमन और अनुकूलन के माध्यम से लचीले समुदायों का निर्माण।' प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, औद्योगीकरण, शहरीकरण, वैश्वीकरण और प्रदूषण मानव स्वास्थ्य के लिये गंभीर खतरा है। मनुष्य को घेर रही तरह-तरह की बीमारियों का सबसे बड़ा कारण प्रकृति के प्रति लापरवाही एवं उपेक्षा है। ग्लोबल वार्मिंग, वनों की कटाई, नदियों में गंदगी फैलाना, पशुओं को हानि पहुंचाना आदि पर्यावरणीय स्वास्थ्य के नुकसान पहुंचाने के कई कारण हैं। अनियोजित औद्योगीकरण, बढ़ता प्रदूषण, घटते रेगिस्तान एवं ग्लेशियर, नदियों के जलस्तर में गिरावट, पर्यावरण विनाश, प्रकृति के शोषण और इनके दुरुपयोग के प्रति असंवेदनशीलता पूरे विश्व को एक बड़े संकट की ओर ले जा रही है। इन संकटों के बीच प्राकृतिक पर्यावरण, वायु, जल, भोजन, आवास और समुदायों की गुणवत्ता में सुधार को बढ़ावा देने के लिये इस दिवस की विशेष प्रासंगिकता है।

26 सितंबर, 2011 को इंडोनेशिया में आयोजित शिखर सम्मेलन में इस दिन की स्थापना हुई थी। यह दिवस लोगों को पर्यावरण के कई पहलुओं के बारे में शिक्षित करने का एक साधन है जो किसी न किसी तरह से स्वास्थ्य पर प्रभाव डाल सकते हैं जैसे कि हवा और पानी की गुणवत्ता, ठोस अपशिष्ट निपटान, और खतरनाक पदार्थों का प्रभाव। यह दिवस मनुष्य स्वास्थ्य के साथ पर्यावरण स्वास्थ्य की महत्वपूर्ण भूमिका को बढ़ावा देने और सभी निवासियों के जीवन के लिए आवश्यक पर्यावरण की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए पर्याप्त साधनों की खोज से जुड़ा है। हानिकारक पर्यावरणीय कारक श्वसन पथ के संक्रमण या जलजनित रोगों सहित विभिन्न गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ाती हैं। जलवायु परिवर्तन शमन और अनुकूलन पर्यावरणीय स्वास्थ्य के लिये मुख्य रूप से ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को समाप्त करने, नवीकरणीय ऊर्जा, कुशल स्वास्थ्यवर्द्धक ऊर्जा उपयोग और वनीकरण पर आधारित हैं। शमन का अर्थ है लोगों के व्यवहार को बदलना और सूखे का सामना करने वाली फसलों को विकसित करना और सिंचाई प्रणालियों में सुधार जैसे कठोर और नरम उपायों के माध्यम से उपयुक्त जलवायु के लिए पर्यावरण में आवश्यक संशोधन करना। विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस इस बात की याद दिलाता है कि पर्यावरण संरक्षण केवल प्राकृतिक दुनिया का संरक्षण नहीं है, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य और भविष्य की सुरक्षा है। इसलिए, जब लोग समुदायों में एक साथ मिलकर काम करते हैं, तो पर्यावरण के कारण होने वाली आपदाओं के बावजूद उन्हें स्वस्थ जीवन जीने में सक्षम बनाने के लिए अच्छे उपायों को अपनाना आसान हो जाता है। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि इस दिन हम रुकें और इस बात पर विचार करें कि हम पर्यावरणीय स्वास्थ्य को कैसे बेहतर बना सकते हैं और पर्यावरणीय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए और अधिक प्रयास कर सकते हैं। ऐसा करने के लिए हमें पर्यावरणीय स्वास्थ्य को सभी के लिए बेहतर और स्वस्थ भविष्य के मार्ग के रूप में अपनाने की आवश्यकता है। यह दिन विशेष रूप से आधुनिक वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने और उन प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है जो दुनिया को लोगों और पर्यावरण दोनों के लिए एक बेहतर स्थान बनाने में मदद कर सकते हैं। इस दिन को सेमिनार, कार्यशाला, मीटिंग आदि जैसी विभिन्न गतिविधियों द्वारा चिह्नित किया जाता है। यह लोगों, संगठनों और सरकारों को एक साथ आने और समुदाय के बेहतर और अधिक टिकाऊ रूपों को बनाने के लिए रणनीतियों पर विचार करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। यह दिन पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य को एक दूसरे से निकटता से जुड़ा हुआ मानता है।

यह उल्लेखनीय है कि प्रतिकूल पर्यावरणीय परिस्थितियाँ कई बीमारियों का मूल कारण हैं, उदाहरण के लिए, श्वसन रोग, जलजनित रोग और पुरानी बीमारियाँ। विशेषतः वायु प्रदूषण जानलेवा होता जा रहा है, जीवन की औसत आयु को कम कर रहा है। दरअसल, हमारे नीति-नियंता प्रदूषण कम करने के लिये नागरिकों को जागरूक करने में भी विफल रहे हैं। हमारी सुख-सुविधा की ललक ने भी वायु प्रदूषण बढ़ाया है। अब चाहे गाहे-बगाहे होने वाली आतिशबाजी हो, प्रतिबंध के बावजूद पराली जलाना हो, या फिर सार्वजनिक परिवहन सेवा से परहेज हो, तमाम कारण प्रदूषण बढ़ाने वाले हैं। कल्पना कीजिए बच्चों और दमा, एलर्जी व अन्य सांस के रोगों से जूझने वाले लोगों पर इस प्रदूषण का कितना घातक असर होगा? यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो की हालिया रिपोर्ट फिक्र बढ़ाती है जिसमें कहा गया कि वायु प्रदूषण के चलते भारत में जीवन प्रत्याशा में गिरावट आ रही है।

ललित गर्ग

प्रेरणा

प्रयत्न में ऊब नहीं

संसार में गति के जो नियम हैं, परमात्मा में गति के ठीक उनसे उलटे नियम काम आते हैं और यहीं बड़ी मुश्किल हो जाती है। संसार में ऊबना बाद में आता है, प्रयत्न में ऊब नहीं आती। इसलिए संसार में लोग गति करते चले जाते हैं। पर परमात्मा में प्रयत्न में ऊब आती है और प्रयत्न पहले ही उबा देगा, तो आप रुक जाएंगे। कितने लोग हैं जो प्रभु की यात्रा शुरू भर करते हैं, पर कभी पूरी नहीं कर पाते। कितनी बार तय किया कि स्मरण कर लेंगे प्रभु का घड़ीभर! एकाध दिन, दो दिन। फिर ऊब गए। फिर छूट गया। कितने संकल्प, कितने निर्णय, धूल होकर पड़े हैं चारों तरफ! लोग कहते हैं कि ध्यान से कुछ हो सकेगा? मैं कहता हूं जरूर हो सकेगा। कठिनाई सिर्फ एक है, सातत्य! कितने दिन कर सकोगे? मुश्किल से कोई मिलता है, जो तीन महीने भी सतत कर पाता है। दस-पांच दिन बाद ऊब जाता है! आश्चर्य है कि मनुष्य जिंदगी भर अखबार पढ़कर नहीं ऊबता, रेडियो सुनकर नहीं ऊबता, फिल्म देखकर नहीं ऊबता, रोज वही बातें करके नहीं ऊबता। ध्यान करके क्यों ऊब जाता है? आखिर ध्यान में ऐसी क्या कठिनाई है! कठिनाई एक ही है कि संसार की यात्रा पर प्रयत्न नहीं उबाता, प्राप्ति उबाती है और परमात्मा की यात्रा पर प्रयत्न उबाता है, प्राप्ति कभी नहीं उबाती। जो पा लेता है, वह फिर कभी नहीं ऊबता। बुद्ध ज्ञान के बाद चालीस साल जिंदा थे। चालीस साल किसी ने एक बार उन्हें अपने ज्ञान से ऊबते हुए नहीं देखा। कोहनूर हीरा मिल जाता चालीस साल तो ऊब जाते। संसार का राज्य मिल जाता तो ऊब जाते। महावीर भी चालीस साल जिंदा रहे ज्ञान के बाद। निरंतर उसी ज्ञान में रमे रहे, कभी ऊबे नहीं! कभी चाहा नहीं कि कुछ और मिल जाए। परमात्मा की यात्रा पर प्राप्ति के बाद कोई ऊब नहीं है। इसलिए कृष्ण कहते हैं कि बिना ऊबे श्रम करना कर्तव्य है, करने योग्य है। अर्जुन कैसे माने और क्यों माने? अर्जुन तो जब प्रयास करेगा, तो ऊबेगा, थकेगा। कृष्ण कहते हैं, इसलिए धर्म में ट्रस्ट का, भरोसे का एक कीमती मूल्य है। श्रद्धा का अर्थ होता है, ट्रस्ट। उसका अर्थ होता है, कोई कह रहा है। अर्जुन भलीभांति कृष्ण को जानता है। कृष्ण को भी विचलित नहीं देखा है। कृष्ण को उदास नहीं देखा है। कृष्ण की बांसुरी से कभी दुख का स्वर निकलते नहीं देखा है। कृष्ण सदा ताजे हैं।

ब्रीफ न्यूज

चैक डिस्ऑनर में हुआ दोष मुक्त

गुना। चैक बाउंस के एक मामले में न्यायालय द्वारा अभियुक्त को दोष मुक्त करार दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्थानीय सर्राफा बाजार के रहने वाले जेकेश पुत्र राजेन्द्र सोनी ने आसमानी माता मंदिर के पीछे बांसखेड़ी के रहने वाले गजानंद पुत्र शिवचरण कुशवाह को 5 वर्ष पहले 65 हजार रुपये उधार दिए थे, यह राशि 3 किश्तों में दी गयी थी, जिसके भुगतान के लिए गजानंद कुशवाह द्वारा विगत 30 नवंबर 19 को दिया गया। चैक संबंधित बैंक शाखा द्वारा अपर्याप्त निधि का हवाला देते हुए डिस्ऑनर कर वापस लौटा दिया गया था, जिसकी सूचना लेखी नोटिस से देने के बाद भी राशि वापसी नहीं की गई थी, जिस पर से ऋण प्रदायकर्ता जेकेश सोनी ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में 138 परक्राम्य अधिनियम के तहत एक परिवाद दायर कर उक्त राशि दिलाए जाने की मांग की थी। उभयपक्षों की दलीलों व साक्ष्यों के आधार पर से अभी हाल ही में दिए गए अपने निर्णय में प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट सुरेश बारगिया ने उधारी की राशि के भुगतान के लिए चैक दिए जाने को प्रमाणित करने में परिवादी के असफल होने को रेखांकित करते हुए अभियुक्त गजानंद कुशवाह को दोषमुक्त कर दिया है। प्रकरण में अभियुक्त की ओर से पैरवी वीरु चौहान ने की।

जंगल में बकरियां चराते समय युवक पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला

गुना। जिले के धरनावदा थानांतर्गत जंगल में बकरियां चराने को लेकर एक व्यक्ति ने दूसरे पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर दिया। जिसमें वह बुरी तरह घायल हो गया। जिसे परिजनों ने शहर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी भामा बंजारा पुत्र अमरा बंजारा निवासी ग्राम रिहाना ने बताया कि गत सुबह वह अपने भतीजा गोलू पुत्र बाबूलाल बंजारा के साथ घर के ऊपर के जंगल में बकरियों चराने के लिये गये थे। जंगल के बकरियाँ चर रही थी तो में कुछ देर के लिये छोले के पेड़ के पास बैठ गया। तभी वहाँ गाँव का नवल किशोर पुत्र धैना बंजारा अपने हाथ में कुल्हाड़ी लेकर आया और मुझे पुराने बकरियों के विवाद पर से गाली लगौंच कर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। जिसमें उसके सिर में चोट लगकर वह बेहोश हो गया।

महाराजा अजमीढ जयंती की तैयारी बैठक संपन्न

गुना। श्री महाराज अजमीढ देव जयंती महोत्सव 17 अक्टूबर को प्रतिवर्ष अनुसार मनाया जाएगा। तैयारियों के लिए बैठक का आयोजन समाज की धर्मशाला में किया गया। समाज के प्रवक्ताद्वय सतीश सोनी एवं सूर्य प्रकाश सोनी ने बताया कि बैठक की अध्यक्षता अध्यक्षता रमेश टोडरा वाले ने की। बैठक में जयंती के आयोजन की रूपरेखा अध्यक्ष आरके सोनी द्वारा रखी गई। जयंती का स्थान भोजन व्यवस्था अतिथियों को आमंत्रण आदि कई मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में मुख्य रूप से पूर्व अध्यक्ष जगदीश सोनी, विनोद कुमार सोनी (विट्ठल), रवि सोनी, युवा अध्यक्ष जेकेश सोनी, प्रदीप सोनी, पूर्व अध्यक्ष संतोष सोनी, कृष्णा सोनी, महामंत्री कविता सोनी आदि उपस्थित थी।

एक दर्जन के करीब वाहनों पर की 50 हजार से अधिक की चालानी कार्रवाई

दुर्घटनाओं के बाद चेती यातायात पुलिस ने कई स्थानों चलाया चेकिंग अभियान

सत्ता सुधार ■ गुना

शहर के गायत्री मंदिर चौराहे पर शराब के नशे में धुत्त युवक द्वारा एक किशोर और गाय के बछड़े को रौंदने की घटना के बाद अब यातायात पुलिन ने सख्ती शुरू कर दी है। यातायात पुलिस द्वारा चेकिंग प्वाइंट लगाकर वाहन चालकों का ब्रीथ एनालाइजर से अल्कोहल टेस्ट किया जा रहा है। इस दौरान नशे में पाए गए वाहन चालकों के वाहन जप्त कर एमव्ही एक्ट की धारा 185 के तहत प्रकरण बनाए गए। दरअसल नशे की हालत में तेज गति व लहराते हुए ड्रायविंग करने से जिले में हो रहीं सड़क दुर्घटनाओं को दृष्टिगत रखते हुए गुना पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिंहा द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों पर लगाम कसने के लिए जिले के सभी थाना क्षेत्रों में प्रतिदिन रात्रि के समय चैकिंग पॉईन्ट लगाकर सभी प्रकार के वाहन चालकों का ब्रीथ एनालाईजर से अल्कोहल टेस्ट कर नशे की हालत में वाहन चलाते पाये जाने वाले वाहन चालकों पर सख्त से सख्त कार्यवाही के निर्देश दिये गये हैं। पुलिस अधीक्षक श्री सिंहा द्वारा गये निर्देशों के तहत एएसपी मानसिंह ठाकुर के मार्गदर्शन में यातायात थाना प्रभारी निरीक्षक अजयप्रताप सिंह कुशवाह द्वारा अपनी टीम के साथ बीती रात शहर के गायत्री मंदिर के समीप यातायात थाने के समक्ष एबी रोड पर वाहन चैकिंग पॉईन्ट लगाकर सघन चेकिंग की गई। जिसका मुख्य उद्देश्य शहर के अंदर से गुजरने वाले पुराने एबी रोड पर पिछले महीनों में बढ़े सड़क हादसों को रोकना व आमजन की जान बचाना है । चेकिंग के दौरान पुलिस टीम द्वारा एबी रोड से आने-

जाने वाले प्रत्येक वाहन को रोककर उसके चालक का ब्रीथ एनालाइजर से अल्कोहल टेस्ट किया गया एवं रिपोर्ट निगेटिव होने के बाद ही चालकों को जाने दिया गया एवं पॉजीटिव रिपोर्ट की स्थिति में संबंधितों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्यवाहियां की गई ।इस दौरान बीती रात चैकिंग के दौरान आठ वाहनों, जिसमें दो बस, एक बुलेट, दो महिन्द्रा पिकअप, एक सेल्टोस कार, एक स्कॉर्पियो व एक आई 20) के ड्राइवर नशे में धुत्त मिले उन सभी गाड़ियों को ज़ब्त कर मोटरयान अधिनियम धारा 185 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किये गये हैं । जिनके प्रकरण माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किए जाएंगे। तेज गति से चल रहे वाहनों पर नियंत्रण व कार्यवाही हेतु चेकिंग के दौरान इंटरसेप्टर वाहन का उपयोग किया गया । इस दौरान कुल 12 वाहन ओवर स्पीड में पकड़े जाकर उनके विरूद्ध मौके पर ही चालानी कार्यवाही की गई । उपरोक्त के अतिरिक्त रात्रि के समय विभिन्न वाहन चालक उनकी गाड़ियों को लहराते हुए, मोबाइल पर बात करते हुए, गाड़ी में एक हेडलाइट बंद एक चालू होने पर, बिना नंबर प्लेट, बिना ड्राइविंग लायसेंस और अत्यंत खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाते हुए पाये गये लोगों पर मोटरयान अधिनियम के चालानी कायवही की गई । ?बीती रात्रि में चली इस मैराथन वाहन चेकिंग में कुल 104 गाड़ियों पर चालानी कार्यवाही की गई। जिन पर 50,400 रुपये का जुर्माना लगाकर शासन के खाते में जमा कराया गया । सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशानुसार पूरे जिले में यह वाहन चेकिंग लगातार चलाई जाएगी।

गायत्री मंदिर से मंडी गेट तक दोनों तरफ बनाए जाएं-नेता प्रतिपक्ष

वहीं नेता प्रतिपक्ष शेखर वशिष्ठ ने पत्र लिखकर एसडीएम से मांग की है कि गायत्री मंदिर से मंडी गेट तक जगह जगह स्पीड ब्रेकर का निर्माण कराया जाए। तेज रफ्तार के वाहनों पर रोक लगाने के लिए स्पीड ब्रेकर निर्माण बेहद आवश्यक है। उन्होंने बताया कि पूर्व में दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए नगर पालिका सीएमओ को पत्र लिखे, लेकिन आज तक नपा ने इस गंभीर विषय पर कोई रुचि नहीं दिखाई। अगर समय रहते इंतजामात किए जाते तो वाहनों की रफ्तार में कमी होती और दुर्घटनाओं पर भी रोक लगती।

1092 बूथों पर सदस्यता अभियान चलाकर मनाई पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती

सत्ता सुधार ■ गुना

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह सिकरवार के निर्देशन में जिले के सभी 1092 बूथों पर जयंती मनाई जा रही है। इस दौरान जिले के सभी बूथों पर स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं भाजपा के वरिष्ठ नेताओं द्वारा सुबह 7 बजे से हर बूथ पर पहुंचकर भाजपा के पितृ पुरुष पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती मनाई गई। इसी के तहत भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह सिकरवार ने बमोरी विधानसभा के फतेहगढ़ मंडल के बूथ क्रमांक 76 एवं 77 पर पहुंच भाजपा के पितृ पुरुष पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। जिलाध्यक्ष श्री सिकरवार ने उन्हे याद करते हुए कहा की राष्ट्र सर्वोपरि का भाव लेकर लोगों को संगठित एवं संस्कारित करने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जीवन विराट एवं प्रेरणादायी है। उन्होंने एकात्म मानव दर्शन एवं अंत्योदय का दर्शन देकर विश्व को नई राह दिखाई। आज उनकी जयंती के अवसर पर जिले के

समस्त कार्यकर्ताओं से आग्रह है कि प्रत्येक बूथों पर भाजपा के संगठन पर्व सदस्यता महाभियान के माध्यम से अधिकतम 100 से अधिक सदस्य बनाकर श्रद्धेय प. दीनदयाल उपाध्याय को सच्ची श्रद्धांजलि दे।

इस मौके पर फतेहगढ़ मंडल अध्यक्ष रिंकू धाकड़, बूथ क्रमांक 76 के बूथ अध्यक्ष रघुनाथ नागर, मुरारी लाल वैरागी, मोर्चा जिला महामंत्री रवि गुर्जर, आईटी संयोजक मोहित नामदेव, बलराम नागर, निरंजन सेन, विपिन तोमर, दिनेश सोनी, महिला मोर्चा उपा सकून सोनी, सोनू शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इसी के साथ ही जिलाध्यक्ष श्री सिकरवार ने कालोनी ग्राम के बूथ क्रमांक 92 के बूथ अध्यक्ष कुंजन मीणा द्वारा 1 हजार सदस्य बनाऐं जाने पर उन्हे बधाई दी और उनका माल्यार्पण कर सम्मान किया।

साथ ही जिलाध्यक्ष श्री सिकरवार ने गुना और बमोरी विधानसभा के विभिन्न मंडलों के बूथों का भ्रमण के दौरान झागर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों को भाजपा की ऑन लाइन सदस्यता दिलाई। इस अवसर पर झागर मंडल अध्यक्ष दीपक मीणा, बूथ अध्यक्ष सुदर्शन धाकड़, पुरषोत्तम मीणा, देवेंद्र किरार, जितेंद्र किरार सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं किसान भाई उपस्थित रहे।

डुंगासरा डकैती कांड में म्याना पुलिस ने पांच लाख के जेवर और बरामद किए

सत्ता सुधार ■ गुना

जिले के म्याना थाना अंतर्गत ग्राम डुंगासरा डकैती के प्रकरण में पुलिस ने करीबन 05 लाख कीमत के सोने-चांदी के जेबर बरामद करने में सफलता पाई है। उक्त मामले में आरोपियों द्वारा आपस में विवाद होने के बाद एक साथी द्वारा दूसरे साथी पर ग्वालियर के जनकगंज थाने में लूट की एफआईआर करा दी थी। वहीं प्रकरण में गिरफ्तारशुदा आरोपी पवन ओझा द्वारा पुलिस रिमांड पर डुंगासरा डकैती में लूटे गये कुछ जेबर अपने घर पर रखे होना बताया था। जिसके बाद पुलिस द्वारा आरोपी के घर से जेबर बरामद किए हैं। इसके अलावा डकैती में लूटे गये करीबन 10 लाख कीमत के जेबरात ग्वालियर के जनकगंज थाने में भी बरामद हुए थे। दरअसल 27-28 अगस्त की मध्य रात में जिले के म्याना थाना क्षेत्र के ग्राम डुंगासरा में फरियादी महेश पुत्र स्व. हरिचरण शर्मा निवासी ग्राम डुंगासरा के घर में डकैती की घटना को लेकर म्याना थाने में अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 335/24 धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस के तहत अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया था । उक्त मामले में पुलिस द्वारा विभिन्न तरीकों से घटना के अज्ञात आरोपियों की पतारसी के प्रयास किए। जिसके तहत डकैतों को मुखबिरी देने में डुंगासरा के ही अजय पुत्र बद्रीप्रसाद धाकड़ की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया गया । जिसने पूछताछ पर डकैती करने वाले आरोपियों के नामों की पुलिस को पहचान करा दी गई । आरोपियों के नाम पता चलते ही 20 सितंबर 24 को पुलिस द्वारा डकैती के मुख्य आरोपी पवन पुत्र करन सिंह ओझा निवासी ग्राम मितलौनी जिला शिवपुरी को गिरफ्तार कर लिया गया। जिसने पुलिस को बताया था कि घटना के बाद उसे अपने एक साथी द्वारा डुंगासरा से लूटे हुए माल को बेचने के लिये ग्वालियर बुलाया और उसने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर उससे डुंगासरा डकैती का सारा माल लूट लिया गया । इसके बाद उसने लूटे गये माल को अपना स्वयं का बताकर ग्वालियर के जनकगंज थाने में लूट का अपराध दर्ज करा दिया गया और लूट के उक्त अपराध में डुंगासरा डकैती का माल जनकगंज थाने में जप्त हो गया है । पुलिस द्वारा प्रकरण में आरोपी पावन ओझा को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया।

जिला स्तरीय शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल प्रतियोगिता व पोषण प्रदर्शनी प्रतियोगिता का किया आयोजन

सत्ता सुधार ■ गुना

राष्ट्रीय पोषण माह अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग एवं पीरामल फाउंडेशन द्वारा पोषण माह जिला स्तरीय शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल प्रतियोगिता एवं राघौगढ़ परियोजना स्तरीय पोषण प्रदर्शनी प्रतियोगिता आयोजित डिग्री कॉलेज राघौगढ़ में की गयी। कार्यक्रम गांधी फेलो नीरज कुमार में अपने कम्युनिटी इमर्शन के दोरान जन आंदोलन के तोर पर कराया गया। इसी क्रम में गत दिवस पीरामल फाउंडेशन एवं उनके सहयोग में हेल्पिंग हैंड राइजिंग स्टार, जन अभियान परिसर, सार्थक राठौर (होटल साई सागर गुना) से यह कार्यक्रम युवाओं को पोषण माह से जोड़ने के लिए एवं ज्ञाक्र का विभिन्न उपयोग के जागरूकता हेतु कराया गया । जिला स्तरीय शॉर्ट फिल्म फेस्टिबल प्रतियोगिता एवं राघौगढ़ परियोजना स्तरीय पोषण प्रदर्शनी प्रतियोगिता में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी दिनेश कुमार चंदेल, सीडीपीओ इंचार्ज प्रीति मोरया, सार्थक राठौर (सार्थक राठौर फाउंडेशन), डिग्री कॉलेज राघौगढ़ प्राचार्य डॉ माया, पीरामल फाउंडेशन डिस्ट्रिक्ट मैनेजर अक्षय शर्मा, प्रोग्राम लीड ऊधम सिंह लोधी ने विजय प्रतिभागियों को अवार्ड एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया । कार्यक्रम में पूरे जिले में सें कुल 65 फिल्मों जमा हुई थी जिसने 39 फ़िल्मि का सिलेक्शन होने के बाद स्क्रीनिंग किया गया एवं चयनित फिल्मों को कार्यक्रम में प्रदर्शित कर प्रतियोगिता कराई गई ।

पोषण माह जिला स्तरीय शॉर्ट फिल्में फेस्टिवल प्रतियोगिता के विजय प्रतिभागी प्रथम पुरस्कार देवांश भार्गव (गुना), द्वितीय पुरस्कार डिग्री कॉलेज राघौगढ़, तृतीय पुरस्कार बेबी राजपूत (राघौगढ़) एवं राघौगढ़ परियोजना स्तरीय पोषण प्रदर्शनी प्रतियोगिता में प्रथम चंदा शर्मा, द्वितीय प्रभा चौहान, तृतीय मुन्नी मीना को पदाधिकारी द्वारा सील्ड देकर सम्मानित किया गया।

पुरानी रंजिश पर घरों के बाहर बैठे युवकों से मारपीट

गुना। जिले के राघौगढ़ थानांतर्गत ग्राम करोदिया में घर के बाहर बैठे एक युवक के साथ पुरानी रंजिश पर दो व्यक्ति ने एकराय होकर मारपीट कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी मिलन भील ने अपनी मां रसीता बाई, मामा माखन भील के साथ थाने में शिकायत दर्ज कराई कि गत शाम वह अपने घर के बाहर बैठा था।

तभी वहा पर गांव के अनिल भील व जगदीश भील आए, दोनों ने शराब पी रखी थी और मुझे बिना कारण के गाली गलौंच करने लगे। इस दौरान दोनों ने उसकी डंडे से मारपीट कर दी। जिसमें उसके सिर में खून निकल आया। विवाद में पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपियों पर मारपीट सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है। इधर जिले के म्याना थानांतर्गत घर के बाहर बैठे युवक के साथ मोहल्ले के ही तीन लोगों ने पुरानी रंजिश पर मारपीट कर दी।

परामर्शदात्री की बैठक सहित विभिन्न मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ गुना

कर्मचारियों की स्थानीय समस्याओं को लेकर मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने जिलाध्यक्ष कृष्ण गोपाल मीना के नेतृत्व में कलेक्टर को 5 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में कहा गया कि विभागीय परामर्शदात्री समिति की बैठक शीघ्र आयोजित की जाए। आम लोकसभा निर्वाचन 2024 निर्वाचन में लगे कुछ मतदान अधिकारियों-कर्मचारियों को आज दिनांक तक मानदेय भुगतान नहीं हुआ। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खण्ड गुना में पदस्थ हैंडपंप मैकेनिक एवं हेल्पर स्थैकर्मियो को वेतन अंतर राशि 2006 से 2016 तक एरियर अंतर राशि का आज तक भुगतान नहीं हुआ एवं कुछ शिक्षा संकुलों में 4 प्रतिशत डीए एरियर राशी का भुगतान कई शिक्षकों को नहीं हुआ है। इस अवसर पर भारतीय मजदूर संघ के विभाग प्रमुख धर्मस्वरूप भार्गव, जिला मंत्री सुरेश रघुबंशी,यशवंत सिंह रघुवंशी, रविप्रकास व्यास, गिरधारी लाल सेन, आरके व्यास, आलोक नायक,किशन रजक, भगवत प्रसाद ओझा, राजेन्द्र शर्मा,नरेन्द्र माथुर, संतोष परिहार, मोहन उरैया, नितेश जाटव, प्रशांत श्रीवास्तव,अनीता मिश्रा, विजय बहादुर धाकड़, सुरेन्द्र चौधरी, राजकुमार सेलर, जितेन्द्र पुंगाल, भास्कर रघुवंशी, नरेन्द्र भारद्वाज, राजमणि दुवे, जयप्रकाश शर्मा, हुकुम चंद साहू आदि मौजूद रहे।

एसडीएम कोर्ट का कराया रूम परिवर्तन एवं पार्किंग व्यवस्था को व्यवस्थित करने के दिये निर्देश

कलेक्टर ने किया एसडीएम कार्यालय गुना का औचक निरीक्षण

सत्ता सुधार ■ गुना

कलेक्टर डॉ. सतेन्द्र सिंह द्वारा अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय गुना का निरीक्षण किया गया । इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी श्रीमति शिवानी पाण्डे, तहसीलदार गुना नगरीय जीएस बैरवा, तहसीलदार ग्रामीण श्री कमल मण्डेलिया, नायब तहसीलदार आरती गौतम, एमएल पंथी, मंयक खेमरिया उपस्थित रहे ।

निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय में एसडीएम कोर्ट के रूम को बड़े हॉल में शिफ्ट कराया गया और रिकार्ड रूम को व्यवस्थित करने के निर्देश दिये इसके पश्चात राजस्व अधिकारियों की बैठक ली जिसमें आरसीएमएस, पीएम जनमन, राजस्व कार्यो की समीक्षा की गयी एवं 02 अक्टूबर से प्रारंभ होने वाले प्रधानमंत्री उन्नत ग्राम अभियान की तैयारी के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

कलेक्टर द्वारा पंजीयन कार्यालय के सामने अव्यवस्थित पार्किंग में खड़े वाहनों को व्यवस्थित रूप से एसडीएम कार्यालय परिसर में खड़े करने के निर्देश दिये गये। साथ ही एसडीएम परिसर की साफ-सफाई एवं परिसर में झुके हुये पेड़ को हटाने के निर्देश दिये गये इसी दौरान आबकारी विभाग के सामने की दीवार को हटाकर परिसर में व्यवस्थित पार्किंग करने के निर्देश दिये गये ।

फुलवारी कॉलोनी में सजेगा मैया का दरबार, बैठक संपन्न

गुना। शहर की फुलवारी कॉलोनी के श्री राम जानकी मंदिर पर आगामी शारदेय नवरात्रि के दौरान माता की स्थापना और झांकी आयोजन को लेकर आयोजन समिति की बैठक आयोजित हुई। मोहल्ला सुधार समिति फुलवारी कॉलोनी के अध्यक्ष अनिरुद्ध सिंह सेंगर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में कॉलोनी में शारदेय नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर झांकी लगाने का निर्णय लिया। बैठक में झांकी के आयोजन पर चर्चा करते हुए अनुमानित व्यय 60 हजार रुपये आंका गया। जिसके एकत्रीकरण के लिए प्रति परिवार 11 रुपये की धनराशि भी तय की गई। जिसके

एकत्रीकरण की जिम्मेदारी नवल किशोर मीना को सौंपी गई। बैठक में सत्यप्रकाश माथुर, अजब सिंह राजपूत, कृष्णा धाकड़, रितेश शर्मा, चंद्रकांत गौर, ऋषि ओझा, जगदीश धाकड़, अनमोल रघुवंशी, नितिन मीना आदि उपस्थित रहे।

सुंदर, चमकीली और स्वस्थ त्वचा हर किसी का मन मोह लेती है। हर औरत की यही तमन्ना होती है कि वह हमेशा जवान और खूबसूरत बनी रहे, लेकिन उम्र बढ़ने के साथ ही त्वचा पर असर दिखाई देने लगता है। उम्र के इस परिवर्तन को रोका तो नहीं जा सकता, लेकिन कुछ हद तक इस प्रक्रिया को आगे बढ़ा सकते हैं।

बढ़ती उम्र घटता सौंदर्य

चेहरे से किसी भी व्यक्ति की उम्र का अंदाजा लगाया जा सकता है। युवावस्था में चेहरे की त्वचा खिंची हुई रहती है। कहीं कोई झुर्री या त्वचा का ढलकाव नहीं होता है। फिर धीरे-धीरे त्वचा पर आयु का प्रकोप होता है और यौवन की त्वचा वृद्धावस्था की त्वचा में परिवर्तित हो जाती है। आइए आपको कुछ गुर बताते हैं, ताकि आप अपने यौवन को कायम रख सकें।

- अपने शरीर के वजन पर ध्यान दें। वजन अधिक होने पर वृद्धावस्था के लक्षण जल्दी आने लगते हैं।
- भोजन में वसा की मात्रा कम रखें। शरीर में जमी आवश्यक चरबी वृद्धावस्था को आमंत्रित करती है।
- जल, विटामिन तथा खनिज पदार्थ प्रचुर मात्रा में लें।
- आवश्यकतानुसार व्यायाम करें।
- अत्यधिक धूप से त्वचा को बचाएं। अगर धूप में जाना ही पड़े तो छाते का प्रयोग करें।
- यदि चेहरे पर वृद्धावस्था के लक्षण उभर रहे हों तो फेस मास्क, कीमोएबरेजन, फेस लिफ्ट आदि का भी प्रयोग कर सकती हैं।

फेस मास्क

फेस मास्क चेहरे की झुर्रियों को मिटाने का बिलकुल सादा तरीका है। इसके लिए कई प्रकार के फेस मास्क प्रयोग में लाए जाते हैं। सामान्यत : प्रयोग होने वाले मास्क में मुलतानी मिट्टी का इस्तेमाल किया जाता है।

कीमोएबरेजन

इस थेरेपी में व्यक्ति का चेहरा स्पिरिट से साफ करके उस पर फिनेल तथा अन्य रासायनिक पदार्थ त्वचा के नीचे पहुंच कर झुर्रियों को कम करने में सहायक होते हैं। रासायनिक पदार्थों के कारण त्वचा की संरचना में मूलभूत परिवर्तन होता है, जो कि सादे मास्क में नहीं हो सकता। यही कारण है कि कीमोएबरेजन का प्रभाव एक-दो वर्ष तक रहता है।

फेस लिफ्ट

फेस लिफ्ट कास्मेटिक सर्जरी का आपरेशन है। इसके द्वारा कॉस्मेटिक सर्जरी करके ढीली त्वचा को खींच दिया जाता है। त्वचा को खींचने पर झुर्रियां अपने आप खत्म हो जाती हैं तथा त्वचा में युवावस्था जैसा खिंचाव पैदा हो जाता है। व्यक्ति कितना भी वृद्ध क्यों न हो, फेस लिफ्ट करके उसकी त्वचा में युवावस्था की त्वचा जैसा निखार पैदा किया जा सकता है। एक बार फेस लिफ्ट कराने का असर लगभग दस वर्षों तक रहता है। तत्पश्चात दोबारा फेस लिफ्ट कराने की आवश्यकता पड़ती है। फेस लिफ्ट के आपरेशन के साथ वृद्धावस्था के अन्य लक्षण मिटाने के भी आपरेशन किए जाते हैं जैसे-

- लटकी भौहों को ऊपर उठा दिया जाता है, जैसे कि युवावस्था में होता है।
- लटकी पलकों को तथा पलकों के नीचे होने वाली सूजन को हटा दिया जाता है।

कहते हैं पति-पत्नी का रिश्ता, तब और मजबूत होता है, जब उन दोनों में कोई बात छिपी न रहे। लेकिन चौकाने वाली बात तो यह है कि महिलाएं अक्सर कुछ बातें पुरुषों से छिपा लेती हैं।

महिलाएं छिपा लेती हैं कई बातें

बहुत से ऐसे पुरुष हैं, जो कि वास्तव में यह जानना चाहते हैं कि वो ऐसा क्या करें कि वो अपनी प्रेमिका का दिल जीत सकें। महिलाओं के लिए यह गर्व का विषय होता है। जबकि दूसरी ओर बहुत सी महिलाएं चाहती हैं कि बिना बताए ही पुरुष उनकी बातों को समझ जाएं।

बातूनी महिलाओं : पुरुष बातें करना कम पसंद करते हैं और वो इस बात से भी इनकार नहीं कर सकते कि महिलाएं उन्हें कहीं ज्यादा समझती हैं। महिलाएं अकसर बातें करना पसंद करती हैं, वो बहुत सी बातें एक दूसरे से बांटती हैं और उनके लिए एक दूसरे से जुड़ने का यह एक अच्छा माध्यम होता है।

मां से तुलना पसंद नहीं : इस बात को गलत ना समझें, लेकिन यह सच है सभी महिलाएं अपनी मां से बहुत प्यार करती हैं, लेकिन वो यह सुनना पसंद नहीं करतीं कि वो अपनी मां जैसा खाना बनाती हैं या ऐसी तारीफ। मां पूरी दुनिया में सबसे अच्छी होती है। वो अच्छा खाना बनाना जानती है और बच्चों को खुश रखना भी जानती है। लेकिन फिर भी महिलाएं अपनी मां जैसा बनना नहीं चाहतीं। तो उन्हें यह बात सबसे बुरी लग सकती है कि वो अपनी मां के जैसी हैं।

शिकायत से परहेज : महिलाएं यह जानती हैं कि चीजों को कैसे व्यवस्थित करना है। स्क्रू ड्राइवर से ड्रिल तक उन्हें पता होता है कि आपके टूल बाक्स में मौजूद चीजों का इस्तेमाल कैसे करना है। बहुत सी अकेले रहने वाली महिलाओं को पता होता है कि उन्हें चीजों को कैसे व्यवस्थित करना है। आप इस बात के लिए उनसे शिकायत नहीं कर सकते, क्योंकि इसके बहुत से कारण हो सकते हैं। आप ऐसा नहीं कह सकते कि आप यह काम नहीं कर सकते, क्योंकि उनके पास किसी भी काम को आपसे कराने के बहुत से बहाने होते हैं।

बढ़ा-चढ़ाकर कहने की आदत : अवश्य ही वो मूर्ख थे और इसी कारण आपने उन्हें छोड़ दिया, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वो आपसे कम प्यार करती हैं। आप शायद हजारों या लाखों में से एक होंगे और इसी कारण आप सबसे अच्छे हैं। हमें बात को थोड़ा बढ़ा-चढ़ा कर कहने की आदत होती है।

प्रतिबद्धता से डर : सिर्फ इसलिए कि एक लड़की 5 साल की उम्र से ही शादी के सपने देखती है इसका अर्थ यह बिलकुल नहीं है कि उसके जीवन में जो भी पहला लड़का आयेगा, वो उसे स्वीकार कर लेगी। हम भी अपनी आजादी चाहते हैं। कड़ी प्रतिबद्धता से सभी को डर लगता है और प्रतिबद्धता को लेकर हम बहुत ही सावधान रहते हैं।

शरारती बच्चे को ऐसे समझाएं

बच्चे नासमझ व अंजान होते हैं। समय के साथ-साथ उनकी समझ बढ़ती है। बच्चों का नटखट होना भी स्वाभाविक है और कई बार बच्चे ऐसी नासमझी व शरारत करते है, जिससे बच्चों के साथ-साथ बड़ों के लिए भी परेशानी का कारण बनते है।

अगर घर में छोटा बच्चा हो तो ऐसे में बड़ों को कुछ सावधानियां बरतनी चाहिए, जिससे बच्चा सुरक्षित रह सके-

- कोई भी धारदार वस्तु जैसे ब्लेड, कैंची, रेजर, चाकू आदि बच्चों की पहुंच से दूर रखें।
- वलनशील पदार्थ पेट्रोल, डीजल, केरोसीन, तेजाब आदि स्टोर रूम में ही रखें।
- माचिस, लाइटर आदि सुरक्षित स्थान पर ही रखें।
- दवाइयां, शराब, दर्द निवारक गोलियां, बाम, सेंट मि आदि बंद अलमारी में ही रखें।
- शू पोलिश, ब्रश, टूथपेस्ट, शेविंग मि, अफटर शेव लोशन, आदि इस्तेमाल के उपरान्त अलमारी में ही रखें।
- बाथरूम का दरवाजा कभी भी खुला न छोड़ें। इससे बच्चा अपने कपड़े गीले कर सकता है। भूल से भी आधी भरी पानी की बाल्टी या टब बाथरूम में न छोड़ें।
- सुई, बटन, आलपिन, हेयरपिन, सिलाई आदि की वस्तुएं ढक्कनदार डिब्बे में ही रखें।
- साइकिल, मोटरसाइकिल, स्कूटर आदि वाहन साइड स्टैन्ड लगाकर खड़ा न करें, इससे दुर्घटना हो सकती है।
- बिजली के बटन, प्लग आदि अगर नीचे लगे हो तो उन्हें टेप से ढंक दें।
- बच्चे के गले में क्भी भी धागा, ताबीज आदि कस कर न बांधें। अगर धागा बांधना ही हो तो ढीला बांधे।
- टीवी, फ्रिज-कूलर, प्रेस, गैस, चूल्हे, स्टोव आदि से बच्चों को दूर ही रखें।
- गैस सिलेण्डर से हमेशा बच्चों को दूर रखें। कभी छेड़छाड़ करने या खेलने न दें।
- कमरे में कहीं पर भी कम ऊंचाई पर कील लगी हो तो उसे तुरन्त निकाल दें।
- साबुन, शैम्पू आदि कभी खुला न छोड़ें।

डेटिंग का चक्कर

पहली मुलाकात और फिर डेट्स की शुरुआत से एक अच्छे रिश्ते की जड़ मिलती है। डेट्स तो आमतौर पर प्रेमी जोड़े के लिए प्रयोग किया जाता है, लेकिन सच तो यह है कि यह हर रिश्ते के लिए जरूरी होता है। चाहे वह पति-पत्नी का रिश्ता हो, माता-पिता के साथ या फिर भाई-बहन के साथ। लेकिन सबके अपने मायने अलग होते हैं।

कभी सोचा कि डेटिंग जरूरी क्यों होती है। वह इसलिए कि इससे आपको वचनबद्धता के सम्बन्ध में बंधने से पहले अपने भावी साथी को बेहतर जानने में मदद मिलती है। ज्यादा डेट्स व्यक्ति के संयम की परीक्षा ले सकती है और तब आपके सामने आता है आपके साथी का असली रूप, जिसे देखकर आपको यह तय करने में मदद मिलती है कि इसके साथ लम्बे समय का सम्बन्ध बनाया जाए या नहीं?

- लोग अपनी पहली डेट में सबसे अच्छा व्यवहार करते हैं और बाद की डेट्स यह जानने के लिए महत्वपूर्ण होती हैं कि व्यक्ति की असलियत कैसी है?
- डेटिंग आपको अपने साथी को बेहतर समझने में और यह जानने में मदद कर सकती है कि क्या वह आपके लिए बिलकुल उपयुक्त है या नहीं ?
- बिना पहले से जाने-समझे सीधे किसी से लम्बी अवधि का सम्बन्ध कायम कर लेना मूर्खतापूर्ण कदम है, क्योंकि इससे बाद में दिल भी टूटते हैं और जब असलियत सामने आती है, तब दूसरी परेशानियां भी खड़ी होती हैं ।
- डेटिंग मजबूत सम्बन्ध बनाने में मदद करती है।

डेटिंग की मदद से आप अपने साथी को समझ सकते हैं।

द फैमिली मैन 3 में हुई जयदीप अहलावत की एंट्री?

राज और डीके द्वारा निर्मित द फैमिली मैन सबसे मनोरंजक जासूसी-एक्शन थ्रिलर में से एक है। इस सीरीज को पहले सीजन से ही पसंद किया जा रहा है। मनोज बाजपेयी की इस सीरीज में प्रियामणि, शारिब हाशमी और अन्य कलाकार भी हैं। निर्माताओं ने नागालैंड में इसके तीसरे सीजन की शूटिंग शुरू कर दी है।

एक रिपोर्ट के अनुसार जयदीप अहलावत द फैमिली मैन 3 सीरीज में एंट्री कर चुके हैं । एक सूत्र ने पोर्टल को मनोज बाजपेयी की सीरीज की स्टार कास्ट में जयदीप के शामिल होने की पुष्टि की है। पाताल लोक अभिनेता राज एंड डीके टीम के साथ चल रहे शूट शेड्यूल के लिए नागालैंड में हैं। हालांकि, द फैमिली मैन सीजन 3 में उनकी भूमिका के बारे में कोई जानकारी नहीं है। निर्माताओं ने उनके किरदार को गुप्त रखा है। सूत्र ने कहा कि दर्शक उम्मीद कर सकते हैं कि तीसरे सीजन में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी और उनका किरदार उन्हें शो देखने के लिए उत्साहित करेगा। इस बीच, द फैमिली मैन में जेके तलपड़े की भूमिका निभाने वाले शारिब हाशमी ने अपने प्रशंसकों को सूचित करने के लिए एक्स का सहारा लिया कि उन्होंने आगामी सीजन की शूटिंग शुरू कर दी है। सीजन 3 के लिए एक प्रशंसक के ट्वीट पर प्रतिक्रिया देते हुए, शारिब ने ट्वीट किया, मैं भी!!! अभी शूटिंग चल रही है। इससे पहले, एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि राज और डीके द फैमिली मैन सीजन 4 को साइन करेंगे। एक सूत्र के हवाले से कहा गया था कि तीसरे सीजन की शूटिंग चल रही है, वहीं चौथे सीजन के साथ सीरीज को साइन करने के बारे में चर्चा हुई है। राज-डीके फिलहाल इस पर विचार कर रहे हैं, और अभी तक अंतिम निर्णय नहीं लिया है।

स्टॉर्मराइडर से जैकलीन ने संगीत की दुनिया में रखा पहला कदम

जैकलीन फर्नांडीज बॉलीवुड की प्रसिद्ध अभिनेत्री हैं। जैकलीन अभिनय से ज्यादा अपने डांस मूव्स के लिए प्रसिद्ध हैं। जैकलीन ने अपने पहले एकल स्टॉर्मराइडर के साथ संगीत की दुनिया में कदम रखा है, जिसमें उन्होंने गाने के माध्यम से अपने निजी जीवन के सफर को प्रदर्शित किया है। जैकलीन फर्नांडीज ने अपने बहुप्रतीक्षित डेब्यू सिंगल, स्टॉर्मराइडर की रिलीज के साथ एक बार फिर सुर्खियां बटोरी हैं। चिट्टियां कलाइयां, जुम्मे की रात और गेंदा फूल जैसे बॉलीवुड हिट गानों के लिए मशहूर जैकलीन ने दर्शकों का दिल हमेशा ही जीता है। उनके म्यूजिक वीडियो प्रशंसकों को बेहद पसंद आ रहा है और अब यह सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। जैकलीन ने इस गाने के जरिए सिंगर के रूप में संगीत की दुनिया में कदम रखा है। सितंबर का महीना जैकलीन के लिए यादगार साबित हुआ है, क्योंकि हाल ही में उन्होंने अपनी आने वाली हॉलीवुड फिल्म किल एम ऑल के ट्रेलर की रिलीज के साथ सुर्खियां बटोरीं। अब, अपनी अंतर्राष्ट्रीय सफलताओं में इजाफा करते हुए, उन्होंने स्टॉर्मराइडर के जरिए एक गायिका के रूप में अपनी शुरुआत की। जैकलीन का यह गाना अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। अमृता सेन, जेक जियोंग (फिसन), सरबन कैजन, फीनोम और एलेक्स विंटर द्वारा निर्मित, स्टॉर्मराइडर को बेवर्ली हिल्स के मिस्ट म्यूजिक स्टूडियो में रिकॉर्ड किया गया था। अमृता सेन और रॉबिन ग्रुबर्ट द्वारा लिखित यह ट्रैक सशक्तिकरण, स्वतंत्रता और लचीलेपन के विषयों के माध्यम से सभी का पसंदीदा बनता जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान जैकलीन ने अपने संगीत अपने सफर के बारे में बताते हुए जैकलीन ने कहा, जब मैंने संगीत में कदम रखा, तो यह सिर्फ गाने बनाने के बारे में नहीं था यह मेरी कहानी, भावनाओं और सफर को व्यक्त करने के बारे में है। संगीत सिर्फ आवाज से कहीं बढ़कर है। यह जुड़ाव, लचीलापन और सशक्तिकरण के बारे में है। मैंने इस गाने पर लगभग एक साल बिताया है, वीडियो में अपने हर लुक को तैयार किया है और उसे देखा है और हर लुक दमदार है, जिसके पीछे गहरा अर्थ छिपा है।

रेस 4 में साथ काम करेंगे सैफ अली खान और सिद्धार्थ मल्होत्रा!

लोकप्रिय रेस फ्रेंचाइजी की आगामी चौथी किस्त का प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में फिल्म के लेखक शिराज अहमद ने रेस 4 के बारे में कुछ दिलचस्प बातें बताईं। उन्होंने बताया कि फिल्म में पहली दो फिल्मों की कहानी को जारी रखा जाएगा और इसकी शूटिंग जनवरी 2025 में शुरू होगी। इस फिल्म का निर्माण रमेश तौरानी द्वारा किया जाएगा।

सिद्धार्थ भी निभाएंगी अहम भूमिका

शिराज अहमद ने ही पहली तीन रेस फिल्में भी लिखी थीं। अब उन्होंने पुष्टि की कि रेस 4 की पटकथा लगभग पूरी हो चुकी है और अधिकांश कलाकारों का चयन भी हो चुका है। सैफ अली खान पहली दो फिल्मों में मुख्य भूमिका में थे, वे अब इस फ्रेंचाइजी में भी वापसी करेंगे। खबर है कि सिद्धार्थ मल्होत्रा को भी एक महत्वपूर्ण भूमिका में लिया गया है। उन्होंने यह भी बताया है कि जनवरी 2025 में शूटिंग शुरू होगी। बाकी कलाकारों की घोषणा निर्माताओं और टिप्स फिल्म्स द्वारा उचित समय पर की जाएगी।

रेस 4 के निर्देशक का चुनाव बाकी

इस फ्रेंचाइजी की पहली दो फिल्मों का निर्देशन अब्बास-मस्तान ने किया था, जबकि तीसरी का निर्देशन रेमो डिसूजा ने किया था। इससे पहले ऐसी खबरें थीं कि निखिल आडवाणी को फिल्म का निर्देशन करने के लिए चुना गया है। हालांकि रेस 4 के लिए निर्देशक अभी तक तय नहीं हुआ है। पहली फिल्म में सैफ अली खान और अक्षय खन्ना प्रतिद्वंद्वी भाइयों की भूमिका में थे। फिल्म में बिपाशा बसु और कैटरीना कैफ भी थीं। दूसरी फिल्म में भी सैफ अली खान ने मुख्य भूमिका निभाई थी, लेकिन इसमें जॉन अब्राहम ने खलनायक का किरदार निभाया था।

करीना कपूर ने की शाहिद कपूर की तारीफ

करीना कपूर ने फिल्म इंडस्ट्री में 25 साल पूरे कर लिए हैं। इसका जश्न मनाने के लिए उनके नाम पर एक फिल्म फेस्टिवल की शुरूआत की गई है। 20 सितंबर से शुरू हुआ ये समारोह 27 सितंबर तक चलेगा, जिसमें करीना की कई फिल्मों को दिखाया जाएगा। इसी बीच, करीना कपूर ने एक हालिया साक्षात्कार में अपनी चर्चित फिल्म जब वी मेट को लेकर बातचीत की। बेबो की फिल्म जब वी मेट को रिलीज हुए 17 साल बीत चुके हैं। सोशल मीडिया पर इस फिल्म की अक्सर चर्चा होती रहती है। इसमें बेबो ने गीत का किरदार अदा किया था, जिसे लोग बहुत पंसद करते हैं। ब्रूट को दिए साक्षात्कार में करीना कपूर से इसी फिल्म को लेकर पूछा गया कि उन्हें इस फिल्म और गीत के किरदार में सबसे ज्यादा क्या पसंद है। अपने जवाब में करीना कपूर ने पलक झपकने से पहले कहा कि सब कुछ। करीना ने आगे कहा कि गीत एक महत्वाकांक्षी इंसान थीं और हर कोई उसकी तरह जीना और बनना चाहता था। मालूम हो कि करीना का किरदार एक पंजाबी लड़की का होता है, जो एक दिन ट्रेन में आदित्य नाम के बिजनेसमैन से मिलती हैं, जिसके बाद उसकी जिंदगी बदल जाती है। जब वी मेट में शाहिद कपूर ने आदित्य का रोल किया था। करीना कपूर ने इस बातचीत में शाहिद की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि मैं उन्हें धन्यवाद देती हूं कि उन्होंने फिल्म में बढ़िया काम किया। उन्होंने आगे कहा कि वाकई में शाहिद के बिना फिल्म पूरी नहीं हो पाती। करीना ने यह भी कहा कि जब हाल ही में, उन्होंने जब वी मेट देखी तो लगा कि ये बड़ी खास फिल्म है। फिल्म 2007 में रिलीज हुई थी और हिट साबित हुई थी। इसके गानों को भी लोगों ने खूब पसंद किया था।

हनीमून फोटोग्राफर किरदार ने वास्तव में मुझे अपने पैरों पर खड़ा किया

आशा नेगी अभिनीत मर्डर मिस्ट्री सीरीज हनीमून फोटोग्राफर के निर्माताओं ने गुरुवार को इसका ट्रेलर जारी किया। ट्रेलर एक हनीमून गेटअवे के बारे में है, जो उस समय अराजकता में बदल जाता है जब दूल्हा समुद्र तट पर मृत पाया जाता है। छह-एपिसोड की श्रृंखला में आशा को अंबिका नाथ की भूमिका निभाते हुए दिखाया गया है, जो अधीर ईरानी (साहिल सलाथिया) और जोया ईरानी (अपेक्षा पोरवाल) के लिए एक हनीमून फोटोग्राफर हैं। यह यात्रा जल्दी ही एक बुरे सपने में बदल जाती है, जब अधीर समुद्र तट पर मृत पाया जाता है। अंबिका को पिछली रात की कोई याद नहीं है और अपने साथी रिहान (राजीव सिद्धार्थ) के लापता होने के कारण वह खुद को इस हत्या में मुख्य संदिग्ध पाती है। अंबिका का एकमात्र सहयोगी एल्विन (जेसन थाम) है, जो उसका दोस्त है और उसे निर्दोष साबित करने पर तुला हुआ है। अपने खुद के एजेंडे से प्रेरित होकर, पुलिसकर्मी दिव्या सावंत (संवेदना सुवालका) जांच का नेतृत्व करती है। आशा ने कहा, अपने करियर में मैंने कई भूमिकाएं निभाई हैं, लेकिन उनमें से ज्यादातर रोमांटिक और पारिवारिक रही हैं। मैंने हनीमून फ़ोटोग्राफर को एक ताजी हवा के झोंके के रूप में देखा, क्योंकि शो का आधार शीर्षक से आप जो अनुमान लगाते हैं, उससे बहुत अलग है। अंबिका एक बहुत ही बहुस्तरीय चरित्र है और जैसे-जैसे आप आगे बढ़ते हैं, आप वास्तव में उसे विकसित होते हुए देखते हैं। इस किरदार ने मुझे वाकई चौंका दिया। शो का अपना रोमांच है, जिसमें बिल्ली और चूहे का पीछा करना और हर किरदार अपने-अपने कारणों से विजयी होने की कोशिश करना शामिल है।

'मानवत मर्डर्स' में रमाकांत एस कुलकर्णी की भूमिका निभाएंगे आशुतोष

सोनी लिव एक मनोरंजक क्राइम थ्रिलर सीरीज 'मानवत मर्डर्स' लेकर आ रही है। यह सीरीज 70 के दशक में देश को झकझोर देने वाली सबसे भयानक घटनाओं को दिखाएगी। आशीष बेंडे द्वारा निर्देशित इस शो में आशुतोष गोवारिकर मुख्य भूमिका में नजर आएंगे, जो प्रतिष्ठित सीआईडी जासूस रमाकांत एस कुलकर्णी की भूमिका अदा करेंगे, जिन्हें भारत के शेरलॉक होम्स के रूप में भी जाना जाता है।

दिल दहला देने वाली हत्याओं की गुत्थी सुलझाते दिखेंगे आशुतोष

इस सीरीज में गोवारिकर एक अनूठी भूमिका निभाते नजर आएंगे, जो शांत और संयमित होने के साथ-साथ अत्यधिक समझदार भी हैं। उनका किरदार इतिहास के कुछ सबसे जटिल मामलों को सुलझाते हुए नजर आएगा। यह सीरीज 1970 के दशक के दौरान ग्रामीण महाराष्ट्र में दिल दहला देने वाली विचित्र हत्याओं की एक सीरीज को सुलझाने के उनके प्रयासों को उजागर करेगी। आशुतोष गोवारिकर कहते हैं, 'मैं बेहद सौभाग्यशाली महसूस कर रहा हूं कि मुझे बॉम्बे सीआईडी के पुलिस अधिकारी रमाकांत एस. कुलकर्णी का किरदार निभाने के लिए चुना गया, जो आज दर्शकों के सामने पेश किए जाने के बिल्कुल हकदार हैं। उन्होंने कई ऐसे मामलों को सुलझाया जो अनसुलझे रह जाते, जिनमें कुख्यात मानवत हत्याएं भी शामिल हैं।'

एस कुलकर्णी के तौर तरीकों से होगा केस हल

गोवारिकर आगे कहते हैं कि उन्हें भारत के शेरलॉक होम्स के रूप में जाना जाता था। उनकी आत्मकथा, 'फुटप्रिंट्स ऑन द सैंड्स ऑफ क्राइम' ने उनके काम करने की प्रक्रिया, बारीकियां, संदिग्धों से निपटने और उनसे कबूल करवाने के तरीके और बहुत कुछ चौंकाने वाली जानकारी दी।

को-एक्टर्स के साथ काम करके खुश हैं गोवारिकर

आशुतोष गोवारिकर ने अपने को-एक्टर्स के बारे में कहते हैं, 'इस शो का एक और रोमांचक पहलू कई वर्षों के बाद मकरंद अनासपुरे और मेरी दो पसंदीदा अभिनेत्रियों सोनाली कुलकर्णी और साई ताम्हणकर के साथ काम करना था। उनके साथ काम करना अभिनय में क्रैश कोर्स की तरह था। मैं निर्देशक आशीष के साथ जुड़ने के लिए भी उत्साहित था।'

लव एंड के बाद इस फिल्म पर काम शुरू करेंगी आलिया

आलिया भट्ट की अगली फिल्म जिगरा जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। आलिया इन दिनों वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की फिल्म अल्फा की शूटिंग कर रही हैं। इसके बाद वह संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर की शूटिंग शुरू करेंगी। लव एंड वॉर में उनके पति रणबीर कपूर और विक्की कौशल भी मुख्य भूमिका में हैं। इसी बीच खबर आई है कि आलिया ने लव एंड वॉर के बाद अपनी अगली स्क्रिप्ट चुन ली है जानकारी के अनुसार लव एंड वॉर के बाद आलिया एक लव स्टोरी में नजर आएंगी।

ब्रीफ न्यूज

किसानों के समर्थन में हरदा रहा बंद

हरदा। व्यापारियों ने बंद रखी दुकानें, मंडी में फसल बेचने आए किसान को वापस लौटना पडा। रामजीवन वाष्ट ने बताया कि सोयाबीन का भाव 6 हजार करने की मांग बीते एक महीने से जिले के किसान सोयाबीन फसल के दाम छह हजार रुपये प्रति क्विंटल करने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। इसी कड़ी में बुधवार को किसानों के समर्थन में पूरा हरदा जिला बंद है।

एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत छात्र-छात्राओं ने किया पौधारोपण

खरगोन। नगर पालिका परिषद खरगोन द्वारा मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री एम आर निंगवाल के निर्देशानुसार एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्री अमित डामोर के मार्गदर्शन में स्वच्छता की सेवा 2024 स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता अभियान अंतर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं निपटान इकाई पर महर्षि विद्या मंदिर के छात्र-छात्राओं द्वारा भ्रमण किया गया। एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं निपटान की जानकारी दी गई। एवं एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत पौधारोपण किया गया।अभियान में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन इकाई प्रभारी श्री अरविंद वानखेडे , प्राचार्य श्रीमति रेणु राय, आईईसी टीम सदस्य उपस्थित रहे।

राज्यश्री सोनी राज्य स्तरीय योगिनी अवार्ड से सम्मानित

खरगोन। जिले की प्रथम योगिनी राज्यश्री सोनी को राज्य स्तरीय योगिनी अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह अवार्ड उन्हें भोपाल स्थित मित्तल ग्रुप ऑफ इंस्ट्रियूट परिसर में आयोजित एडुजीलाईफ राज्य स्तरीय योगिनी सम्मेलन एवं सम्मान समारोह के दौरान बतौर मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर स्वामी नरसिंहदास महाराज मांडवगढ़, इंडस्ट्रीज प्रमुख सुरेंद्र मित्तल ने दिया। समारोह की आयोजक एवं एडुजीलाईफ संस्थापक डॉ. आरएच लता ने बताया कि अब हम योगिनी बहनों को कहीं न कहीं किसी और रोजगार से जोड़ेंगे, इसके लिए एक भारतीय योगिनी महासंघ का गठन किया जाएगा। कार्यक्रम में 31 जिलों की योगिनियों के साथ मीडियाकर्मियों को भी अवार्ड दिए गए।

कलश यात्रा के साथ शुरू हुई सात दिवसीय भागवत कथा

सीहोर। श्राद्ध पक्ष के अवसर पर मंडी स्थित श्री राम मंदिर के पास सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा ज्ञान गंगा यज्ञ की शुरुआत कलश यात्रा के साथ शुरू हो गई। कलश यात्रा के पूर्व हिमाद्रि संकल्प, 10 विधि स्नान पूजन, दशविध स्नान, प्रायश्चित संकल्प, नंदी श्राद्ध का कार्यक्रम समापन हुआ। आयोजन कर्ता पूरण शर्मा ने बताया कि पूज्य गुरूदेव श्री श्री 108 महंत बालक दास लोहा लंगडी खंडवा की प्रेरणा से श्री राम मंदिर के पुजारी कथावाचक बाबू दास वैष्णव कथा का वाचन करेंगे। बुधवार को मंडी क्षेत्र के प्रमुख मार्गो से कलश यात्रा निकाली गई।

क्षेत्रवासियों को नपाध्यक्ष राठौर ने दी 10 लाख की सौगात

सत्ता सुधार ■ सीहोर

शहर के वार्ड क्रमांक 32 में खस्ताहाल सड़कों का निर्माण कार्य किया जा रहा है। गत दिनों बारिश के कारण शहर की अनेक सड़कें जर्जर हो गई थी। इसको लेकर क्षेत्रवासियों ने पार्षद के माध्यम से नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर को अवगत किया था, इसके उपरांत वार्ड के अंतर्गत आने वाले झुनिया बड़ी माता मंदिर से लेकर एचटीपी तक करीब 10 लाख से बनाए जाने वाले मार्ग का भूमि पूजन करते हुए नपाध्यक्ष श्री राठौर ने कहा कि क्षेत्र की जनता की बुनियादी समस्याओं को हम सबको मिलकर पूरा करना है।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि शहर में प्रशासन के द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान को लेकर जागरूक रहना चाहिए। स्वस्थ रहने के लिए स्वच्छता सबसे जरूरी है। स्वच्छता अपनाने से अपना घर ही नहीं बल्कि समाज के साथ साथ देश भी स्वच्छ और साफ सुथरा बन सकता है। स्वस्थ जीवन जीने के लिए स्वच्छता का विशेष महत्व है। स्वच्छता अपनाने से व्यक्ति रोग मुक्त रहता है और एक स्वस्थ राष्ट्र के निमाज़ण में अपना महत्वपूर्ण योगदान देता है। हर व्यक्ति को जीवन में स्वच्छता अपनाना चाहिए साथ ही स्वच्छता अपनाने के लिए दूसरों को भी प्रेरित करना चाहिए। भूमि पूजन के दौरान नगर पालिका के अधिकारियों में विजय कोली, वैभव लोवनिया के अलावा स्थानीय पार्षद आजम बेग, सुदीप व्यास, अर्जुन राठौर, प्रदीप गौतम आदि के अलावा बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी शामिल थे।

भाजपा नगर मंडल ने पं. दीनदयाल उपाध्याय जी को किया याद

सत्ता सुधार ■ सीहोर

शहर के लीसा टाकीज स्थित सीहोर विधानसभा कार्यालय में भाजपा नगर मंडल के तत्वाधान में आस्था के साथ भाजपा कार्यकताओं और वरिष्ठ नेताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर याद किया और इसके अलावा मंडल के तत्वाधान में सुबह नौ बजे से शाम छह बजे तक 92 बूथों पर श्रद्धांजली अपिज़त की गई। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष सुदीप प्रजापति ने कहा कि वंचितों के उत्थान के प्रति पंडित श्री उपाध्याय समर्पित रहे। इसके अलावा सभी बूथों पर महा सदस्यता अभियान में भाजपा की विचार से युवाओं को जोड़ा गया।

बुधवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता सीताराम यादव सहित अन्य ने विधायक कार्यालय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें एकात्मक मानववाद के प्रेरणा पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्म जयंती प्रताप मंडल की ओर से मनाई गई। इस मौके कार्यकताओं पंडित दीनदयाल उपाध्याय की तस्वीर पर पुष्प हार चढ़ाए और श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस मौके सभी कार्यकताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की तस्वीर पर पुष्प चढ़ाएं और उनके बताए मार्ग पर चलने की सीख ली। पंडित उपाध्याय के जीवन चरित्र पर विचार विमर्श करते हुए कहा कि पंडित उपाध्याय का जीवन समाज में गरीबों और वंचितों के उत्थान के प्रति समर्पित रहा। उन्होंने अंत्योदय सिद्धांत पर चलकर लोगों की सेवा करने का काम किया। इस मौके पर भाजपा महामंत्री राजकुमार गुप्ता, मान सिंह पवार, मांगीलाल मंझेडा, कमलेश राठौर, धर्मेन्द्र राठौर, मोहन चौरसिया, अशोक सिसौदिया, कन्हैया लाल मालवीय, संतोष कुशवाहा, विपिन सास्ता, राजू सिकवार, गोपाल सोनी, राजेश परिहार, हरीश राठौर, अनुप चौधरी, सुरेन्द्र राठौर, पवन जैन, प्रवेश राठौर, लखन चौरसिया, महेश वर्मा, सुनील राय, तुषार सोनी, जितेन्द्र यादव, हर्ष ताम्रकार, अजय दिनकर, सीमा परिहार, रेखा चौरसिया, मनोरमा शर्मा, सोनू ठाकुर, सीमा शर्मा, ज्योति पांडे, सोनू चंद्रवंशी आदि शामिल थे।

अवैध अतिक्रमण कार्यवाही पर विरोध में व्यापारियों ने किया बाजार बंद

सत्ता सुधार ■ खरगोन

शहर में यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए सासंद ,विधायक,नपा अध्यक्ष,कलेक्टर द्वारा बढ़ते अतिक्रमण से यातायात व्यवस्था सुधार हेतु बैठक आयोजित की बैठक में अवैध अतिक्रमण पर कारवाही के आदेश दिए। प्राप्त आदेश के बाद नगर पालिका अमला लगातार कारवाही कर रहा है जिसमे अब तक लगभग 40 से अधिक घुमटीयो को ध्वस्त किया साथ कई दुकानों के सामने रखे सामान को जप्त किया। नगर पालिका के द्वारा हो रही अवैध अतिक्रमण की कारवाही पर आम जनता ने सराहना की। अवैध अतिक्रमण से शहर के कई मार्ग सकरे हो गए जहा निकलना दुश्वार हो चुका था जिसे अमले ने कारवाही कर व्यवस्थित किया। अतिक्रमण पर नपा द्वारा की जा रही कारवाही से अतिक्रमणकारियो में हड़कंप मचा हैं । जैसे ही नगर पालिका अमला शहर के मुख्य मार्ग पर कारवाही करने पहुंचे तो बड़े व्यापारियों और नपा कर्मचारियों के बीच नोक झोंक हुई। जिसके बाद दबाव बनाते हुए व्यापारियों ने दुकानें बंद करने का एलान कर दिया । आज सुबह से ही श्री कृष्ण तिराहे से पोस्ट ऑफिस चौराहे तक आधे दिन सभी प्रतिष्ठान बंद रख विरोध जताया। नपा जब छोटे व्यापारियों पर कारवाही करती हैं तो लोग कारवाही को सही ठहराते हुए वाहवाही करते हैं और जब बड़े व्यवसायों पर बुलडोजर की मार पड़ती है तो बड़े व्यापारी प्रशासन पर दबाव बनाने के लिए बंद करने की धमकियां दे कर बच जाते हैं। क्युकी बड़े व्यवसाय बंद होने से देश की अर्थव्यवस्था पर बड़ा असर होता है। हमेशा अतिक्रमण कारवाही छोटे व्यापारियों पर होने के बाद रसूखदारों और राजनीतिक दबाव के चलते बंद हो जाती है। लेकिन इस बार प्रशासन कमर कस कर कारवाही के मूड में नजर आ रहा है। दोपहर बाद नपा अमला फिर सक्रिय हुआ और अतिक्रमण कारवाही शुरू की विरोध होता रहा लेकिन मशीनें अपना काम करती रही। सुबह विरोध के बाद कारवाही होने पर लोगो की निगाह बनी रही।

सोशल मीडिया पर कारवाही रुकने पर सवाल उठ रहे थे के नपा इस विरोध के बाद भी कारवाही करेगा या दबाव के चलते अवैध अतिक्रमण पर मौन स्वीकृति देगा। गरीबों पर बुलडोजर चलाने वाली नपा अमीरों पर हाथ डालेगी? खेर... प्रशासन अपने स्तर से काम करेगा ही लेकिन शहर हित में गलत पर विरोध और सही का समर्थन होना चाहिए। अगर गलत है तो अमीर - गरीब सब पर एक जैसी कारवाही हो...

पूरे दिन का हाल...

शहर में आज के दिन बड़ी गहमा गहमी चलती रही । सुबह होते ही कुछ व्यापारियों ने विरोध के नाम पर प्रतिष्ठान बन रख आवेदन दे कर कारवाही रुकवाना चाही तो शाम होते ही तिलक पथ पर अतिक्रमण कारवाही करने पहुंचे नपा अमले को लोगो के विरोध का सामना करना पढ़ा लेकिन नपा ने कारवाही जारी रखी और ओटले ,पेवर,दुकानों के छज्जे तोड़े। देखते ही देखते भीड़ जमा हो गई और कुछ लोग जेसीबी मशीन के ऊपर खड़े हो कर प्रशासन के दौहरे रवेए के आरोप लगा कर विरोध करने लगे। नगर पालिका के राजस्व अधिकारी महेश वर्मा की जानकारी के अनुसार विरोध करने वाले एक व्यक्ति पर थाने में एफआईआर भी दर्ज किया गया। साथ ही कारवाही लगातार जारी रहने की बात कही।

कलेक्ट्रेट परिसर में अधिकारी औरा कर्मचारियों ने स्वच्छता के लिए किया श्रमदान

सत्ता सुधार ■ हरदा

इन दिनों स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत हरदा जिले में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं, जो कि आगामी 2 अक्टूबर तक लगातार जारी रहेंगे । इसी क्रम में बुधवार सुबह कलेक्ट्रेट परिसर में कलेक्टर आदित्य सिंह और अन्य अधिकारी कर्मचारियों ने स्वच्छता के लिए श्रमदान कर पसीना बहाया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री सिंह ने उपस्थित अधिकारी कर्मचारियों को स्वच्छता संबंधी शपथ दिलाई। इस अवसर पर उन्होंने कलेक्ट्रेट में कार्यरत स्वच्छता कर्मियों का माल्यार्पण कर सम्मान भी किया ।

कलेक्ट्रेट परिसर में बनेगा पेंशनर्स पार्क

कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने कलेक्ट्रेट परिसर में बने पुराने पार्क का और अधिक सौंदर्यीकरण कराकर उसे पेंशनर्स पार्क के रूप में विकसित करने के निर्देश मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री कमलेश पाटीदार को दिए। उन्होंने इस पार्क की साफ सफाई कराकर, पार्क में एक्यूप्रेशर टाइल्स का पाथ वे तैयार कराने और यहां आने वाले नागरिकों के बैठने के लिए बेंच लगवाने के निर्देश भी दिए।

पार्क में योगा गतिविधियां भी शुरू होंगी : कलेक्टर श्री सिंह ने जिला आयुष अधिकारी को इस दौरान निर्देश दिए कि कलेक्ट्रेट के पार्क में प्रतिदिन सुबह योगा गतिविधियां शुरू की जाएं। इसके लिए योग प्रशिक्षक की ड्यूटी इस पार्क में सुबह लगाई जाए। ,उदयसिंह चौहान ,संतोष भायरे दयाराम भाटी. अनीश अग्रवाल,टिमरनी नगर पंचायत अध्यक्ष देवेन्द्र भारद्वाज अधिवक्ता मनीष दोगने, सहित अनेक समिति के सदस्य मोजूद रहे।

समय सीमा में किया जाए राजस्व प्रकरणों का निराकरण : कलेक्टर

सत्ता सुधार ■ सीहोर

जिला पंचायत सभाकक्ष में कलेक्टर प्रवीण सिंह की अध्यक्षता में राजस्व एवं वन विभाग की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में वन विभाग एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों को वन ग्रामों में राजस्व ग्रामों में संपरिवर्तन, वन भूमि का सामुदायिक दावों की स्वीकृति एवं वन व्यवस्थापन के कार्यो के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

वन व्यवस्थापन के कार्यो की संबंधित अधिकारियों द्वारा सतत मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने कहा कि वनखंडों के व्यवस्थापन तथा राजस्व ग्रामों के संपरिवर्तन कार्य के लिए समय समय पर राजस्व एवं वन अधिकारियों की बैठक आयोजित की जाए। राजस्व वन सीमा विवाद के प्रकरणों का निराकरण समय सीमा में किया जाए। इसके लिए वन विभाग एवं जनजातीय कार्य विभाग द्वारा कार्यवाही के लिए समय समय पर प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाएं। उन्होने कहा कि वन व्यवस्थापन के कार्य के लिए राजस्व एवं वन विभाग के मैदानी अमले को प्रशिक्षण दिया जाए। उन्होंने कहा कि राजस्व एवं वन विभाग के संबंधित मैदानी अमले को अधिनियम, नियम, मैनुअल तथा राज्य शासन संघ द्वारा जारी दिशा निदेर्शो एवं गाइडलाइनों की स्पष्ट जानकारी होना आवश्यक है। इन कार्यो को समय सीमा में पूरा करने के लिए संकुचित सोच एवं व्यक्तिगत ईगो एवं अनावश्यक विवाद को जन्म न दें।

सभी राजस्व अधिकारियों को निदेज़श दिए कि राजस्व वसूली के कार्य को प्राथमिकता के साथ करें। उन्होंने कहा कि बड़े बकायदारों को चिन्हांकित कर समय सीमा में उनसे राजस्व वसूली की जाए। इसके साथ ही उन्होंने नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा के प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि लोक सेवा गारंटी के तहत 25 दिन में कार्य पूर्ण करें। जिससे आमजन को अपने कार्यो के लिए परेशान न होना पड़े।

श्रेष्ठ कार्य करने वाली महिलाओं एवं बालिकाओं का किया सम्मान

रहटगांव। कराते क्लास झाड़बीड़ा में तिनका सामाजिक संस्था के माध्यम से कम्युनिटी इंगेजमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया। अनील मल्हारे ने बताया कि जिसमें बच्चों के द्वारा मनमोहक नृत्य किया एवं नाटक के माध्यम से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का संदेश दिया गया। बेटी को शिक्षित बनाओ सात ही शिक्षा का महत्व बताया गया एवं श्रेष्ठ कार्य कर रही महिलाएं जैसे शिक्षा के क्षेत्र मे शासकीय प्राथमिक शाला प्रधान अध्यापक रंजना एवं कक्षा 12वीं में मेहनत कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। बहन आयुषी शर्मा एवं खेल के क्षेत्र मे स्कूल गेम संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में चयन बहन अनामिका एवं राजनीति के क्षेत्र में जनपद अध्यक्ष श्रीमती रजनि मेम एवं बेटियों के उज्जवल भविष्य के लिए सहयोग करती है ।

जयस पदाधिकारी को शराब ठेकेदार के कर्मचारी ने दी धौंस, एसपी से शिकायत

सत्ता सुधार ■ खरगोन

सीएम हेल्पलाईन पर शराब ठेकेदार की शिकायत करने पर धौंस- दपट देकर शिकायत बंद कराने का मामला सामने आया है। बुधवार को जयस पदाधिकारियों ने एसपी धर्मराज मीना से मुलाकात कर शराब ठेकेदार के कर्मचारी पर जयय पदाधिकारी को सीएम हेल्पलाईन शिकायत वापस लेने के लिए मोबाइल पर गाली- गलौच कर झूठे आरोप में कार्रवाई कराए जाने की धौंस देने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। इस मामले में ऑडियो रिकार्डिंग का हवाला देते हुए भीकनगांव में पदस्थ आबकारी उप निरीक्षक के शराब ठेकेदार को संरक्षण एवं प्रोत्साहन देने के आरोप भी लगाए है।

एसपी ऑफिस पहुंचे जयस प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष नवल सिंह बोरकर, ठाकुर गुलाब सिंह, प्रेमलाल कर्जेले, सुनील सिरसाटे आदि ने बताया कि झिरन्या क्षेत्र में जयस पदाधिकारी विकास मोरे ने अवैध रुप से शराब बिक्री करने एवं शराब ठेकेदार द्वारा गुंडागर्दी एवं दादागिरी करने की शिकायत की थी। इस मामले में शराब ठेकेदार के कर्मचारी ने आबकारी अधिकारी का हवाला देते हुए शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया है। पदाधिकारियों ने एसपी से मांग की है कि शराब ठेकेदार के कर्मचारी सहित आबकारी उप निरीक्षक पर शराब ठेकेदार को संरक्षण एवं प्रोत्साहन देने के मामले में जांच कर सख्त कार्रवाई की जाए। संगठन से क्षेत्र में शराबबंदी की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि उक्त मामले में कार्रवाई नही होने पर जयस सड़क पर उतरकर आंदोलन को बाध्य होगा।

समर्थन मूल्य सोयाबीन की खरीदी की तैयारी के लिए उपार्जन समिति की हुई बैठक

खरगोन। किसानों को उनकी उपज का वाजिब दाम दिलाने और उन्हें बिचौलियों व दलालों के शोषण से बचाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर सोयाबीन का उपार्जन करने का निर्णय लिया है। जिले में समर्थन मूल्य पर सोयाबीन की खरीदी की तैयारी के लिए 25 सितंबर को कलेक्टर कर्मवीर शर्मा की अध्यक्षता में उपार्जन समिति की बैठक आयोजित की गई।

मांग पारदर्शिता हेतु आमजन की निगरानी से आयेगा बदलाव

घटिया निर्माण रोकने आमजन की हिस्सेदारी जरूरी

सत्ता सुधार ■ हरदा

जिले की स्थानीय नगर पालिका अंतर्गत निर्माण विकास कार्यों में पारदर्शिता नहीं बरती जा रही है। जिसके कारण चंद समय में ही निर्माण कार्य जर्जर-जर्जर हो जाता है। सड़क नाली लोकार्पण के साथ ही खराब हो जाती है। इससे शासन का भारी भरकम बजट खर्च होने पर भी आमजन को बूनियादी सुविधाएं नहीं मिल पाती है। घटिया निर्माण कार्य सर दर्द बन जाता है और दुर्घटना का कारण बन जाता है। ऐसे मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रेस क्लब जिलाध्यक्ष डीएस चौहान ने नगर पालिकाध्यक्ष श्रीमती भारती राजू कमेडिया और कमलेश पाटीदार मुख्य नगर पालिका अधिकारी को पत्र लिखकर निर्माण कार्यों में आम जन की भागीदारी सुनिश्चित करने की पहल शुरू करने की मांग की है । इससे जहां एक और निर्माण कार्यों की निगरानी हो सकेगी वहीं दूसरी ओर गुणवत्तायुक्त निर्माण कार्य हो सकेगा। इससे आमजन वार्डवासियों को सुविधा होगी और दुर्घटनाओं में भी कमी आयेगी।

निर्माण कार्य में गुणवत्ता की अनदेखी : नगर पालिका के अधिकांश वार्डो में नाली, सड़क आदि का निर्माण कार्य चल रहा है। निर्माण कार्य कराने में खाना पूर्ति की जा रही है। गुणवत्ता विहीन मटेरियल से द्रुतगति से निर्माण कार्य चल रहा है। नगर पालिका के अधिकारी, इंजीनियर और पार्षद आदि कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। ठेकेदार की दबंगई व डर भय से कोई विरोध करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है। निर्माण कार्य के मटेरियल की टेस्टिंग नहीं की जा रही है। उपयंत्री यदा-कदा आते हैं। निर्माण कार्य की देखरेख नहीं होने से घटिया निर्माण होता है जो चंद समय में ही खराब हो जाता है। आमजन की हिस्सेदारी तय कर निगरानी का दायित्व सौंपा जाय फिनायल दवा आदि का छिड़काव पानी के टैंकर आदि की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से उपलब्ध कराई जानी चाहिए । हर वार्ड का ग्रूप बनाकर पूरी पारदर्शिता से सारे कार्यो को कराकर जिम्मेदारी सौंपी जाय जिससे पूरी पारदर्शिता से कार्य हो सके।

क्या कहते जबाबदार

वार्ड में होने वाले निर्माण कार्यों के संबंध में आम जन की भागीदारी सुनिश्चित करने के संबंध में परिषद में चर्चा की जाएगी। चर्चा के बाद जो निर्णय सामने आएगा उसके अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। परिषद का जो भी निर्णय होगा उसके अनुसार आपके सुझाव पर अमल किया जाएगा ।

कमलेश पाटीदार, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका, हरदा।

निर्माण कार्य को लेकर वार्ड कराई जाये बैठक

नगर पालिका के जिस वार्ड में सड़क, नाली समेत जो भी निर्माण कार्य हो उसकी जानकारी के लिए बैठक बुलाई जाय और उसकी सूचना पार्षद आदि बंटवाकर या फिर सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार करके स्थिति निर्धारित तिथि को बैठक आयोजित करके पार्षद की मौजूदगी में निर्माण व विकास कार्य का स्टीमेट सार्वजनिक किया जाय। निर्माण कार्य के प्रांकलन से अवगत कराया जाये। मटेरियल कब, कितना, कहां, कौन सा लगेगा इसके बारे में लोगों को विस्तार से जानकारी प्रदान की जाय। बेश बनाने से लेकर गिट्टी कौन सी, कितने इंच डाली जायेगी, उसकी मोटाई कितनी रहेगी। रेत, गिट्टी, सीमेंट का अनुपात कितना रहेगा, पानी की तराई कब होगी । कौन सी कंपनी का सीमेंट उपयोग में लाया जायेगा । सरिया किस कंपनी का, कितनी दूरी पर डाला जायेगा। निर्माण कार्य की अन्य जानकारियों से अवगत कराकर निगरानी का जिम्मा सोंपा जाय। इससे निर्माण कार्य में पूरी पारदर्शिता रहेगी। गुणवत्ता युक्त निर्माण कार्य आमजन की निगरानी में हो सकेगा। शासन के पैसे का दुरुपयोग भी न हो सकेगा।

सफाई दवा के छिड़काव का निर्धारण -

इसी तरह सफाई और दवा के छिड़काव के निर्धारण में भी आमजन का सहयोग लिया जाये। वार्ड के लोगों की मौजूदगी और निगरानी में सारे कार्य करवाये जाये। इससे जहां एक और शासन की मन्सा के अनुरूप कार्य हो सकेगा और वार्ड के लोगों को राहत मिल सकेगी।

ब्रीफ न्यूज

एयरटेल फर्जी कॉल पर रोक लगाने एआई-सक्षम प्रौद्योगिकी लागू करेगा

नई दिल्ली। दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल ने फर्जी कॉल व संदेशों पर रोक लगाने के लिए अपने नेटवर्क पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित प्रौद्योगिकी लागू करने की तैयारी कर रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस प्रौद्योगिकी की शुरुआत 26 सितंबर की मध्यरात्रि से की जाएगी, जो उपयोगकर्ताओं को संभावित फर्जी (स्पैम) कॉल व संदेशों के बारे में सचेत करेगी। अधिकारी ने कहा कि ऐसे कई संकेतक हैं जिनके आधार पर हमने ये फर्जी गिरोह चलाने वालों की पहचान की है। हमने एआई से लैस 'स्पैम डिटेक्शन' समाधान विकसित किया है। यह दो मिलीसेकंड में कॉल का विश्लेषण करता है और डायलर पर उपयोगकर्ताओं को सचेत करता है। उन्होंने कहा कि यह सुविधा एयरटेल के सभी स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं के लिए निःशुल्क होगी। विट्टल ने बताया कि यह प्रौद्योगिकी स्वयं 'कॉल' को ब्लॉक नहीं करेगी, बल्कि उसे ब्लॉक करने का निर्णय उपयोगकर्ता को लेना होगा, क्योंकि कभी-कभी वास्तविक कॉल भी फर्जी कॉल के तौर पर प्रदर्शित हो जाती हैं।

हुंदै मोटर को आईपीओ लाने के लिए सेबी से मिली मंजूरी

नई दिल्ली। दक्षिण कोरियाई वाहन विनिर्माता हुंदै की भारतीय शाखा हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी की मंजूरी मिल गई है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने बुधवार को बताया कि कंपनी को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से आईपीओ लानी की मंजुरी मिल गई है। आईपीओ दस्तावेज जून में दाखिल किए गए थे। इसके अनुसार आईपीओ पूरी तरह से प्रवर्तक हुंदै मोटर कंपनी द्वारा 142,194,700 शेयर बिक्री पेशकश (ओएफएस) है। दक्षिण कोरिया मूल की कंपनी बिक्री पेशकश के जरिये अपनी कुछ हिस्सेदारी बेच रही है। हुंदै मोटर इंडिया ने भारत में 1996 में परिचालन शुरू किया और वर्तमान में विभिन्न खंडों में 13 मॉडल की बिक्री करती है। जापान की वाहन विनिर्माता मारुति सुजुकी के 2003 में सूचीबद्ध होने के बाद दो दशकों में पहली बार कोई वाहन विनिर्माता कंपनी आईपीओ ला रही है।

हितधारकों की शिकायतों के समाधान के लिए एक विशेष दल गठित

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने एमसीए21 मंच से संबंधित हितधारकों की शिकायतों के समाधान के लिए एक विशेष दल का गठन किया है। एमसीए21 मंच कंपनियों और सीमित देयता भागीदारी कानूनों के तहत विभिन्न फाइलिंग प्रस्तुत करने का एक प्रमुख मंच है। मंच का उपयोग करने में हितधारकों को कुछ समस्याएं आती हैं। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने मंच के संबंध में कहा कि उसके पास ईमेल, हेल्पडेस्क प्रणाली, टिकटिंग टूल, चैटबॉट और सोशल मीडिया मंच के जरिये हितधारकों द्वारा उठाई गई चिंताओं के लिए नियमित समीक्षा प्रणाली है।

घरेलू निवेशकों को 61000 करोड़ का नुकसान

भारतीय बाजार में एआई बॉट्स से विदेशी निवेशकों ने कमाए 59000 करोड़

एजेंसी ■ मुंबई

भारत के घरेलू शेयर बाजार में एआई बॉट्स का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। हाल ही में सेबी द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2024 में वायदा बाजार (फ्यूचर एंड ऑप्शंस) में एल्गोरिदम ट्रेडिंग की मदद से विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) और प्रोप्राइटरी ट्रेडर्स ने 59,000 करोड़ रुपये की कमाई की है। इसके विपरीत, घरेलू निवेशक, जो नई तकनीकी से अनजान हैं। उन्हें 61,000 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है।

सेबी की रिपोर्ट के अनुसार, प्रोप्राइटरी ट्रेडर्स ने 32,000 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया। एफआईआई ने 26,840 करोड़ रुपये की कमाई भारतीय शेयर बाजार से की है।

एल्गोरिदम ट्रेडिंग एक कंप्यूटर प्रोग्रामिंग प्रक्रिया है। जिसमें मशीन लर्निंग और फाइनेंशियल मार्केट के डेटा का उपयोग कर जानकारी उपलब्ध कराती है।इसमें इंसानी भावनाओं और ज्ञान का कोई महत्व नहीं होता है। नवीन तकनीकी में ट्रेडिंग उपलब्ध डाटा के आधार पर ऑटोमैटिक होती है।

इसके विपरीत, आम निवेशक अभी भी अपनी समझ के अनुसार ट्रेडिंग करते हैं। उन्हें पिछले डेटा से संबंधित कोई जानकारी नहीं होती है। गलतियों की संभावना अधिक होती है। रिपोर्ट में एफआईआई के 97त्न और प्रॉप ट्रेडर्स के 96त्न मुनाफे का कारण एल्गोरिदम ट्रेडिंग के कारण हुआ है।

विशेषज्ञों के अनुसार बड़े संस्थान आमतौर पर 1-2त्न रिटर्न के लिए वायदा ट्रेडिंग करते हैं। उनके ऑर्डर करोड़ों के होते हैं। जिससे 1त्न रिटर्न भी लाखों रुपए के मुनाफे में बदल जाता है। वह लालच में नहीं पड़ते हैं। इसके चलते वह सही समय पर मुनाफा कमा कर बाहर निकल जाते है। वह जोखिम नही उठाते हैं।

वायदा कारोबार में पिछले पांच वर्षों में 40 गुना की वृद्धि हुई है। फरवरी में एफएंडओ का टर्नओवर 502 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। जो देश की पूरी अर्थव्यवस्था से अधिक है। बाजार नियामक सेबी ने छोटे निवेशकों को कई बार चेताया है। वह बड़ी संस्थाओं के ऊंचे रिटर्न को देखकर वायदा ट्रेडिंग में जोखिम से बचे।

कुल मिलाकर, एआई बॉट्स से ट्रेडिंग के क्षेत्र में एक नया बदलाव आया है। इसमें विदेशी निवेशक बाजी मार रहे हैं। वहीं भारतीय निवेशकों को नवीन तकनीकी का उपयोग करने की जानकारी नहीं होने से उन्हें घाटे का सामना करना पड़ रहा है।

जीएसटी अधिकारियों ने करीब 10,700 फर्जी कंपनियों का पता लगाया

फर्जी कंपनियों ने 10,179 करोड़ रुपये कर चोरी की

एजेंसी ■ नई दिल्ली

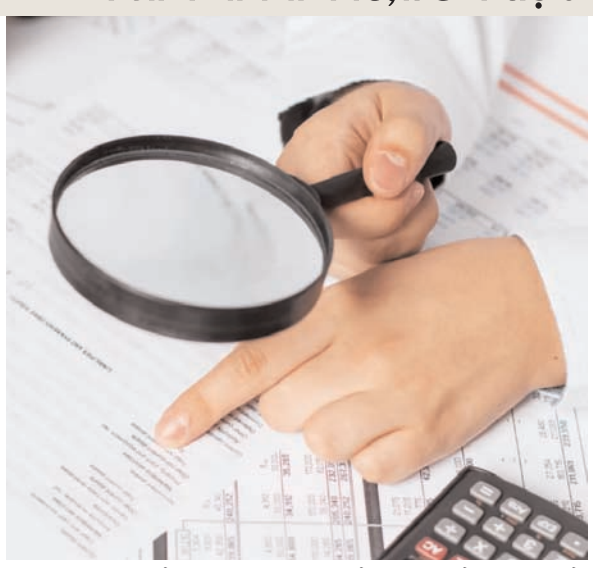

फर्जी पंजीकरण के खिलाफ जीएसटी अधिकारियों की ओर से देशभर में चलाए जा रहे अभियान में करीब 10,700 फर्जी कंपनियों का पता लगाया है, जिन्होंने 10,179 करोड़ रुपये की कर चोरी की है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के सदस्य शशांक प्रिय ने मंगलवार को कहा, फर्जी पंजीकरण के खिलाफ 16 अगस्त से शुरू हुआ दूसरा अखिल भारतीय अभियान 15 अक्तूबर तक चलेगा। इस अभियान में कर अधिकारियों ने 67,970 जीएसटीआईएन (माल एवं सेवा कर पहचान संख्या) की पहचान की है। इनमें से 59 फीसदी या 39,965 जीएसटीआईएन का सत्यापन 22 सितंबर तक हो चुका है।सीबीआईसी सदस्य ने कहा, इनमें 27 फीसदी ऐसी कंपनियां पाई गई हैं, जो अस्तित्व में ही नहीं हैं। फीसदी के लिहाज से यह संख्या पिछले अभियान की तुलना में करीब समान है। उन्होंने बताया, फर्जी पंजीकरण के खिलाफ पहला अभियान 16 मई से 15 जुलाई, 2023 के बीच चलाया गया था। इसमें जीएसटी पंजीकरण वाली कुल 21,791 ऐसी कंपनियां पाई गई थीं, जो अस्तित्व में नहीं थीं। इस अभियान में 24,010 करोड़ रुपये की संदिग्ध कर चोरी पकड़ी गई थी।एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम) के कार्यक्रम में शशांक प्रिय ने कहा, दूसरे अभियान में 2,994 करोड़ रुपये की इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) को रोका गया है। साथ ही, 28 करोड़ रुपये की वसूली भी की गई है। उन्होंने कहा, जीएसटी व्यवस्था में बेमेल आंकड़ों की समस्या है। इस कारण 2023-24 में कर अधिकारियों ने 1,12,852 कारण बताओ नोटिस जारी किए थे।

इन्फोसिस को मिले जीएसटी के नोटिस पर राहत दे सकती है सरकार

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इन्फोसिस को मिले 30,000 करोड़ रुपये के वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के नोटिस पर राहत देने पर विचार कर रहा है। इसके लिए 26 जून के सर्कुलर में जरूरी संशोधन किया जाएगा क्योंकि इसी के आधार पर आईटी दिग्गज को जीएसटी नोटिस भेजा गया था। घटनाक्रम से सीधे तौर पर जुड़े वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि सरकार इन्फोसिस को राहत देने के लिए 26 जून के सर्कुलर 210 में आवश्यक संशोधन कर सकती है। इसके तहत नोटिस को अमान्य घोषित किया जा सकता है। केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड ने सर्कुलर 210 जारी किया था, जिसके तहत सेवा प्राप्तकर्ता पूर्ण इनपुट टैक्स क्रेडिट के पात्र होने पर संबंधित व्यक्ति द्वारा सेवाओं के आयात का मूल्य स्पष्ट किया गया था। अधिकारी ने आगे कहा कि सीबीआईसी फिलहाल इन्फोसिस को जीएसटी से पहले भेजे गए कारण बताओ नोटिस का मूल्यांकन कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम साल दर साल आधार पर मामले का विश्लेषण करेंगे। उपलब्ध विकल्पों में से एक सीजीएसटी नियम, 2017 के नियम 28 को लागू करने की संभावना पर विचार किया जाएगा। केंद्रीय जीएसटी का नियम 28 विशिष्ट या संबंधित व्यक्तियों के बीच वस्तुओं या सेवाओं या दोनों की आपूर्ति के मूल्य के निर्धारण का प्रावधान करता है। यही नियम अलग-अलग या संबंधित पक्षों के बीच वस्तुओं या सेवाओं की आपूर्ति के कर योग्य मूल्य की गणना के लिए वैकल्पिक तरीकों को भी निर्धारित करता है।

कॉमेट ईवी मात्र 4.99 लाख की कीमत पर लॉन्च

एजेंसी ■ नई दिल्ली

नई इलेक्ट्रिक कार कॉमेट ईवी को कंपनी एमजी मोटर ने मात्र 4.99 लाख रुपये की कीमत पर लॉन्च कर भारतीय इलेक्ट्रिक कार बाजार में हलचल मचा दी है। खासकर टाटा मोटर्स जैसे प्रमुख प्रतियोगियों के लिए, जो पहले से ही बाजार में अच्छी पकड़ बनाए हुए हैं, इनके लिए मुश्किलें खडी हो गई है।

एमजी मोटर की इस रणनीति के पीछे का मुख्य कारण है बैटरी एज ए सर्विस (बीएएएएस) प्लान। इस योजना के तहत, कंपनी ने अपनी तीन इलेक्ट्रिक कारों, कॉमेट ईवी, विंडसर ईवी और झेडएस ईवी, को इस मॉडल में लॉन्च किया है। इससे कार की खरीद मूल्य में बैटरी की कीमत को नहीं जोड़ा गया है, जिससे ग्राहकों को कम कीमत पर कार खरीदने का अवसर मिलता है। ग्राहक को कार चलाने के लिए प्रति किलोमीटर के हिसाब से चार्ज वसूला जाएगा, जो बैटरी सब्सक्रिप्शन शुल्क के रूप में होगा। इलेक्ट्रिक कारों में बैटरी की कीमत अक्सर उनकी कुल कीमत का 55-60 प्रतिशत होती है, जिससे कारों की कीमत को नियंत्रित करना मुश्किल हो जाता है। एमजी ने इस समस्या का समाधान करते हुए सब्सक्रिप्शन प्लान का विकल्प दिया है, जिससे ग्राहक केवल कार की कीमत चुकाते हैं और बैटरी के लिए बाद में भुगतान करते हैं। एमजी कार्नेट ईवी की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 4.99 लाख रुपये है, जिसमें बैटरी रेंटल के रूप में 2.5 रुपये प्रति किलोमीटर का शुल्क लगेगा। एमजी झेडएस ईवी की कीमत 13.99 लाख रुपये और बैटरी रेंटल 4.5 रुपये प्रति किलोमीटर है। वहीं, एमजी विंडसर को 9.99 लाख रुपये में पेश किया गया है, जिसमें बैटरी सब्सक्रिप्शन चार्ज 3.5 रुपये प्रति किलोमीटर है। एमजी मोटर्स अपने पहले ग्राहकों को इन इलेक्ट्रिक कारों पर लाइफ टाइम वारंटी भी दे रही है।

सिंपल वन इलेक्ट्रिक स्कूटर की प्रमाणित रेंज 212 किमी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

इलेक्ट्रिक स्कूटरों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा में भारत में एक ऐसा स्कूटर है, जो रेंज के मामले में अन्य सभी मॉडलों से काफी आगे निकल गया है सिंपल वन इलेक्ट्रिक स्कूटर। सिंपल वन की प्रमाणित रेंज 212 किमी है, जो ओला एस1 प्रो की रेंज 195 किमी से 17 किमी अधिक है। ओला का मॉडल 1,34,999 रुपये में उपलब्ध है, जबकि सिंपल वन की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 1,40,499 रुपये है। सिंपल वन दो वेरिएंट्स में आता है- सिंपल वन डॉट और सिंपल वन। सिंपल वन डॉट का बेस वेरिएंट 151 किमी की रेंज प्रदान करता है। इसमें 3.7 केडब्ल्यूएच की बैटरी और 8.5 केडब्ल्यू का पीक पावर है, जो इसे 0 से 40 किमी/घंटा की स्पीड सिर्फ 2.77 सेकंड में पकड़ने में सक्षम बनाता है। इसकी अधिकतम स्पीड 105 किमी/घंटा है। इसके साथ ही, इसमें सीबीएस ब्रेकिंग सिस्टम, 35 लीटर का बूट स्पेस, यूएसबी चार्जिंग, स्मार्टफोन रिमोट एक्सेस, और ओटीएस अपडेट जैसी आधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं। दूसरे वेरिएंट की एक्स-शोरूम कीमत 1,65,999 रुपये है। इसमें 5.0 केडब्ल्यूएच की बैटरी है और यह भी 212 किमी की रेंज प्रदान करता है।

यह वेरिएंट टचस्क्रीन इंस्ट्रूमेंट पैनल, डिस्क ब्रेक, और स्मार्टफोन रिमोट एक्सेस जैसी अतिरिक्त सुविधाएं प्रदान करता है। इस तरह, सिंपल वन स्कूटर अपने बेहतरीन फीचर्स और उच्च रेंज के चलते भारत के अन्य इलेक्ट्रिक स्कूटरों के मुकाबले एक मजबूत विकल्प बनकर उभरा है, जो उपभोक्ताओं के लिए एक आकर्षक विकल्प हो सकता है। बता दें कि भारत में लोकप्रियता के साथ, कई स्थापित कंपनियों और स्टार्टअप्स ने इस क्षेत्र में कदम रखा है। हालांकि, अधिकतर चर्चा ओला इलेक्ट्रिक, टीवीएस आईक्यूब, बजाज चेतक और एथर एनर्जी जैसे मॉडलों के इर्द-गिर्द ही होती है।

देश के कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल महंगा हुआ, कहीं सस्ता

नई दिल्ली। कच्चे तेल में फिर से हल्की गिरावट नजर आ रही है। वैश्विक बाजार में क्रूड की कीमतें 71.39 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रही हैं। वहीं ब्रेंट क्रूड 75.08 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। कच्चे तेल की कीमतों का पेट्रोल-डीजल के दामों पर असर पड़ता है। हालांकि, भारत में ईंधन की कीमतों में कोई ज्यादा अंतर नहीं आया है।

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने बुधवार को पेट्रोल-डीजल के भाव अपडेट कर दिए हैं। देश के चारों महानगरों में से सिर्फ चेन्नई में पेट्रोल की कीमतें बढ़ी हैं, जबकि दिल्ली, मुंबई और कोलकाता में ईंधन की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। वहीं आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ समेत कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें घटी-बढ़ी हैं। वहीं गोवा, झारखंड और केरल समेत कुछ प्रदेशों में पेट्रोल के दाम कम हुए हैं।

होंडा और सुजुकी जैसी कंपनियां भी करेगी इलेक्ट्रिक स्कूटर्स लॉन्च

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत में इलेक्ट्रिक स्कूटर्स ओला एस1 प्रो, बजाज चेतक, टीवीएस आईक्यूब, ओला एस 1एक्स, और एथर 450 एक्स जैसे मॉडल बाजार में लोकप्रिय हैं। लेकिन अब होंडा और सुजुकी जैसी दिग्गज कंपनियां भी अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर्स लॉन्च करने की तैयारी में हैं। होंडा का इलेक्ट्रिक वर्जन, एक्टिवा इलेक्ट्रिक, जल्द ही बाजार में आ सकता है। जानकारी के अनुसार, होंडा इस स्कूटर पर कई वर्षों से काम कर रही है और अब यह अपने अंतिम वैलिडेशन चरण में है। इसकी बुकिंग और डिलीवरी मार्च 2025 से शुरू होने की उम्मीद है। होंडा एक्टिवा इलेक्ट्रिक में ग्राहकों को आधुनिक सुविधाएं, शानदार ड्राइविंग रेंज, और बेहतरीन राइडिंग अनुभव मिलने की संभावना है। वहीं, सुजुकी की पहली इलेक्ट्रिक स्कूटर, जिसका कोडनेम एक्सएफ 091 है, भारत में लॉन्च होने के लिए तैयार है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सुजुकी का यह स्कूटर 2025 में बाजार में आ सकता है, और कंपनी ने इसकी वार्षिक बिक्री का अनुमान 25,000 यूनिट्स रखा है। सुजुकी के इस नए इलेक्ट्रिक स्कूटर का प्रोडक्शन जल्द शुरू होने की संभावना है। इन दोनों स्कूटर्स के लॉन्च के साथ भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक वाहनों की प्रतिस्पर्धा और बढ़ने की उम्मीद है।

विशेषज्ञों का मानना है कि होंडा और सुजुकी की पेशकश भारतीय उपभोक्ताओं के लिए एक नई विकल्प रेंज प्रदान करेंगी, जिससे इलेक्ट्रिक स्कूटरों की लोकप्रियता और भी बढ़ेगी। मालूम हो कि पिछले कुछ सालों में भारत में इलेक्ट्रिक स्कूटर्स की मांग तेजी से बढ़ी है। केंद्र सरकार भी इलेक्ट्रिक स्कूटर को बढावा देने के लिए पूरी कोशिश कर रही है। इन स्कूटर्स की कीमत कम करने के प्रयास जा री है।

डेलावेयर के सुप्रीम कोर्ट ने कहा, बैजूस ने ऋण भुगतान में चूक की थी

अदालत के फैसले से बैजूस को लगा झटका, कर्जदाताओं ने किया स्वागत

एजेंसी ■ नई दिल्ली

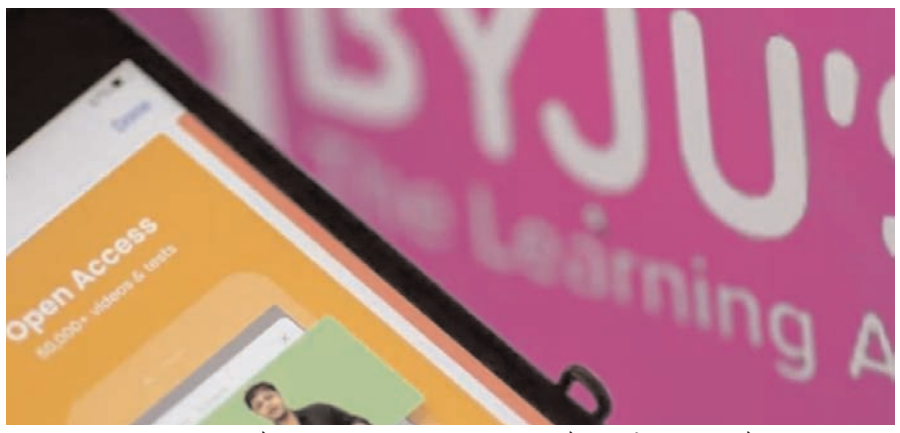

एडटेक क्षेत्र की प्रमुख कंपनी बैजूस को अमेरिका की एक अदालत के फैसले से बड़ा झटका लगा है। डेलावेयर के सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि ऋण समझौते के तहत बैजूस ने 1.5 अरब डॉलर के ऋण भुगतान में चूक की थी जिससे ऋणदाताओं को उसके खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार है। इस फैसले से ऋणदाताओं को बैजूस की अमेरिकी संपत्तियों खास तौर पर बैजूस अल्फा इंक सहित अन्य संपत्तियों का नियंत्रण अपने हाथों में लेने और कंपनी से पूरा कर्ज वसूलने की अनुमति मिल गई है। इसके लिए ऋणदाताओं ने टिमोथी पोल को बैजूस के अल्फा इंक का एकमात्र निदेशक नियुक्त किया है। ऋणदाताओं ने कहा कि हम इसका स्वागत करते हैं कि डेलावेयर सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में उस बात की पुष्टि की जिसे हम हमेशा से जानते थे, बैजूस ने जानबूझकर और ऋण समझौते का उल्लंघन किया और भुगतान में चूक की। अदालत का यह फैसला इसकी पुष्टि करता है कि बैजूस ने चूक की थी, जिसे बैजू रवींद्रन और ऋजु दोनों ने व्यक्तिगत तौर पर जानते थे क्योंकि उन्होंने अक्टूबर 2022 से जनवरी 2023 तक बैजूस की ओर से ऋण समझौते में कई संशोधनों पर हस्ताक्षर किए थे। बैजूस ने कहा कि डेलावेयर अदालत द्वारा दिए गए फैसले का भारत में चल रही कानूनी कार्यवाही पर कोई असर नहीं पड़ेगा। डेलावेयर की अदालत ने शेल कंपनी बैजूस अल्फा इंक के निदेशक के रूप में उनके एक नामांकित व्यक्ति की वैधता पर चांसरी अदालत के एक फैसले को बरकरार रखा है। बयान में आगे कहा गया है, जैसा कि डेलावेयर सुप्रीम कोर्ट द्वारा पुष्टि की गई है, ऋणदाता ने जिस तरह से टर्म लोन की वसूली में तेजी लाई और बैजूस की अल्फा इंक का नियंत्रण लेने की कवायद की वह समझौते के तहत प्रदत्त अधिकारों के तहत ही था। डेलावेयर अदालत में जिस मामले की सुनवाई हुई वह बैजूस की मूल कंपनी थिंक ऐंड लर्न बी द्वारा 1.5 अरब डॉलर के कर्ज की गारंटी से संबंधित था।

भारत में आईफोन की कीमतें अभी भी है ज्यादा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत में आईफोन की कीमतें अभी भी अमेरिका, यूएई, मलेशिया और थाईलैंड जैसे देशों की तुलना में अधिक हैं। इसका मुख्य कारण भारत में उच्च जीएसटी और आयात शुल्क है। आईफोन 16 प्रो की कीमत अब 1,19,900 रुपये रखी गई है, जो आईफोन 15 प्रो की तुलना में 9,900 रुपये कम है। इस मूल्य में कमी का कारण केंद्रीय बजट में फोन के पुर्जों पर आयात शुल्क में कमी भी है। लेकिन फिर भी, आईफोन 16 प्रो की शुरुआती कीमत आईफोन 15 प्रो की शुरुआती कीमत से 15,000 रुपये कम है। इसी तरह, आईफोन 16 प्रो मैक्स की कीमत भी आईफोन 15 प्रो मैक्स की तुलना में 9,100 रुपये कम हुई है, फिर भी इसमें 18 फीसदी जीएसटी का बोझ ग्राहकों पर पड़ता है। इसके अलावा, चीन से आने वाले पुर्जों पर 7 से 8 फीसदी आयात शुल्क भी होता है, जिसे कंपनी काफी हद तक खुद उठाती है। भारत में ऐपल के केवल दो स्वामित्व वाले स्टोर हैं, जबकि अमेरिका में 95 फीसदी बिक्री दूरसंचार कंपनियों के माध्यम से होती है। यहां कंपनी के स्वामित्व वाले 247 से अधिक स्टोर हैं। अमेरिका में कीमतें कम होने का एक मुख्य कारण वहां के स्थानीय कर हैं।

ब्रीफ न्यूज

जिले में आयुष्मान पखवाड़ा 20 से 30 सितंबर तक मनाया जा रहा है

मुरैना। प्रधानमंत्री के द्वारा 23 सितम्बर 2018 से आयुष्मान भारत निरामय योजना शुरू की गई थी। वर्तमान में आयुष्मान भारत योजना के 6 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 20 सितम्बर से 30 सितम्बर 2024 तक आयुष्मान आपके द्वार थीम पर इस वर्ष आयुष्मान पखवाड़ा कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के बारे में जागरूकता फैलाना तथा अधिक से अधिक आयुष्मान हितग्राहियों तक योजना का लाभ पहुंचाना है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पदमेश उपाध्याय द्वारा आयुष्मान भारत पखवाड़ा के अंतर्गत 20 से 30 सितम्बर तक विभिन्न प्रचार-प्रसार गतिविधियों जैसे घर-घर जाकर आशा कार्यकर्ता एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा आयुष्मान कार्ड निर्माण करना, पंचायत आयुष्मान कार्ड एवं आभा आई.डी. निर्माण कार्य, स्कूल और कॉलेज स्तर पर प्रतियोगिताएं, नारा लेखन, निबंध प्रतियोगिता, पंचायत स्तर पर ग्राम सभाएँ, आयुष्मान चौपाले, निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, आयुष्मान मेला, वृद्धाश्रम, अस्पतालों अन्य स्थानों पर 70 से अधिक उम्र के हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड एवं आभा आईडी निर्माण आदि गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा।

स्वच्छता सेवा पखवाड़ा के तहत सीएमएचओ कार्यालय में की गई साफ-सफाई

मुरैना। स्वच्छता सेवा पखवाड़ा के दौरान मंगलवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय मुरैना में स्वच्छता अभियान चलाया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पदमेश उपाध्याय एवं समस्त अधिकारी, कर्मचारियों ने स्वयं श्रमदान कर कार्यालय परिसर एवं अपने कक्षों की साफ-सफाई की। उन्होनें बताया कि स्वच्छता पखवाड़ा 17 सितंबर से 02 अक्टूबर 2024 तक चलाया जा रहा है। जिसकी शुरूआत जिले की समस्त स्वास्थ्य संस्थाओं पर हो चुकी है। सभी मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा सीएचओ, एएनएम एवं आशा आदि द्वारा ग्रामीण स्तर पर जन समुदाय को जागरूक किया जा रहा है।

तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त करने 30 कृषकों को किया रवाना

मुरैना। सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन ''आत्मा'' अंतर्गत परियोजना संचालक के निर्देशन में राज्य के बाहर प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिये 30 कृषकों को मुरैना से भरतपुर के लिये रवाना किया। कृषक रथ को परियोजना संचालक किसान कल्याण तथा कृषि अधिकारी अनंत सड़ैया ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह दल 24 सितम्बर से 28 सितम्बर तक सरसों अनुसंधान निदेशालय भरतपुर राजस्थान में पहुंचकर सरसों की नई तकनीकि से खेती करने, खेती करने में आ रही परेशानियों के निदान हेतु व कृषि को लाभ का धंधा कैसे बनाया जाये, इस संबंध में जागरूक करने के लिए कृषकों को रवाना किया गया है।

सौहार्द बिगाड़ने वाले आरोपियों के घरों पर पुलिस का छापा

8 गिरफ्तार, अवैध शराब भी बरामद

सत्ता सुधार ■ मुरैना

जिले के पहाड़गढ़ थाना अंतर्गत कट्ठोली गांव में तीन दिन पूर्व कुछ शरारती तत्वों द्वारा सौहार्द बिगाड़ने कुशवाह समाज के लोगों की मारपीट कर दी गई, जिस पर पुलिस द्वारा नौ लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया। पुलिस द्वारा बीती रात्रि आरोपियों को गिरफ्तार करने उनके घर पर छापा मारा तो उनके घर से भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद हुई स पुलिस ने इस मामले में आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार फरियादी श्रीराम पुत्र टीकाराम कुशवाह निवासी कट्ठोली द्वारा पालघर थाने में 21 सितंबर को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि ग्राम कट्ठोली में अन्य समाज के लोगों द्वारा कुशवाह समाज के एक परिवार के साथ मारपीट कर गांव का माहौल शांति व्यवस्था को बिगाडने का प्रयास किया गया है। फरियादी की उक्त रिपोर्ट पर से थाना पहाड़गढ़ पुलिस द्वारा उक्त 09 आरोपीगण के विरूद्ध अपराध क्रमांक 179/24 धारा 106 (1). 115 (2), 296, 351(2), 3(5) बीएनएस का कायम कर विवेचना में लिया गया। मुखबिर सूचना की सूचना के आधार पर थाना पहाडगढ पुलिस द्वारा आरोपीगण के घरों पर दबिश दी गई। आरोपीगण अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भागने में सफल रहे, जिसके बाद आरोपियों के घर की तालाशी ली गई, तो वहां से कुल 08 पेटी अवैध देशी शराब (07 पेटी देशी प्लेन, 01 पेटी देशी लाल मसाला कुल 72 बल्क लीटर) कुल कीमती करीबन 33,000 रूपये बरामद की गई। बाद में पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया।

स्वच्छ भारत के तहत बच्चों ने बनाई क्लीन मुरैना की आकृति

सत्ता सुधार ■ मुरैना

नगर निगम द्वारा दिनांक 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलाए जा रहे स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत विक्टर स्कूल में स्वच्छ भारत स्वच्छ मुरैना कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नगर निगम मुरैना से नोडल ऑफीसर ज्ञानेन्द्र द्विवेदी व मनीष कुमार, निशांत, कुलदीप, भाजपा जिला स्वच्छता प्रभारी दीवान सिंह यादव, विद्यालय संचालक समीर बांदिल, प्राचार्य डी.के. शर्मा, विद्यालय का स्टाफ 450 बच्चे व निगम के अन्य कर्मचारी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य स्वच्छता के प्रति जागरूकता एवं अपने जिले को स्वच्छ बनाने के लिए निरंतर चल रहे स्वच्छ भारत अभियान को सफल बनाना था। कार्यक्रम में अतिथियों ने छात्र-छात्राओं से स्वच्छता से संबंधित संवाद किया एवं स्वच्छता के महत्व के बारे में बताया, गीला कचरा, सूखा कचरा किन रंगों के डस्टबिन में डालें व गीले कचरे से किस प्रकार खाद बनाई जाती है। इन सभी के बारे में विस्तार से बताया।

इस दौरान विद्यालय के प्राचार्य डी.के. शर्मा ने सभी छात्र-छात्राओं, शिक्षकगणों एवं उपस्थित सभी लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। इस मौके पर स्वच्छता विषय पर एक क्विज का आयोजन किया गया। छात्रों ने मानव श्रृंखला से क्लीन मुरैना लिखा। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के को-ऑर्डिनेटर अखिल श्रीवास्तव ने मौजूद सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

कलेक्टर ने ग्राम चुरहेला में चौपाल लगाकर ग्रामीणों से किया वार्तालाप

सत्ता सुधार ■ मुरैना

पिछले दिनों लगातार हुई वर्षा से फसल की स्थिति का जायजा लेने के लिए कलेक्टर अंकित अस्थाना मुरैना विकासखंड के ग्राम चुरहेला पहुंचे। चुरहेला में कलेक्टर पंचायत भवन पर बैठकर ग्रामीणों से रूबरू हुए एवं पिछले दिनों लगातार वर्षा से फसल में नुक़सान को लेकर किसानों से विस्तार से इसकी चर्चा की। कलेक्टर ने प्रमुख रूप से खाद, बीज एवं ग्रामीण क्षेत्र में मैदानी कर्मचारियों के व्यवहार के बारे में भी पूछताछ की।

चौपाल में ग्रामीणों ने एक राय होकर कलेक्टर को अवगत कराया कि बारिश के हुए नुकसान के बारे में राजस्व पटवारियों ने क्षति का आंकलन कर लिया है। रबी फसल को ध्यान में रखते हुए जिस किसान को जितनी खाद, बीज की आवश्यकता है वह उनको प्राप्त हो रही है। अभी खाद, बीज की कोई समस्या नहीं है। ग्रामीणों ने कहा कि मैदानी कर्मचारी समय पर सभी गाँवों में आते हैं। कभी किसी कृषक को कोई मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है तो अवश्य देते हैं। प्रशासनिक अधिकारियों से किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं है। भ्रमण के समय मुख्य कार्यपालिक अधिकारी जिला पंचायत डॉ. इच्छित गढ़पाले, बानमौर तहसीलदार डॉ. महेश सिंह कुशवाह सहित राजस्व अधिकारी एवं बढ़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

सहायक सचिव संगठन जनपद पंचायत पहाड़गढ़ की आम बैठक आयोजित

पहाड़गढ़। सहायक सचिव संगठन पहाड़गढ़ की आम बैठक जिला उपाध्यक्ष सौरभ सिंह सिकरवार की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें कार्य क्षेत्र में आ रही परेशानीयो को लेकर सभी सहायक सचिवों ने अपनी-अपनी बात रखी और उनके निराकरण के लिए योजना बनाई। कुछ छोटी- छोटी परेशानियों के लिए तत्काल निराकरण के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पहाड़गढ़ से दूरभाष पर दिशा निर्देश प्राप्त किए। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पहाड़गढ़ ने उन्हें तत्काल निराकरण करने के लिए भरोसा दिलाया। कुछ समस्याएं जिला स्तर एवं प्रदेश स्तर की भी सामने आई है, उनके निराकरण के लिए सभी सहायक सचिवों ने आगामी रणनीति तैयार करके जिला एवं प्रदेश स्तर पर अपनी बात रखने का संकल्प लिया। इस बैठक में मुख्य रूप से पवन दुबे, विकास श्रीवास्तव, पुष्पेंद्र भदोरिया, मनोज धाकड़, पुष्पेंद्र सिकरवार, नवल शर्मा, कालीचरण शर्मा, योगेंद्र जादौन, बंटी जाटव, रवि राठौर, रीना रिंकू कुशवाह, संजू सुरेंद्र धाकड़, सुरेश जाटव गजेंद्र धाकड़ तपन शर्मा, मनोज शर्मा, मनीष रजक, सोनू शर्मा, देवेंद्र त्यागी आदि लोग उपस्थित रहे।

डॉक्टर के पर्सनल बॉडीगार्ड ने जिला अस्पताल के सिक्यूरिटी गार्ड को पीटा, मारपीट सीसीटीवी में कैद

सत्ता सुधार ■ मुरैना

जिला अस्पताल में आए दिन कुछ ना कुछ ऐसा घटनाक्रम घटित होता है, जिससे वह सुर्खियों में आ जाता है। एक बार फिर जिला अस्पताल में पदस्थ डॉक्टर के पर्सनल सिक्योरिटी गार्ड ने अस्पताल के सिक्योरिटी गार्ड की मारपीट कर डाली और शराब के लिए रुपए मांग। अस्पताल स्टाफ ने पीड़ित के साथ कोतवाली पहुंचकर आरोपी के विरुद्ध मामला दर्ज कराया है।

बताया जाता है कि बुधवार की सुबह 8:30 बजे के लगभग अस्पताल के इमरजेंसी सेवा के यहां पदस्थ सिक्योरिटी गार्ड भूरे सिंह ड्यूटी कर रहा था, तभी पूर्व आरएमओ डॉ सुरेंद्र गुर्जर का पर्सनल सिक्योरिटी गार्ड राम शर्मा वहां शराब पीकर आया और भूरे सिंह से अभद्रता कर शराब के लिए रुपए मांगने लगा। भूरे सिंह द्वारा मना करने पर राम शर्मा ने उसे उठाकर जमीन पर पटक दिया और मारपीट कर डाली तथा धमकी दी। उक्त घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई और सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। इधर सिक्योरिटी गार्ड की मारपीट के बाद अस्पताल का स्टॉफ उसके साथ कोतवाली पहुंचा, जहां राम शर्मा के विरुद्ध मामला दर्ज कराया गया है। जिला अस्पताल में इस प्रकार की घटनाएं आए दिन देखने को मिलती हैं लेकिन यहां सुरक्षा के कोई ठोस इंतजाम नहीं हैं।

हाईवे पर ट्रैक्टर ट्रॉली का टायर फटा, लगा जाम

मुरैना। बुधवार की सुबह नेशनल हाईवे ग्वालियर मार्ग पर अनाज से भरे ओवरलोड ट्रैक्टर ट्रॉली का टायर बीच रास्ते में फट गया, जिससे ट्रैक्टर ट्रॉली वहीं रखी रह गई और नेशनल हाईवे पर लंबा जाम लग गया। बताया जाता है कि नेशनल हाइवे पर सेंट मेरी स्कूल से आगे ग्वालियर की तरफ एक ओवरलोड टैक्टर ट्रॉली का टायर फटने से बीच रास्ते में खड़ी हो गई, जिसकी वजह से बटालियन गेट तक लंबा जाम लग गया। सूचना पाकर यातायात पुलिस मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद ट्रैक्टर ट्रॉली को बीच रास्ते से हटाते हुए अवरुद्ध मार्ग को आरंभ कराया गया।

अस्पताल के कर्मचारी को ट्रक ने कुचला, मौके पर दर्दनाक मौत

मुरैना। जिले के जौरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत बुधवार की सुबह कैलारस अस्पताल में ड्यूटी पर जा रहे बाइक सवार कर्मचारी को सामने से आ रहे ट्रक ने कुचल दिया, जिससे उसकी घटनास्थल पर दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद तक चालक ट्रक सहित फरार हो गया। थाना प्रभारी ने बताया कि ट्रक का पता चल गया है और शाम तक गिरफ्तारी हो जाएगी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सिकरौदा निवासी रूप सिंह चौहान पुत्र बादशाह सिंह चौहान 56 वर्ष अस्पताल कैलारस में पदस्थ है। प्रतिदिन की तरह बुधवार की सुबह 7:00 के लगभग वह बाइक से कैलारस के लिए ड्यूटी पर निकला। बताया जाता है कि सिकरौदा से आगे हिंदुस्तान पैट्रोलियम पंप के पास कैलारस की ओर से आ रहे एलपी ट्रक के चालक ने उसे जबरदस्त टक्कर मार दी, जिससे उसकी घटनास्थल पर दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद चालक वाहन सहित फरार हो गया। पुलिस द्वारा मृतक का पीएम कराकर लाश परिजनों को सौंप दी है तथा चालक के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी उदयभान सिंह ने बताया कि ट्रक की जानकारी मिल गई है और शाम तक उसकी गिरफ्तारी कर ली जाएगी।

फसल नष्ट होने एवं जलभराव की समस्याओं को लेकर कांग्रेस ने तहसील पर किया धरना प्रदर्शन

सत्ता सुधार ■ कैलारस

जौरा विधानसभा क्षेत्र में विगत दिनों जमकर मूसलाधार वर्षा हुई, जिससे किसानों की बाजरा, तिली की फसल नष्ट हो गई। किसानों की चौपट फसलों को देखने प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा अनदेखा कर दिया और पटवारी, आर आई ,तहसीलदार अन्य अधिकारी नही पहुँचे। किसानों की अन्य समस्याओं को लेकर तहसील कार्यालय कैलारस में पहुंचकर किसान एवं कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। अब देखना यह होगा कि किसानों की नष्ट हुई फसल को लेकर प्रशासन मुआवजा दिलाने का काम करता है या नहीं। कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों, कार्यकर्ता व किसानों ने धरना दिया और एसडीएम वीरेंद्र कटारे को राज्यपाल के नाम ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन सौंपने वालों में जौरा विधायक पंकज उपाध्याय, जौरा ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजकुमार सिंह सिकरवार, डॉ. शम्मा कुरैशी कार्यकारी अध्यक्ष ब्लाक कांग्रेस कमेटी कैलारस, रामपाल सिंह सिकरवार, शिवचरण धाकड़, सतोष सोलंकी, नीरज जाटव कांग्रेस कार्यकर्ता व किसान उपस्थित रहे।

स्वच्छता ही सेवा के अन्तर्गत स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित

सत्ता सुधार ■ झुण्डपुरा

नगरपालिका परिषद झुण्डपुरा में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा है अभियान मुख्य नगरपालिका अधिकारी सुरेश सिंह गोयल के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है।

प्राप्त जानकारी अनुसार स्वच्छता सर्वेक्षण के अन्तर्गत स्वच्छता ही सेवा है 2024 अन्तर्गत अभियान प्रभारी संदीप त्यागी, हेमंत शर्मा ने नगरपालिका परिषद कार्यालय पर स्वच्छता ही सेवा है अभियान अंतर्गत जनप्रतिनिधि अध्यक्ष, उपाध्यक्ष यशकांत शर्मा, मुख्य नगरपालिका अधिकारी सुरेश सिंह गोयल ने स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया, जिसमें सफाई कर्मचारियों सहित सभी कर्मचारियों का स्वस्थ्य परीक्षण कराया गया तथा दवाईयां वितरित की गई। इस अवसर पर शहर झुण्डपुरा को स्वच्छता में नं 1 बनाने की आम नागरिक से अपील की साथ ही नगर में भी सफाई अभियान चलाया गया तथा लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई वा स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष, उपाध्यक्ष यशकांत शर्मा, अनिल सोनी, विनोद रावत, मुख्य नगरपालिका अधिकारी सुरेश सिंह गोयल, संदीप त्यागी, रामदीन जौहरी, हेमंत शर्मा, रामवरन शर्मा, विजय सिंह, नागेन्द्र मौर्य, सुनील शर्मा, मातादीन कुशवाह, कपिल दुबे, महेश सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

टाउनहॉल में वेस्ट टू आर्ट प्रदर्शनी का किया आयोजन

मुरैना। नगर निगम मुरैना द्वारा टाउनहॉल में स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत वेस्ट टू आर्ट प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने कबाड़ टू वेस्ट विषय पर प्रदर्शनी लगाई। जिनमें पेपर बैग, कपड़े के झोले आदि सामग्री का प्रदर्शन किया गया। आमजन द्वारा प्रदर्शनी की सराहना की गई। मौके पर स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई। सभी ने संकल्प लिया कि पॉलीथिन का उपयोग बिल्कुल नहीं करेंगे और पुरानी वस्तुओं को नया जीवन देते हुए पर्यावरण को साफ एवं स्वच्छ बनाने का संकल्प भी लिया।

टमाटर, मिर्ची, बैगन, फूलगोभी और पत्तागोभी की पौध ऑफ सीजन में मिल सकेगी

कलेक्टर ने नूरावाद उद्यानिकी एवं ट्रेनिंग सेन्टर का निरीक्षण किया

सत्ता सुधार ■ मुरैना

जिले के अंतर्गत उद्यानिकी विभाग के सहयोग से नूरावाद में पौध उत्पादन एवं .षक ट्रेनिंग सेन्टर का कलेक्टर अंकित अस्थाना ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में अधिकारियों ने आ रही कठिनाईयों से भी कलेक्टर को अवगत कराया। भ्रमण के समय मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. इच्छित गढ़पाले, उप संचालक कृषि पीसी पटेल, टेक्निकल वीरेन्द्र यादव सहित अन्य प्रोजेक्ट के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

विदित है कि इंडो इजराइल के मार्गदर्शन में नूरावाद में पौध उत्पादन एवं किसानों के लिये ट्रेनिंग सेन्टर तैयार किया जा रहा है। ट्रेनिंग सेन्टर में समय-समय पर इस क्षेत्र के कृषकों को ट्रेनिंग दी जायेगी और पॉलीहाउस में टमाटर, मिर्ची, बैगन, फूलगोभी और पत्तागोभी की पौध तैयार की जा रही है। आवश्यकता पड़ने पर कृषकों को ऑफ सीजन में उपलब्ध कराई जायेगी। पौध तैयार करने में कृषि वैज्ञानिकों ने आ रही कठिनाईयों के बारे में भी कलेक्टर को अवगत कराया।

कलेक्टर ने मृदा परीक्षण प्रयोगशाला का निरीक्षण किया

सत्ता सुधार ■ मुरैना

कृषि विभाग के नेतृत्व में मुरैना जिला मुख्यालय पर मृदा परीक्षण प्रयोगशाला संचालित की जा रही है। मृदा परीक्षण प्रयोगशाला में कृषकों द्वारा खेत से लाई गई मृदा का परीक्षण होता है उसके बाद रिपोर्ट कृषकों को उपलब्ध कराई जाती है। जिसका कलेक्टर अंकित अस्थाना ने बुधवार को पहुंचकर औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वयं मृदा परीक्षण करने वाले सभी यंत्रों को देखा और सितम्बर माह में कितने किसानों के खेत का मृदा परीक्षण हुआ है। उसके प्रविष्टि रजिस्टर का अवलोकन किया। निरीक्षण के समय मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. इच्छित गढ़पाले, उप संचालक कृषि पीसी पटेल, आत्मा के सहायक संचालक अनंत सड़ैया सहित मृदा परीक्षण करने वाले कृषि वैज्ञानिक भी उपस्थित थे।

दिमनी में महिला ने फांसी लगाकर खुदकुशी करने का किया प्रयास, ग्वालियर रेफर

सत्ता सुधार ■ मुरैना

जिले के दिमनी थाना क्षेत्र में बुधवार की सुबह एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया। बच्चों द्वारा देख लिए जाने पर पड़ोसियों की मदद से उसे बचाया गया और जिला अस्पताल लाया गया। जहां गंभीर हालत को देखते हुए उसे ग्वालियर रैपर किया गया है। जानकारी के अनुसार दिमनी थाना के पास ही रहने वाले भागीरथ माहौर की 45 वर्षीय पत्नी बुधवार की सुबह अज्ञात कारणों के चलते घर में फांसी लगाकर खुदकुशी करने का प्रयास कर रही थी, तभी घर में बच्चे आये तो पता चला। उसके बाद बच्चों ने पड़ोसियों की मदद से महिला को फांसी के फंदे से उतारा और उसे जिला अस्पताल लेकर आये। यहाँ इमरजेंसी ड्यूटी पर उपस्थित डॉक्टर व स्टॉफ ने इलाज किया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने महिला को गंभीर हालत में ग्वालियर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया है।

ब्रीफ न्यूज

कलेक्टर ने आर्थिक सहायता राशि की स्वीकृत

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से शहडोल के वार्ड नं. 11 निवासी श्री विवेक शुक्ला को उपचार हेतु 75 हजार रूपये, ग्राम सेमरिया जमगांव निवासी श्री शिवम गुप्ता को उपचार हेतु 20 हजार रूपये, ग्राम पड़मानिया निवासी श्री ज्ञानचंद्र गुप्ता को उपचार हेतु 40 हजार रूपये, शहडोल के वॉड नं 31 निवासी श्रीमती सुषमा तिवारी को उपचार हेतु 20 हजार रूपये की आर्थिक सहायता राषि स्वीकृत की है।

शहर की परंपरा रही है, उसके अनुरूप उत्साह और उल्लास के साथ त्यौहार मनाएं: कलेक्टर

दमोह। 03 अक्टूबर से नवरात्रि का पर्व प्रारंभ हो रहा है, इसके साथ ही दुर्गा विसर्जन, दशहरा, जवारे विसर्जन और रामदल का जुलूस निकलने का कार्यक्रम है, यह सारे कार्यक्रम 3 अक्टूबर से लेकर के 12 अक्टूबर के बीच में होने वाले हैं। सभी कार्यक्रमों को शांति सद्भाव से जैसे की अभी तक यहां पर कार्यक्रम होते आए हैं, वह मनाये जायेंगे। यह बात कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित शांति समिति की बैठक में कही। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी, विभिन्न विभागों के अधिकारीगण तथा शांति समिति के सम्मानीय सदस्यगण मौजूद थे।

लोगों में स्वच्छता को संस्कार के रूप में समाहित करने करें जागरूक: कलेक्टर

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने आज स्वच्छता ही सेवा अभियान के क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में एसईसीएल, रिलायंस व अन्य कंपनियों के प्रबंधकों के साथ बैठक ली। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि लोगों में स्वच्छता को एक संस्कार के रूप में समाहित करने के लिए प्रबंधक अपने-अपने क्षेत्रों में स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाए और सुखा, गीला कचरा के निपटान संबंधी व स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करें। उन्होंने कहा कि बावड़ियों, गली मोहल्ले व अन्य स्थानों में श्रमदान के कार्य भी किये जाए। कलेक्टर ने कहा कि प्रबंधक अपने-अपने क्षेत्रों के विद्यालयों में स्वच्छता से संबंधित निबंध प्रतियोगिता, मोटिवेशन जैसी अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित करें और प्रतिभागियों को पुरूस्कृत भी करें।

वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण के संबंध में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया

स्थापना दिवस के अवसर पर पीजी कॉलेज दमोह में विभिन्न कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

सत्ता सुधार ■ दमोह

राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस 24 सितंबर के अवसर पर महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाइयों के कार्यक्रम अधिकारियों द्वारा वॉलिंटियरो का उन्मुखीकरण किया गया तथा मेरा युवा भारत (माय भारत) अभियान के तहत स्वच्छता कार्यक्रम एवं सायबर सिक्योरिटी कार्यशाला एवं इको क्लब के अंतर्गत वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण के संबंध में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. पी. के. जैन के मार्गदर्शन में एनएसएस जिला संगठक डॉ. जितेंद्र कुमार चौधरी, डॉ.जितेंद्र धाकड़, नाज़नीन बेगम इको क्लब प्रभारी डॉ मीरा माधुरी महंत के द्वारा संपन्न कराया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की पूर्व जिला संगठक प्राध्यापक डॉ. कमल चौरसिया द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना के इतिहास, नियमित गतिविधि एवं विशेष शिवरो से संबंधित जानकारी से अवगत कराया गया। वर्तमान एनएसएस जिला संगठक डॉ जितेंद्र कुमार चौधरी द्वारा नव प्रवेशित एनएसएस वॉलिंटियरों को महाविद्यालय में संचालित एनएसएस इकाइयों की गतिविधियों से संबंधित जानकारी से अवगत कराया गया। इसी क्रम में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. जितेंद्र धाकड़ एवं नाजनीन बेगम ने स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना के लाभों से अवगत कराया। साइबर विभाग की टीम द्वारा स्वयंसेवकों को ऑनलाइन धोखाधड़ी, मोबाइल वीडियो कॉल एवं अन्य माध्यमों द्वारा की जाने वाली ठगी से विद्यार्थियों को अवगत कराते हुए सतर्क रहने का संदेश दिया गया तथा विद्यार्थियों से आशा की गई कि वह इस जानकारी को अधिक से अधिक अपने परिवार, आस पड़ोस एवं गांव के लोगों तक पहुंचने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करेंगे। इसी क्रम में मेरा युवा भारत (माय भारत) के अंतर्गत स्वच्छता कार्यक्रम तथा एक क्लब के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण कार्यक्रम महाविद्यालय परिसर में किया गया। जिसके तहत कॉलेज परिसर में पड़े कचरे के ढेर को विद्यार्थियों द्वारा साफ किया गया तथा विद्यावन में खरपतवार एवं गाजर घास को हटाया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारियों सहित विद्यार्थियों ने भाग लिया।

श्रीमद्भागवत की छठवें दिवस की कथा में हुआ कृष्ण रुक्मणि विवाह

महाराज श्री ने की नेत्रदान समिति कार्यो की सराहना

सत्ता सुधार ■ खण्डवा

गोपियों ने भगवान को गोपी गीत सुनाया गोपियों की प्रार्थना सुन भगवान ने गोपियों के साथ शरद पुर्णिमा के दिन महारास किया।जिसमें भगवान शंकर स्वयं गोपेश्वर महादेव का वेश धारण कर वृंदावन पधारे ।भगवान श्री कृष्ण ने 11 वर्ष की ब्रजलीला को विश्राम कर के मथुरा पधारे मथुरा में कंस का वध किया।उज्जैन में 84 दिन में 84 विद्या का अध्ययन किया।

भगवान की आज्ञा से सुन्दरपुरी का निर्माण हुआ जिसका नाम द्वारकापुरी पड़ा।भगवान वहां के राजा बने और भगवान ने प्रथम पाणिग्रहण माता रुक्मणि के साथ किया।उपरोक्त उदगार श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ समिति खण्डवा द्वारा 19 सितंबर से 25 सितंबर तक पुरानी अनाज मंडी प्रांगण में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के छठवें दिवस व्यासपीठ पर विराजित पंडित अंकित कृष्ण तेनगुरिया बटुक जी महाराज श्री बटेश्वर धाम विदिशा ने व्यक्त करते हुए कहे।

समिति के मीडिया प्रभारी नारायण बाहेती व सुनील जैन ने बताया कि श्रीमद भागवत ज्ञान यज्ञ समिति खण्डवा के संरक्षक हरिप्रसाद बंसल, अध्यक्ष रामस्वरूप बाहेती, सचिव शेलेंद्र अग्रवाल, कोषाध्यक्ष घनश्याम दास शाह, मुख्य जजमान ललित सेन सह जजमान ने व्यासपीठ का विधि विधान से पूजन किया।लायन्स क्लब खण्डवा व लायन्स नेत्रदान एवं देहदान जनजागृति समिति सदस्यों नारायण बाहेती, घनश्याम वाधवा,सुनील जैन, अनिल बाहेती, प्रहलाद तिरोले,अखिलेश गुप्ता,राजीव शर्मा,सुरेन्द्र सोलंकी राजेन्द्र अग्रवाल,सनत श्रीमाली ने महाराज श्री का स्वागत कर आशीर्वाद लिया।बटुक जी महाराज ने कथा में कहाकि पुण्य सलिला माँ नर्मदा का हर कंकड़ शंकर है वैसे ही वेत्रवती का एक कंकड़ हर और दूसरा हरि है।इसलिए हमें पावन नदियों की महिमा को समझना चाहिए और सभी को जल संरक्षण व संवर्धन का प्रयास करना चाहिए।गोवर्धन नाथ की पूजा के साथ जल,वन व वृक्ष का संरक्षण हमारा कर्तव्य है। कथा में लायन्स द्वारा नेत्रदान की जानकारी दी व पम्पलेट वितरित किये।

कथा में यह रहे उपस्थित

कथा में मांगीलाल जांगिड़,पंकज शाह, अनिल बाहेती, नारायण बाहेती, विनोद अग्रवाल, सुनील जैन,सुधीर दलाल, घनश्याम वाधवा,गांधी प्रसाद गदले, सुरेन्द्रसिंह सोलंकी,सुनील बंसल,आशीष चटकेले, रितेश चौहान,विजय राठी, किशन अग्रवाल, गोपाल शर्मा,ललित सेन, संदीप माहेश्वरी, आलोक राठी,कृष्णदास हुरकट,राजेन्द्र अग्रवाल, पूनमचंद शर्मा, प्रमिला शर्मा, प्रिया जाखेटीया,ओम दशोरे,योगिता माहेश्वरी,उमेश बाहेती, राजेश अग्रवाल,राजनारायण परवाल, रक्षा माहेश्वरी,गोपाल बाहेती, भगवान लड्ढा ,पंकज मुंदड़ा, के साथ ही विभिन महिला संगठनों ,लायन्स क्लब खण्डवा ,रोटरी क्लब खण्डवा ,वैश्य महासम्मेलन ,अग्रवाल , माहेश्वरी ,ब्राम्हण, महिला मंडल,सामाजिक संगठनों के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।महाआरती व प्रसाद वितरण पश्चात आज की कथा का विराम हुआ। शैलेन्द्र अग्रवाल ने सभी का आभार माना।

राज्य स्तरीय शालेय कुश्ती प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

प्रदेश के 9 संभागों के कुश्ती खिलाड़ी पहुंचे खंडवा

सत्ता सुधार ■ खण्डवा

खंडवा में पहली बार 68 वी राज्य स्तरीय शालेय - 17 और - 19 वर्ष आयु वर्ग की फ्री स्टाइल कुश्ती का आयोजन श्री रायचंद नागड़ा उत्कृष्ट विद्यालय खंडवा में किया जा रहा है, इस प्रतियोगिता में 9 संभागों के स्कूली बालक बालिकाएं कुश्ती प्रतियोगिता में भाग लेने पहुंचे हैं, समाजसेवी सुनीलजैन ने बताया की राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता का शुभारंभ खंडवा विधायक कंचन तनवे ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित कर किया, विधायक ने ध्वजारोहण कर प्रतियोगिता शुभारंभ की घोषणा की, कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उद्बोधन में विधायक खंडवा श्रीमती कंचन मुकेश तनवे ने कहा कि खेलों से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होता है उन्होंने कहा कि खेल के माध्यम से भी विद्यार्थी अपने जीवन को सफल बना सकते हैं उन्होंने प्रतियोगिता के उद्घाटन की घोषणा की साथ उपस्थित खिलाड़ियों को स्वच्छता तथा खेल भावना से प्रतियोगिता में सहभागिता की शपथ भी ग्रहण कराई और मध्यप्रदेश का ध्वज फहराया ।इस अवसर पर अपने उद्बोधन में महामंत्री अरुण सिंह मुन्ना ने कहा कि पढ़ोगे लिखोगे तो बनोगे नवाब और खेलोगे कूदोगे तो बनोगे लाजवाब।

अपने उद्बोधन जिला अध्यक्ष भाजपा सेवादास पटेल विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत किया एवं उनके माता-पिता को खिलाड़ियों के खेलने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए धन्यवाद दिया। उद्घाटन समारोह में मध्य प्रदेश कुश्ती के उपाध्यक्ष मंगल यादव ने विद्यार्थियों को फ्री स्टाइल कुश्ती के संबंध में विशेष टिप्स प्रदान की। अपने खेल जीवन के संबध में अवगत कराया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी हो खेल भावना से खेलों में भाग लेना चाहिए। कार्यक्रम के आरंभ में जिला शिक्षा अधिकारी पी. एस. सोलंकी ने विद्यार्थियों को कहा की हार और जीत खेल के दो पहलू है किसी एक के हारने पर ही दूसरा जीतता है। उन्होंने सभी अतिथियों का तथा खिलाड़ियों का स्वागत किया।

विधायक की दो टूक मेरे विस क्षेत्र के लोगों का काम समय पर करें नहीं तो नौकरी छोड़ घर जाओ

सत्ता सुधार ■ खंडवा

मध्यप्रदेश के खंडवा जिले की पंधाना विधान सभाकी विधायक छाया मोरे ने अपने पास समस्या लेकर आए लोगों की शिकायते सुनने के बाद संबंधित अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई और दो टूक कहा की गरीब क्षेत्रवासियों के कार्य समय पर नहीं हुआ तो आप अपना ट्रांसफर कहीं और कराले। मंगलवार को पंधान विधानसभा के ग्राम पंचायत सराय के 150 ग्रामीण विधायक जनसुनवाई कार्यालय पहुंचे विधायक को अपनी पिड़ा सुनाई, ग्राम पंचायत सराय के 150 ग्रामीण जिसमें महिला पुरुष शामिल थे, पंधाना विधायक अपने जन सम्पर्क कार्यालय में जनता दरबार लगाकर लोगों की समस्यायों को लेकर प्रति मंगलवार लोग की समस्याओं को लेकर जनता दरबार में समस्याओं का निराकरण करती है, ग्राम पंचायत सराय के ग्रामीणों ने विधायक छाया मोरे को प्रधानमंत्री आवास की समस्याओं से अवगत कराया और कहा कि रोजगार सहायक सचिव हमारी नहीं सुनते पूंजी पतियों को प्रधानमंत्री आवास का लाभ दिया जा रहा है लेकिन गरीब लोगों को वंचित रखा जा रहा है।

बीआरसीसी एवं नोडल वीएसी की एक दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

शहडोल। डाइट प्राचार्य श्री रमाशंकर गौतम ने जानकारी दी है कि डाइट सभागार शहडोल में जनशिक्षा केंद्र स्तरीय शैक्षिक संवाद हेतु जिले के प्रत्येक जन शिक्षा केंद्र के सीएसी (सहजकर्ता) तीन सह सहज कर्ता प्रत्येक ब्लाक के बीआरसीसी एव नोडल वीएसी की एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमे 28 सितम्बर को जन शिक्षा केंद्र स्तर पर आयोजित होनी वाले शैक्षिक संवाद के गतिविधियो पर चर्चा की गई। इस अवसर डाइट के प्रशिक्षण प्रभारी, श्री अनिल श्रीवास्तव एपीसी अनिल पटेल सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थें।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग दमोह द्वारा फूड प्रोडक्ट्स डिपार्टमेंटल स्टोर्स का किया निरीक्षण

सत्ता सुधार ■ दमोह

कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत डी.ओ. खाद्य सुरक्षा प्रशासन राकेश अहिरवाल के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत एफएसएसएआई के राष्ट्रव्यापी अनाज एवं दलहन गुणवत्ता सर्वे अभियान के तहत बाजार में उपलब्ध अनाजों एवं दलहनों में कीटनाशक की मात्रा की जांच हेतु खाद्य सुरक्षा अधिकारी माधवी बुधौलिया ने दमोह शहर में फूड प्रोडक्ट्स डिपार्टमेंटल स्टोर्स का औचक निरीक्षण किया। देशव्यापी अनाज एवं दलहन विशेष जांच अभियान के तहत दमोह शहर में किल्लाई नाका, सोफिया स्कूल के पास स्थित माही डिलाइट डिपार्टमेंटल स्टोर का औचक निरीक्षण किया गया। उक्त परिसर में संग्रहित कंपनी पैक्ड अनाज एवं दलहन की गुणवत्ता की जांच हेतु अमूल ब्रांड चना दाल, मन्ना ब्रांड कुटकी मिलेट, दावत ब्रांड बासमती चावल, सनड्रॉप ब्रांड ओट्स एवं टू एलिमेंट्स ब्रांड चिया सीड्स के नमूनें जांच हेतु लिए गए। इन कंपनी पैक्ड अनाज एवं दलहन के नमूनों को गुणवत्ता परीक्षण हेतु चोकसी लैबोरेट्रीज भेजा गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

स्वच्छता अभियान व्यक्ति को स्वच्छता हेतु जागरुक करने के लिए दिनांक 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाड़ा का किया जा रहा आयोजन

पार्षद सिल्लू रजक ने वार्ड 19 में रैली निकाल कर शपथ दिलाई

सत्ता सुधार ■ शहडोल

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी ने सभी देशवासियों से स्वच्छता को एक महाभियान बनाये जाने का आव्हान किया है। स्वच्छता को महा अभियान बनाने के उद्देश्य से शासन ने गाँव-गाँव, गली-गली में प्रत्येक व्यक्ति को स्वच्छता हेतु जागरुक करने के लिए दिनांक 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2024 तक स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया है जिसके तहत् सभी शासकीय, अशासकीय कार्यालयों, संस्थानों, सरोवर, गाँव, गली, मोहल्ले एवं अन्य सभी सार्वजनिक स्थानो में सभी के सहयोग से सफाई कार्य किया जाना सुनिश्चित किया गया है। ताकि प्रत्येक नागरिक स्वच्छता को अपने जीवन में अंगीकार करे और अपनी स्वच्छता के लिए सभी को जागरूक करे। स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत वार्ड नं. 19 में पार्षद सिल्लू रजक ने वार्डवासियों के साथ मिलकर विगत 23 तारीख को जागरूकता रैली का आयोजन तथा प्रत्येक घर, गली, मोहल्ले, वार्ड को स्वच्छ और सुंदर बनाये जाने के सम्बंध में जानकारी दी। पार्षद ने बताया कि स्वच्छता के लिए सफाई करने से ज्यादा जरूरी है कि हम गंदगी ही ना फैलायें। किसी भी प्रकार का कचरा यहाँ-वहाँ ना फेंके। उसे निर्धारित कचरे के डिब्बे में ही डाले। कोई भी ऐसा काम ना करें कि गंदगी फैले।

पार्षद एवं नगरपालिका कर्मचारी स्वच्छता मित्रो के साथ रैली के बाद शपथ दिलाये जाने का कार्यक्रम आयोजित किया और सभी उपस्थित जनो को शपथ दिलाई कि महात्मा गांधी के स्वच्छ और विकसित भारत के सपने को साकार करने में सहायक बनूँगा। गंदगी को दूर कर भारत माता की सेवा का कर्तव्य निभाऊँगा। स्वच्छता के लिए स्वयं सजग रहकर लोगों को जागरुक करूंगा। स्वच्छता के लिए हर सप्ताह श्रमदान करने को चरितार्थ करूंगा।

पेट दर्द बर्दाश्त नहीं कर पाया युवक, की आत्महत्या

सत्ता सुधार ■ शहडोल

जैतपुर थाना क्षेत्र के मझटोलिया गांव के रहने वाले सोनू सिंह पिता राम बहोर उम्र 18 वर्ष ने अपने नए पीएम आवास में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। जिस समय उसने आत्महत्या की उस समय माता-पिता व परिवार के सभी लोग पुराने घर में थे।

बताया गया कि युवक पीएम आवास में रात में सोने गया था और फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जब वह सुबह पुराने घर नहीं पहुंचा तब परिजनों ने उसकी तलाश की तो उसका शव फांसी के फंदे में लटका हुआ था। परिजनों इसे देख मामले की जानकारी पुलिस को दी है। जानकारी लगने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच मर्ग कायम कर विवेचना कर रही है।

दीपचंद्र जैन की स्मृति और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन

सत्ता सुधार ■ बकस्वाहा(छतरपुर)

स्व. श्री दीपचंद्र जैन की स्मृति और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बकस्वाहा में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर गुरुवार को सुबह 10 बजे से शाम 4:30 बजे तक चला, जिसमें लगभग पचास लोगों ने रक्तदान किया।शिविर का शुभारंभ तहसीलदार भरत पांडे, नगर निरीक्षक कृपाल सिंह मार्को, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि मोती यादव, पूर्व मंडल अध्यक्ष राजकिशोर तिवारी, ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉ. सत्यम असाटी, भाजपा नेता प्रकाश असाटी, पूर्व सरपंच विक्रम सिंह परिहार, पर्यावरण विद महेंद्र साथी, भाजपा नेता कपिल तिवारी, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष देवकीनंदन गंधर्व, नगर पालिका उपाध्यक्ष नीमा देवी राजपूत, और मुख्य

कार्यपालक अधिकारी जितेंद्र नायक की गरिमामय उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य अरविंद तिवारी ने किया। ब्लड बैंक टीम से डॉ. निकिता बजाज, जितेंद्र रैकवार (लैब टेक्नीशियन), और मकसूद बेग (लैब टेक्नीशियन) ने भी सहयोग किया।इस रक्तदान शिविर में विशेष रूप से जैन मिलन महिला ग्रुप ने सक्रियता दिखाई। नगर में पहली बार महिलाओं ने इस पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिसमें बीस से अधिक महिलाओं और बालिकाओं ने योगदान दिया। ग्राम पंचायत तेरियामार के रामराजा यादव और उनकी पुत्री मनोरमा यादव ने एक साथ रक्तदान कर सभी को प्रेरित किया। इस अवसर पर मनोरमा यादव ने कहा, ÷हम सभी को इस कार्य में आगे आना चाहिए। शिविर के संयोजक प्रकाशचंद जैन ने कहा, रक्तदान का महत्व समझना आवश्यक है। यह केवल रक्त एकत्र करने का कार्य नहीं है, बल्कि हमें एकजुट होकर समाज सेवा का संकल्प लेना चाहिए।÷ वहीं, विनोद जैन ने कहा, ÷इस शिविर का आयोजन रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से किया गया है। हमें यह समझाना होगा कि रक्तदान से किसी की जिंदगी बचाई जा सकती है। तहसीलदार भरत पांडे ने कहा, रक्तदान एक महान कार्य है। हमें इसे अपने समाज में प्रोत्साहित करना चाहिए और युवा पीढ़ी को इस दिशा में प्रेरित करना चाहिए।

यह शिविर उत्थान सेवा संस्थान बकस्वाहा द्वारा आयोजित किया गया, और संयोजक के रूप में प्रकाशचंद एवं विनोद जैन (पत्रकार) ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।इस प्रकार, इस रक्तदान शिविर ने न केवल रक्त एकत्रित किया, बल्कि सामाजिक एकता और सेवा भावना को भी प्रेरित किया।

जनसमर्थन से बनेगी हिंदी अंतर्राष्ट्रीय भाषा : कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

सत्ता सुधार ■ सागर

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के राजभाषा प्रकोष्ठ के तत्त्वावधान में विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा का समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम विश्वविद्यालय के रंगनाथन भवन में आयोजित किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शिक्षा विद् एवं प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता सुश्री शोभा पैठणकर थीं।कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की।इस अवसर पर हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी, प्रभारी कुलसचिव डॉ. एस. पी. उपाध्याय एवं संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी हिंदी अधिकारी संतोष सोहगौरा मंचासीन थे।कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य देते हुए संयुक्त कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने कहा कि हिंदी के प्रगामी प्रयोग के लिए हम सभी कटिबद्ध हैं और वह दिन दूर नहीं जब हिंदी न केवल राष्ट्रभाषा बल्कि संयुक्त राष्ट्र संघ की भाषा बनेगी. उन्होंने हिंदी पखवाड़ा में हुए विभिन्न गतिविधियों पर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।इस दौरान राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा निर्मित वृत्त चित्र का प्रदर्शन भी किया गया. अतिथियों द्वारा राजभाषा प्रकोष्ठ की पत्रिका 'भाषा-भारती' का विमोचन किया गया।

अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा हिंदी के प्रचार-प्रसार और बढ़ावा देने के लिए त्वरित गति से प्रयास किये जा रहे हैं. विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा में आयोजित विविध गतिविधियों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के उद्देश्यों से प्रेरणा लेते हुए हम सभी कार्य कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि हमें आज हिंदी की स्थिति पर चर्चा करते हुए इसके व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार करने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए जिससे यह संयुक्त राष्ट्र संघ की आधिकारिक भाषा बन सके. आज दुनिया के कई विश्वविद्यालयों में हिन्दी का पठन-पाठन हो रहा है. इसमें रोजगार के भी भरपूर अवसर हैं।आज आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का युग है।आज कम्प्यूटर बेस्ड हिन्दी टाइपिंग हो रही है।विश्वविद्यालय में हिन्दी क्लब की स्थापना की गई है जिसका उद्देश्य हिन्दी भाषी विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा से जोड़ना है और साथ ही उनकी मातृभाषाओं को अन्य भाषा-भाषियों से जोड़ना है. उन्होंने कहा कि हिन्दी को आगे ले जाने की भावना ही हिन्दी को आगे बढ़ाएगी. हिन्दी जन-जन की भाषा बने यही हमारा उद्देश्य होना चाहिए।

पं. उपाध्याय के जन्मदिन पर ललोई में चला महा सदस्यता अभियान

सत्ता सुधार ■ बांदरी(सागर)

बुधवार को युवा भाजपा नेता बांदरी मंडल के ललोई ग्राम में आयोजित भाजपा सदस्यता अभियान में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अविराज सिंह ने आज पं.दीनदयाल उपाध्याय की जन्म जयंती पर 25 सितम्बर सदस्यता महाअभियान के दिन जनप्रतिनिधियों से आह्वान किया है कि स्व पं दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती पर अपने पोलिंग बूथ पर अधिक से अधिक भाजपा की सदस्यता कराएं। उन्होंने कहा कि 1916 में पं दीनदयाल उपाध्याय जी का जन्म हुआ और बचपन से ही वे राष्ट्रवादी सोच रखते थे। पूरा जीवन उन्होंने अपने देश के प्रति समर्पित किया, जनसंघ से जुड़कर महामंत्री बने, उन्होंने साम्यवाद और समाजवाद को देश के लिए सबसे बड़ा संकट बताया था। एकात्मक,मानववाद,हिंदुत्व की विचारधारा, और भारत की संस्कृति को उन्होंने आगे बढ़ाया।

भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता अविराज सिंह ने कहा है कि पार्टी के सदस्यता अभियान से जुड़कर खुरई विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ता देश के विकास का मार्ग प्रशस्त करें। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्वच्छ भारत अभियान, प्रधानमंत्री आवास योजना, किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना जिसमें सभी गरीब परिवारों में मुफ्त में बिजली मिलेगी, और उनके छत पर सरकार सोलर पैनल लगायेगी, जिससे बिजली का बिल न के बराबर आयेगा। उन्होंने कहा कि भूस्वामी अधिकार पट्टे 267 हितग्राहियों को मिल चुके है। संबल योजना का लाभ भी हमारे क्षेत्र के लोगों को मिल रहा है और क्षेत्र के हर एक व्यक्ति को आगे भी योजनाओं का लाभ मिलेंगा।

उन्होंने कहा कि कश्मीर में धारा 370 हटने के बाद, एकता यात्रा निकलने के बाद, लाल चौक में श्रीनगर में पूरे गर्व के साथ भारत का झंडा लहरा रहा है। यह सब भारतीय जनता पार्टी की सरकार कर सकती है। इसलिए जरूरी है कि राष्ट्रवाद की भावना से जुडे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से जुड़े। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रयासों से आज भारत देश कई क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है।

अविराज सिंह ने कहा कि भारत सरकार ने महिला आरक्षण बिल को पारित किया है जिससे स्कूलों, विद्यालयों में 33 प्रतिशत आरक्षण, कॉलेजों में 30 प्रतिशत आरक्षण का लाभ ले सकेंगे। उन्होंने युवाओं से कहा कि आप लोगों को भी राजनीति में रुचि होगी इसके लिए विधानसभा और लोकसभा में 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित कर दी गई हैं। उन्होंने कहा आपके भूपेन्द्र भैया ने सपना देखा कि खुरई विधानसभा से युवक, युवतिया आगे बढ़कर विधायक, मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री बने।

अविराज सिंह ने युवाओं से कहा कि ''संघर्षों के साए में इतिहास हमारा पलता है जिस ओर जवानी चलती है उस ओर ज़माना चलता है'' यह हमारे युवाओं की विचारधारा होनी चाहिए। इसलिए ज्यादा से ज्यादा लोग भारतीय जनता पार्टी की जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़े। क्योंकि भारतीय जनता पार्टी हर वर्ग को लेकर चलती है। उन्होंने उपस्थित युवाओं से आव्हान किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह के विकास का मार्ग प्रशस्त करते हुये भाजपा के सदस्यता अभियान से जुडे।

कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष बुंदेल सिंह, मंडल अध्यक्ष पप्पू मुकद्दम, सरपंच बादल सिंह, वीर सिंह, हरनाम सिंह, रामकुमार सिंह, राम अवतार सिंह, हेमंत सिंह, उदयराज सिंह, प्रदीप यादव, गजराज सिंह, बिहारी सिंह, मनिराम जी, साहब सिंह,मेखराज सिंह, सनमान सिंह, नागेन्द्र सिंह, भगत सिंह, भरत सिंह, गुलाब सिंह, दिनेश सिंह, बाबू सिंह, नीरज राय, सौरभ साहू, वकील लोधी, रामसरन, नितिन ठाकुर, भागवत पटेल, कृष्णकांत सिंह, बालमुकुन्द, श्रीमती राजेश्वरी जी, उपस्थित थे।

योग करने से शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहते हैं: योग प्रशिक्षक पं. बृजेश शर्मा

सत्ता सुधार ■ बीना(सागर)

आवासीय संस्कृत विद्यालय श्री देव रघुनाथ ट्रस्ट बड़ा मंदिर के विद्यार्थियों को प्रत्येक दिन सुबह 5 से 6 बजे तक निःशुल्क योगाभ्यास कराया जा रहा है। योगाभ्यास जिला योग समिति उपाध्यक्ष योग प्रशिक्षक पं. बृजेश शर्मा करा रहे हैं। ने बताया कि बीना में मंदिर के महंत महामंडलेश्वर महंत श्री श्री 1008 श्री राधा मोहन दास जी के विशेष आग्रह पर आवासीय संस्कृत विद्यालय के विद्यार्थियों को एक माह का योग प्रशिक्षण दिया जा रहा है जिसमें अभी तक बहुत सारे विद्यार्थी कठिन आसनों का अभ्यास भी करने लगे है नित्य योगाभ्यास से उनके जीवनचर्या में भी परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं। इन्हीं विद्यार्थियों में से एक को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि वह शिविर अवधि समाप्त होने के बाद कक्षा को निरन्तरता प्रदान कर सके। इनके द्वारा किए हुए कठिन योगासनों के चित्र भी आपको प्रेषित करूंगा।इस दौरान योग से होने वाले लाभों को बताकर नियमित योग करने विद्यार्थियों को प्रेरित किया जा रहा है। योग प्रशिक्षक ने बताया कि योग करने से शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहते हैं, इसलिए सभी को नियमित योग करना चाहिए।

तम्बाकू मुक्त युवा कैंपेन 2.0,तम्बाकू समाप्ति क्लीनिक का शुभारंभ

सागर। मनोरोग विभाग मे तम्बाकू मुक्त युवा कैंपेन 2.0 के उपलक्ष्य में तम्बाकू समाप्ति क्लीनिक का शुभारंभ बीएमसी सागर में किया गया। क्लीनिक के द्वारा तम्बाकू नशे से पीड़ित रोगियों का उपचार एवं काउंसिल प्रदान की जाएगी एवं तम्बाकू, गुटखा, बीड़ी, सिगरेट के द्वारा होने वाली बिमारियों के बारे में समझाइश दी जाएगी एवं तम्बाकू नशा एवं सभी प्रकार के नशे छुड़वाने का प्रयास किया जाएगा। उद्घाटन में अधिष्ठाता डॉ पी.एस. ठाकुर, अधीक्षक डॉ. राजेश जैन, डॉ. प्रवीन खरे एवं डॉ. संजय प्रसाद एवं समस्त मनोरोग विभाग स्टाफ उपस्थित थे। इसके साथ आज बी.एम. सी. सागर में एलटी एफ1 में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के निर्देशानुसार तम्बाकू समाप्ति क्लीनिक का वर्चुअल उद्घाटन किया गया जिसमें यूजी पीजी एवं नर्सिंग के छात्र एवं छात्राओं ने भाग लिया।

रनिंग स्टाफ द्वारा जताया गया लाईन बॉक्स बंद किए जाने के निर्णय का विरोध

सत्ता सुधार ■ सागर

विगत दिनों रेल प्रशासन द्वारा रनिंग स्टाफ के लाईन बाक्स बंद करने का फरमान जारी किया गया। जिसके विरोध में वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे मज़दूर संघ के आह्वान पर पश्चिम मध्य रेल के तीनों मंडलों जबलपुर, भोपाल, कोटा के सभी लोको पायलट, सहायक लोको पायलट, ट्रेन मैनेजरों द्वारा दिनांक 24 से 30 सितंबर तक ड्यूटी पर काली पट्टी लगाकर लाइन बॉक्स बंद किए जाने के निर्णय का विरोध किया जाएगा।इसी तारतम्य में वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे मज़दूर संघ शाखा सागर के सचिव डॉ. मु. शमशाद के नेतृत्व में रनिंग स्टाफ के लोको पायलट,सहायक लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर ने काली पट्टी बांध कर ड्यूटी करके लाईन बॉक्स बंद किए जाने के प्रशासनिक निर्णय पर विरोध प्रकट किया। कार्यक्रम में वेस्ट सेन्ट्रल रेल्वे मज़दूर संघ शाखा सागर के सचिव डॉ मो शमशाद, सहायक सचिव आर एस पाल, कोषाध्यक्ष राघवेन्द्र सिंह दीवान, कार्यकारिणी सदस्य अमित कुमार अग्रवाल, सचिन भाईजी आदि उपस्थित रहे। यूथ विंग के कोषाध्यक्ष राकेश कुमार शुक्ला, महिला इकाई की अध्यक्ष विद्या देवी कार्यकारिणी सदस्यअरशद खान द्वारा विरोध स्वरूप पोस्टर लगाए गए।

श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ आज से प्रारंभ निकली भव्य कलश यात्रा

सत्ता सुधार ■ बीना(सागर)

बीना में बुधौलिया परिवार द्वारा श्रीमद् भागवत महापुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ बुधवार से प्रारंभ हुआ जो 2 अक्टूबर तक चलेगा।सर्वप्रथम बुधवार को दुर्गा मंदिर सर्वोदय चौराहा से भव्य कलश यात्रा प्रारंभ हुई जो सर्वोदय चौराहा से कॉलेज तिराहा गांधी तिराहा महावीर चौक से से कथा स्थल एरीसेंन्ट कॉलेज पंचमुखी हनुमान के पास पहुंची जहां पर व्यास पीठासीन अचार्य अनुज कृष्ण महाराज वृंदावन धाम ने भागवत कथा का पितृपक्ष में क्या महत्व होता है सुनते हुए कहा कि पितृपक्ष में श्रीमद् भागवत कथा पढ़ने और सुनने की परंपरा है। ऐसी मान्यता है कि इस कथा की वजह से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है और सुनने वाले लोगों का मन शांत होता है, महर्षि वेद व्यास ने महाभारत ग्रंथ की रचना की थी। इस सबसे बड़े ग्रंथ की रचना करने के बाद भी वेद व्यास जी के मन को शांति नहीं मिल रही थी। वे उदास रहने लगे थे। उस समय नारद मुनि वेद व्यास जी के पास पहुंचे।नारद मुनि ने व्यास जी को निराश देखा तो उनसे इसकी वजह से पूछी। व्यास जी ने जवाब दिया कि मैंने महाभारत जैसे ग्रंथ की रचना की है, लेकिन मेरा मन अशांत ही है।

थाना जीआरपी बीना ने मध्य प्रदेश के पांच थानों के शातिर अपराधी, गैंग हिस्ट्रीशीटर का सदस्य संदीप रघुवंशी उर्फ वीरू को गिरफ्तार कर जेल भेजा

सत्ता सुधार ■ बीना(सागर)

थाना प्रभारी टीआई बबीता कठेरिया द्वारा मुखविर की सूचना एक टीम गठित की, जिसके बाद 8 महीने से फरार चल रहे स्थाई वारंटी अपराधी संदीप रघुवंशी उर्फ़ वीरू को दबिश देकर सतना से गिरफ्तार किया हैं ढू आरोपी वीरू के थाना जीआरपी बीना मे अपराध क्रं .47/17 धारा 356, 380 आईपीसी 148/17 धारा 392 आईपीसी 149/17 धारा 379 आईपीसी 180/17 धारा 392 आईपीसी 188/17 धारा 379 आईपीसी 192/17 धारा 356,379 आईपीसी 196/17 धारा 380 आईपीसी 190/17 धारा 380 आईपीसी दर्ज हैं। थाना जीआरपी बीना के आलावा जीआरपी के अन्य थाना - सतना , मुरैना, ग्वालियर , भोपाल मे भी आपराधिक प्रकरण दर्द हैं उक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी निरीक्षक बबीता कठेरिया, प्रआर. महेंद्र सिंह, आरक्षक नन्ने सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

मामला देवरी की ग्राम पंचायत डोभी का

गोचर की भूमि पर से अतिक्रमण हटाए जाने की मांग को लेकर एसडीएम कार्यलय में की शिकायत

सत्ता सुधार ■ देवरी(सागर)

ग्राम पंचायत डोभी के सरपंच कपिल बडगाइयां द्वारा एसडीम एवं जनपद पंचायत की सीईओ देवरी को शासकीय चारागाह की भूमि पर अवैध रूप से कब्जा किए हुए ,व्यक्ति के द्वारा झूठी शिकायत करने एवं कब्जा हटाने की मांग को लेकर आवेदन दिया गया है।आवेदन में लेख किया गया है कि ग्राम सिमरिया निवासी महेंद्र पटेरिया द्वारा ग्राम पंचायत डोभी के सलैया दुवे में शासकीय गोचर की भूमि जिसमें करीब 6 हेक्टेयर भूमि पर इनके द्वारा अवैध रूप से कब्जा किया गया है,जिसमें गांव के मवेशी सड़कों पर घूम रहे हैं और इनके द्वारा इस अवैध कब्जे की भूमि पर अवैध रूप से मुरम का उत्खनन किया गया है।अवैध उत्खनन के कारण शासकीय भूमि में बडी बडी खाईयां बन गई है,वही इसी चारागाह की भूमि खसरा 128/1 में ग्राम पंचायत डोभी द्वारा तीन फील्ड पॉइंट का निर्माण कराया गया है, जिनमें 1, कमलेश प्रजापति के खेत के पास,2, पटेरिया के खेत के पास 3, प्रकाश प्रजापति के खेत के पास इन सभी का निर्माण विधि पूर्वक टीएस करा कर मजदूरों के माध्यम से कराया गया है और इनका भुगतान कराया गया है।जबकि श्री पटेरिया द्वारा पटेरिया के खेत के पास खुदे फील्ड प्वाइंट को पटेरिया के खेत में समझकर झूठी शिकायत की जा रही है। की उनके खेत में खोदे गए तालाबों के नाम पर फर्जी भुगतान किया गया है,जबकि ऐसा नहीं हुआ है वही सरपंच ने आरोप लगाया है कि महेंद्र पटेरिया द्वारा उनके द्वारा अवैध मुरम बेचने के बाद जो तालाब निर्मित हुए हैं उनकी टी एस करा कर उनका फर्जी भुगतान करने के लिए अनैतिक दबाव बनाया जा रहा था,जब सरपंच सचिव ने फर्जी भुगतान के लिए मना कर दिया तब उन्होंने सरपंच एवं सचिव से डेढ़ लाख रुपए की मांग भी की थी और पैसे ना देने की एवज में झूठी शिकायत करने की धमकी भी दी थी जब सरपंच सचिव द्वारा पैसे नहीं दिए गए तो उनके द्वारा झूठी शिकायतें की जा रही हैं सरपंच सचिव ने मांग की है कि ग्राम पंचायत डोभी में बनाए गए फील्ड प्वाइंटों का भौतिक सत्यापन कराया जाए एवं शासकीय भूमि पर किए गएअवैध कब्जे को हटाया जाए और जांच उपरांत जो भी दोषी हो उसे पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाए।जब इस संबंध में महेंद्र पटेरिया से बात की तो उन्होंने बताया की ग्राम सलैया दुवे में मेरी पैतृक भूमि है मेरे द्वारा सरकारी भूमि पर किसी तरह का अतिक्रमण नही किया गया है।

जनसुनवाई में बिजली विभाग से संबंधित आई 09 शिकायतें

सागर। कलेक्टर कार्यालय में प्रति मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई में सभी विभाग प्रमुखों के साथ कलेक्टर स्वयं भी उपस्थित रहते है।मगलवार को आयोजित जनसुनवाई में बिजली विभाग के अधीक्षण अभियन्ता डी. एन. चौकीकर कलेक्टर के साथ स्वयं उपस्थित थे जहां पर बिजली विभाग से संबंधित केवल 09 शिकायती आवेदन आये जिन्हें संबंधित कार्यालय भेजकर शीघ्र निराकरण के निर्देश दिये गये है।अधीक्षण अभियन्ता चौकीकर ने बताया कि जिले में बिजली उपभोक्ताओं की बिल संबंधी शिकायतो जैसे गलत मीटर रीडिंग, मीटर बंद, अधिक बिल, रीडिंग नहीं ली गई इत्यादि प्रकार की समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु पूरे जिले में प्रत्येक मंगलवार को वितरण केन्द्र एवं जोन स्तर पर भी जनसुनवाई शिविर आयोजित किये जाते है जिनमें मौके पर ही बिल संबंधी समस्याओं का शिकायत अनुसार सुधार कर उनका निराकरण किया जाता है।श्री चौकीकर ने बताया कि इस मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय जनसुनवाई में 09 शिकायत आवेदन एवं जिले भर में बिजली कार्यालयों में आयोजित जनसुनवाई शिविरों मे 183 शिकायतो सहित कुल 192 शिकायते आई जिनमें से 159 का तुरंत निराकरण किया गया शेष 33 शिकायतों का शीघ्र समय सीमा में निराकरण किया जावेगा। उन्होनें बताया कि सागर शहर में कुल 46 शिकायते आई।

ब्रीफ न्यूज

ग्रीन पार्क में बदले-बदले से होंगे हालात

मुम्बई। भारत और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला 27 सितंबर से कानुपर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेला जाएगा। भारतीय टीम इस सीरीज में अभी 1-0 से आगे है और उसका लक्ष्य दूसरा मैच भी जीतकर 2-0 से सिरीज पर कब्जा करना रहेगा। वहीं मेहमान टीम बांग्लादेश दूसरे मैच को जीतकर वापसी करने उतरेगी हालांकि ये इतना भी आसान नहीं होगा। इसका कारण है कि कानपुर में हालात काफी बदले-बदले से होंगे। यहां की पिच चेन्नई की पिच से काफी अलग है, ऐसे में अंतिम ग्यारह भी अलग होना तय है। जहां चेन्नई टेस्ट की पिच लाल मिट्टी वाली थी वहीं कानपुर में काली मिट्टी का उपयोग हुआ है। मिट्टी अलग होने की वजह से पिच भी अलग तरीके की होगी। कानपुर में पिच फ्लैट रहेगी और उछाल कम होगा। वहीं समय के साथ ही विकेट सपाट होता जाएगा। पहले टेस्ट में स्पिनर छाये रहे थे। इस कारण दोनो ही टीमों ने दो-दो स्पिनर शामिल किये थे और वे सफल भी रहे थे पर कानपुर में विकेट समय के साथ धीमा होता जाएगा। ऐसे में यहां भी स्पिनरों को सहायता मिल सकती है जिससे टीम दो से अधिक स्पिनर शामिल कर सकती हैं। भारतीय टीम ने पहले टेस्ट में आर अश्विन और रवींद्र जडेजा को शामिल किया था पर यहां तीसरे स्पिनर के तौर पर कुलदीप यादव को भी शामिल किया जाएगा।

भारत- बांग्लादेश के बीच 6 अक्टूबर से शुरु होगी टी20 सीरीज

मुम्बई। भारत और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज समाप्त होने के बाद एक टी20 सीरीज खेली जाएगी। दोनो ही टीमों के बीच टी20 सीरीज 6 अक्टूबर को शुरु होगी और इसमें 3 टी20 मुकाबले खेले जाएंगे। पहला टी20 6 अक्टूबर को, दूसरा 9 अक्टूबर को और तीसरा टी20 12 अक्टूबर को खेला जाएगा। इस सीरीज में भारतीय टीम का पलड़ा भारी है। अंतिम बार दोनों टीमें टी20 विश्वक कप 2024 में आमने-सामने आई थीं जहां भारतीय टीम को 50 रनों से जीत मिली थी। टी20 सीरीज की लाइव स्ट्रीमिंग होगी । इसके अलावा इसे ओटीटी पर भी देखा जा सकेगा। इस सीरीज के लिए अभी तक दोनों टीमों की घोषणा नहीं हुई है।

चार साल के करियर में अर्जुन तेंदुलकर ने करोड़ों रुपये कमाये

मुम्बई। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर अभी तक भारतीय टीम में तो जगह नहीं बना पाये हैं पर घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में खेलकर काफी संपत्ति बनाने में सफल रहे हैं। अर्जुन पहले मुंबई और अब गोवा की ओर से खेलते हैं। अर्जुन ने 2021 में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियंस की ओर से भी खेला था। तब उन्हें मुम्बई ने नीलामी में 20 लाख रुपये में खरीदा था। वहीं 2022 की मेगा नीलामी में, उन्हें फिर से मुंबई इंडियंस ने 30 लाख रुपये में बनाये रखा। 2023 के आईपीएल सत्र में, अर्जुन ने कोलकाता नाइट राइडर्स की ओर से खेला। 2024 तक, अर्जुन की कुल संपत्ति लगभग 21 करोड़ रुपये पहुंच गयी है।

कंगारुओं का एक साल से जारी जीत का सिलसिला रुका

हैरी के शतक से इंग्लैंड ने तीसरे एकदिवसीय में ऑस्ट्रेलिया को हराया

एजेंसी ■ चेस्टर ली स्ट्रीट

कप्तान हैरी ब्रूक के शानदार शतक से इंग्लैंड ने 5 मैचों की एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज के तीसरे मुकाबले में विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को हरा दिया। इस हार के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम का पिछले एक साल से चला आ रहा जीत का सिलसिला रुक गया। ऑस्ट्रेलियाई टीम को लगातार 14 जीत के बाद पहली हार मिली है। हैरी ने इस मैच में आक्रामक बल्लेबाज करते हुए नाबाद 110 रन बनाये। इस जीत के साथ ही इंग्लैंड ने सीरीज में वापसी भी कर ली है हालांकि वह सीरीज में अभी भी 1-2 से पीछे है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले दोनो मैच जीते थे। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 304 रन बनाये। इसके बाद जीत के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने आक्रामक बल्लेबाजी की। इसका कारण था कि मैच में बारिश का साया मंडरा रहा था। हैरी ने शुरुआती विकेट गिरने के बाद भी तूफानी खेल जारी रखा। जिससे 38वें ओवर में जब बारिश आई तो इंग्लैंड की टीम डकवर्थ लुइस नियम के अनुसार लक्ष्य से 46 रन आगे पहुंच गयी। इस प्रकार उसने ये मैच 46 रनों से जीत लिया। ऑस्ट्रेलिया की टीम को करीब एक साल बाद हार का सामना करना पड़ा है।

इंग्लैंड की जीत में हैरी ब्रूक के अलावा विल जैक्स की भी अहम भूमिका रही। जब ये दोनो बल्लेबाजी कर रहे थे तब टीम ने 11 रनों पर ही 2 विकेट खो दिये थे। ऐसे में इन दोनों बल्लेबाजों ने गेंदबाजों पर हमला बोल दिया। इसका अंदाजा इसी से लगता है कि हैरी और जैक्स ने 147 गेंद में 6 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 156 रन बना दिये।

जैक्स ने 82 गेंद में 84 रन बनाए। उनके आउट होने के बाद जैमी स्मिथ भी 7 रन ही बना पाये। हैरी 94 गेंद पर 110 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं लियाम लिविंग्सटन ने 20 गेंद पर 33 रन बनाये। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने एलेक्स कैरी 77और स्टीव स्मिथ 60 के अर्धशतकों की सहायता से 7 विकेट पर 304 रन बनाए। इसके अलावा ग्लेन मैक्सवेल 30 और एरॉन हार्डी 44 ने भी अंत में अच्छी बल्लेबाजी की।

सिंधु का लक्ष्य 2026 एशियाई खेलों में बेहतर प्रदर्शन करना

हैदराबाद। महिला बैडमिंटन स्टार शटलर पीवी सिंधु का लक्ष्य 2026 में होने वाले एशियाई खेलों में बेहतर प्रदर्शन करना है। इसके लिए वह कोच की तलाश भी कर रही हैं। वह इस सत्र की शुरुआत अर्कटिक ओपन से करेंगी। इसके लिए अभ्यास करने ही वह हैदराबाद लौटी हैं। सिंधु का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा। सिंधु इस बार पेरिस ओलंपिक में कोई भी पदक नहीं जीत पायी पर वह इससे निराश नहीं है। सिंधु के नाम दो ओलंपिक पदक है। इस खिलाड़ी ने साल 2016 के रियो ओलंपिक में रजत और 2021 के टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। पेरिस ओलंपिक में वह क्वार्टर फाइनल में ही बाहर हो गयीं थीं। सिंधु लॉस एंजेलिस ओलंपिक तक 33 साल की हो जाएंगी।

मुरलीधरन के रिकार्ड के करीब पहुंचने के लिए अश्विन-लायन में है मुकाबला

एजेंसी ■ कानपुर

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन अभी टेस्ट क्रिकेट में 522 विकेट लेकर सबसे अधिक विकेट लेने वाले सात गेंदबाजों में शामिल है। अश्विन ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में छह विकेट लिए। ऐसे में माना जा रहा है कि अश्विन ऐसे ही गेंदबाजी करते रहे तो वह श्रीलंका के दिग्गज मुथैया मुरलीधरन का 800 टेस्ट विकेट का रिकॉर्ड तोड़ सकते है हालांकि ये इतना आसान भी नहीं है। 800 विकेट तक पहुंचने के लिए अश्विन को अभी कम से कम 40-50 टेस्ट और खेलने होंगे पर 38 साल की उम्र में यह असंभव सा नजर आता है। इस कारण है कि टेस्ट मैचों की संख्या भी लगातार घट रही है। अश्विन ने अपने 13 साल के करियर में सिर्फ 101 टेस्ट खेले हैं, जो यह संकेत देता है कि 800 विकेट का रिकार्ड हासिल करना उनके लिए बेहद मुश्किल है। वहीं ऑस्ट्रेलिया के नाथन लायन ने 129 टेस्ट मैचों में 530 विकेट लिए है और उनके मुरली के करीब पहुंचने की अधिक संभावना है। क्योंकि ऑस्ट्रेलिया भारत की तुलना में अधिक टेस्ट मैच खेलता है। फिर भी अभी के औसत और स्ट्राइक रेट को देखते हुए, लायन के लिए भी यह लक्ष्य असंभव सा है। अंत ऐसे में मुरलीधरन का 800 विकेट का रिकॉर्ड अभी बना रहेगा। सात गेंदबाजों में लायन और अश्विन के अलावा अन्य सभी ने संन्यास ले लिया है। ऐसे में अब अश्विन और लायन में ही मुकाबला है।

दोनों मौजूदा समय के सबसे सफल ऑफ स्पिनर माने जाते हैं। अश्विन ने अब तक 101 टेस्ट मैचों में 522 विकेट लिए हैं, जबकि लायन ने 129 टेस्ट मैचों में 530 विकेट चटकाए हैं। अश्विन का स्ट्राइक रेट 50.51 है, यानी वे हर 50 गेंद पर एक विकेट लेते हैं, जबकि लायन का स्ट्राइक रेट 61.81 है।

ऋषभ की धमाकेदार वापसी देखकर डरे हुए हैं कमिंस

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई स्टार ऑलराउंडर पैट कमिंस पंत ने कहा है कि भारतीय टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने टेस्ट क्रिकेट में धमाकेदार वापसी की है। ऐसे में वह इस साल के अंत में होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में भी अहम भूमिका निभा सकते हैं। कमिंस ने कहा कि जिस प्रकार कार हादसे के बाद भी इस भारतीय बल्लेबाज ने खेल में आक्रामक वापसी की है उसको लेकर वह डरे हुए हैं। ऋषभ ने बांग्लादेश के खिलाफ चेन्नई टेस्ट में तेजी से शतक जमाया। उन्होंने दूसरी पारी में 109 रन बनाए। भारत ने साल 2018-19 में ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में टेस्ट सीरीज में हराकर इतिहास रचा था। इसके बाद टीम इंडिया ने 2020-21 में भी ये कारनामा जारी रखा था। तब ऋषभ ने दो मैचों में अहम पारियां खेल ऑस्ट्रेलिया की जीत को हार में बदल दिया था। वहीं इस इस बार भारतीय टीम ये सीरीज जीतकर ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीतने की हैट्रिक लगाना चाहेगी। कमिंस ने सीरीज की शुरुआत से पहले कहा कि, हर टीम के पास कुछ ऐसे खिलाड़ी होते हैं जो मैच छीन सकते हैं और ऋषभ ऐसा ही एक खिलाड़ी है। उन्होंने कहा कि, हर टीम के पास एक या दो ऐसे खिलाड़ी होते हैं जो मैच को चलाते हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया के पास ट्रेविस हेड और मिचेल मार्श जैसे आक्रामक खिलाड़ी हैं। उनके पास भी मैच में बदलाव लाने की क्षमता है। ऋषभ रिवर्स लैप खेलता है, यह एक अविश्वसनीय शॉट है पर यह उसके खेल का हिस्सा है।

एमसीसी ने भारत-इंग्लैंड लॉर्ड्स टेस्ट के लिए टिकटों के दाम घोषित किये

एजेंसी ■ लंदन

मेरिलबोर्न क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने अगले साल भारत के साथ होने वाली सीरीज के लिए टिकटों की कीमतें तय कर दी हैं। इसी के तहत ही लॉर्ड्स टेस्ट के पहले तीन दिनों के लिए न्यूनतम 90 यूरो (तकरीबन 8400 भारतीय रूपये टिकट रखा गया है जबकि प्रमुख स्टैंड्स के टिकटों की कीमत 120 यूरो से 175 यूरो (करीब 11,200 रूपये से 16,330 रूपये) रखी गयी है। इस प्रकार की राशि को लेकर लोग नाराज हैं। उनका कहना है कि इस साल श्रीलंका के ख़िलाफ़ हुए लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान भी कुछ प्रमुख स्टैंड्स के टिकट 115 यूरो से 140 यूरो लगभग 10,730 रूपये से 13065 रूपये के टिकट मूल्य रखे गये थे जिसके कारण कई स्टैंड्स खाली थे। ऐसे में चौथे दिन का खेल देखने के लिए केवल 9000 टिकट ही बिक पाये थे। ये स्टेडियम की क्षमता के एक-तिहाई से भी कम था। वहीं तब एमसीसी को चाय के बाद के टिकट का दाम 15 यूरो (1400 रूपये) और 5 यूरो (470 रूपये) (अंडर-16 के लिए) करना पड़ा, लेकिन तब तक काफ़ी समय हो गया था। मैच के बाद इंग्लैंड के कप्तान ऑली पोप ने कहा था, यह टेस्ट मैच का अच्छा दिन था पर स्टेडियम भरा हुआ नहीं था जिससे हमें निराशा हुई। तब एमसीसी के मुख्य कार्यकारी और सचिव जी लेवेंडर ने कहा कि हम चौथे दिन के टिकट की कीमतों का एक बार फिर मूल्यांकन करेंगे। वहीं भारत के ख़िलाफ़ मैच के चौथे दिन के खेल के लिए 90 यूरो (8400 रूपये) से 150 यूरो (14000 रूपये) के टिकट को रखा जाएगा। एमसीसी कहना है कि इंग्लिश टेस्ट कैलेंडर में ऑस्ट्रेलिया के बाद भारत दूसरी सबसे बड़ी मेहमान टीम है। इसके कारण टिकट के दाम अधिक रहेंगे।

सबसे पुराना वैश्विक टूर्नामेंट है एक दिवसीय महिला विश्वकप

एजेंसी ■ मुम्बई

एकदिवसीय महिला विश्व कप क्रिकेट सबसे पुराना वैश्विक टूर्नामेंट है। कई लोगों को इससे हैरानी होगी पर ये सही है। सबसे पहले महिला टीमों के बीच ही विश्वकप मुकाबला हुआ था तब केवल सात टीमें ही इसमें शामिल थी। ये विश्व कप 1973 में खेला गया था। जबकि पुरुष क्रिकेट का पहला एकदिवसीय विश्व कप 1975 में खेला गया था। जहां पहला क्रिकेट विश्व कप इंग्लैंड की महिला टीम ने अपनी मेजबानी में जीता था। वहीं पुरुषों का पहला एकदिवसीय विश्वकप इंग्लैंड में 1975 में वेस्टइंडीज ने जीता था। तब फाइनल मैच ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच लॉर्ड्स में खेला गया था। वहीं पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला भी सबसे पहले महिला टीमों के बीच खेला गया था। यह मुकाबला 5 अगस्त 2004 को इंग्लैंड और न्यूजीलैंड महिला टीम के बीच हुआ था। इसमें न्यूजीलैंड की टीम को जीत मिली थी। वहीं पुरुष टीमों के बीच पहला टी20 मुकाबला ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच ऑकलैंड में 17 फरवरी 2005 को खेला गया था। इस मुकाबले को ऑस्ट्रेलिया ने जीता था। वहीं

इसके अलावा एकदिवसीय प्रारुप का पहला टाई मुकाबला भी महिला क्रिकेट में खेला गया। न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच यह मुकाबला ऑकलैंड में 10 जनवरी 1982 को खेला गया। न्यूजीलैंड ने इस मैच में 60 ओवर में 9 विकेट पर 147 रन बनाए थे। इसके बाद इंग्लैंड की टीम ने 8 विकेट पर 147 रन ही बनाए! एकदिवसयी क्रिकेट में पहला दोहरा शतक भी एक महिला क्रिकेटर ने लगाया था। यह ऑस्ट्रेलिया की बेलिंडा क्लार्क ने 16 दिसंबर 1997 को डेनमार्क के खिलाफ 155 गेंद में 229 रन बनाकर लगाया। वहीं पुरुष क्रिकेट की बात करें तो सचिन तेंदुलकर ने 24 फरवरी 2010 को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नाबाद 200 रन बनाए थे

सभी प्रारुपों खेलना चाहता हूं : ब्रेविस

जोसंसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के युवा क्रिकेटर डेवाल्ड ब्रेविस का लक्ष्य आने वाले समय में सभी प्रारुपों का एक बेहतर खिलाड़ी बनना है। बेबी डिविलियर्स के नाम से लोकप्रिय हुए ब्रेविस के अनुसार इसके लिए वह अपनी ओर से पूरा प्रयास करेंगे। ये क्रिकेटर वेस्टइंडीज में 2022 आईसीसी अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप में 2 शतक और 3 अर्द्धशतक लगाने के बाद से ही सबकी नजरों में आया था। तब इस क्रिकेटर ने 6 पारियों में 84.33 की औसत से 506 रन बनाये थे। उन्होंने इसी के साथ ही पुरुष अंडर-19 विश्व कप के एक संस्करण में सर्वाधिक रनों के शिखर धवन के रिकॉर्ड 505 रनों को भी पीछे छोड़ दिया है। वहीं इस क्रिकेटर ने अब तक 12 प्रथम श्रेणी मैचों में 37.45 की औसत से 749 रन बनाए हैं, जिसमें 2 शतक और 4 अर्द्धशतक शामिल हैं। लिस्ट ए क्रिकेट में उनके नाम 17 मैचों में 41.68 के औसत से 667 रन हैं, जिसमें दो शतक और इतने ही अर्धशतक शामिल हैं।

इस बार टी20 महिला विश्वकप क्रिकेट में जीतेगी भारतीय टीम : हरमनप्रीत

एजेंसी ■ मुंबई

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि इस बार हमारी टीम काफी अच्छी है और हम टी20 विश्वकप जीतेंगे। हरमनप्रीत ने कहा कि हमारी टीम इस बार विश्व चैम्पियन ऑस्ट्रेलियाई टीम को भी हरा देगी। 20 विश्व कप अगले माह यूएई में खेला जाएगा। भारतीय टीम साल 2020 टी20 विश्वकप के फाइनल में पहुंची थी पर तब ऑस्ट्रेलिया के हाथों उसे हार का सामना करना पड़ा था। उस समय भारतीय टीम को 185 रनों का लक्ष्य मिला था जिसका पीछा करते हुए भारतीय टीम 99 रनों पर ही सिमट गयी थी पर हरमनप्रीत का मानना है कि उनकी टीम इस बार कोई गलती नहीं करेगी। हरमनप्रीत ने यूएई रवाना होने से पहले कहा कि इस बार हमारी टीम अच्छी लय में जिससे हमें जीत का भरोसा है। साथ ही कहा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम जानती है कि भारतीय टीम में उसे हराने की क्षमता है। मुझे लगता है कि यह वास्तव में सकारात्मक संकेत है। हम जानते हैं कि जब भी हम उनके खिलाफ खेलेंगे, हम उन्हें हरा सकते हैं किसी भी दिन, किसी भी समय। इतने सालों के बाद खिताब जीतना हमारे लिए एक बड़ा अवसर रहेगा। वे जानते हैं कि हमारी टीम मजबूत है और हम सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकते हैं। इसलिए वे भी हमारे खिलाफ मुकाबले की तैयारी कर रहे हैं। हरमनप्रीत ने कहा कि अगर मैं अपनी टीम के बारे में बात करूं तो हमारे पास कुछ खिलाड़ी हैं जो काफी समय से खेल रहे हैं और जानते हैं कि उन्हें क्या करना है। मुझे इस टीम पर पूरा भरोसा है और मैं कह सकता हूं कि हां, यही सर्वश्रेष्ठ टीम है। साल 2022 में टी20 विश्व कप के में भारतीय टीम सेमीफाइनल में पहुंची थी पर उस समय भी उसे ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा। हुआ। भारतीय टीम के मुख्य कोच अमोल मुजुमदार ने कहा कि इस बार टीम के सभी खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन करेंगे।

खुर्रम की जगह नोमान शामिल, शान बने रहेंगे कप्तान

पाक ने इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए घोषित की टीम

एजेंसी ■ लाहौर

पाकिस्तान ने अगले माह इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित दी है। तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी की इस टीम में वापसी हुई है। शाहीन को खराब प्रदर्शन के कारण बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर कर दिया गया था। वहीं अब चयन समिति ने उन्हें एक बार फिर टीम में शामिल किया है। पाक और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट 7 अक्टूबर से 11 अक्टूबर तक मुल्तान में खेला जाएगा। इसके लिए बाएं हाथ के स्पिनर नोमान अली को खुर्रम शहजाद की जगह शामिल किया है। नोमान ने 15 टेस्ट मैचों में 47 विकेट लिए हैं। वहीं खुर्रम चोटिल होने के कारण बाहर है।

वहीं कामरान गुलाम और मोहम्मद अली को बाहर कर दिया गया है। तेज गेंदबाज शाहीन की टेस्ट सीरीज के लिए टीम में वापसी हुई है। वहीं पाक टेस्ट टीम के मुख्य कोच जेसन गिलेस्पी ने कहा है कि राष्ट्रीय टीम के लिए शामिल खिलाड़ियों को चैंपियंस वन-डे कप प्लेऑफ से हटा दिया जाए जिससे खिलाड़ियों को टेस्ट सीरीज से पहले आराम मिल सके। गिलेस्पी ने कहा, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के व्यस्त कार्यक्रम के कारण, इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले हमारे खिलाड़ियों को कुछ आराम देना जरुरी है। टीम 30 सितंबर को मुल्तान में एकत्र होगी और इसके बाद 1 अक्टूबर से अभ्यास शुरू करेगी। शान मसूद को कप्तान के तौर पर बरकरार रखा गया है।

पाकिस्तान टीम इस प्रकार है

शान मसूद (कप्तान), सऊद शकील (उप कप्तान), बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान, अब्दुल्ला शफीक, मोहम्मद हुरैरा, सईम अयूब, सलमान अली आगा, सरफराज अहमद, आमेर जमाल, नोमान अली, अबरार अहमद, मीर हमजा, शाहीन शाह अफरीदी , नसीम शाह।

प्रो रेसलर रिक ने 75 साल की उम्र में लिया तलाक

एजेंसी ■ न्यूयार्क

नामी प्रो रेसलर रिक फ्लेयर ने 75 साल की उम्र में तलाक लेकर अपने प्रशंसकों को हैरान कर दिया। रिक की पत्नी वेंडी बार्लो 64 साल की हैं और ये दोनो छह साल साथ रहने के बाद अलग हो रहे हैं। रिक की यह उनकी पांचवीं शादी थी, जो साल 2018 में हुई थी। फ्लेयर ने सोशल मीडिया में लिखा, वेंडी के साथ सफर अच्छा रहा। हर जोड़े की तरह हमने भी अपने उतार-चढ़ाव झेले हैं। अब हमने सम्मानपूर्वक अलग होने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि साल 2017 में जब वह शारीरिक रूप से कठिन हालातों से गुजर रहे थे, तब वेंडी ने उनकी बहुत मदद की, और इसके लिए वह हमेशा आभारी रहेंगे। फ्लेयर ने साथ ही कहा, हम अभी समय में विभिन्न परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं, और व्यस्त होने के कारण एक दूसरे को समय देना कठिन है। मैं उन्हें उनके काम के लिए शुभकामनाएं देता हूं और मुझे पता है कि वह मेरे काम का समर्थन करती हैं। रिक ने वेंडी से सितंबर 2018 में शादी की थी।

सत्ता सुधार

वाराणसी। माताओं ने अपने पुत्र के आरोग्य और दीर्घायु के लिए बुधवार को जीवित्पुत्रिका का निराजल व्रत रखा। घरों से लेकर मंदिरों तक जीमूतवाहन की पूजा सुबह से होती रही। व्रती महिलाओं ने कथा का श्रवण किया। संतान की संख्यानुसार सोने या चांदी की जीतिया धारण कर व्रत के अनुष्ठान पूरे किए और दान-पुण्य भी किया।

वैष्णोदेवी और शिरडी के बराबर पहुंची राममंदिर की सालाना आय

अयोध्या: वित्तीय वर्ष में 363 करोड़ का विभिन्न माध्यमों से मिला दान

सत्ता सुधार ■ अयोध्या

रामलला के दरबार में हाजिरी लगाने पहुंच रहे भक्त रामलला को निधि समर्पण भी करते हैं। जिसके चलते मंदिर निर्माण शुरू होने के कुछ ही वर्षों में राममंदिर की सालाना कमाई देश के प्रतिष्ठित मंदिरों वैष्णोदवी, शिरडी साई मंदिर व स्वर्ण मंदिर के बराबर पहुंच गई है। भक्त रामलला को दिल खोलकर दान कर रहे हैं। बीते वित्तीय वर्ष में रामलला को 363 करोड़ का दान विभिन्न माध्यमों से प्राप्त हुआ है। इस पर मिले ब्याज को मिलाकर मंदिर की सालाना आय 400 करोड़ पहुंच गई है। नौ नवंबर 2019 को रामलला के हक में निर्णय आने के बाद पांच अगस्त 2020 को पीएम नरेंद्र मोदी ने राममंदिर निर्माण के लिए आधारशिला रखी थी। जब से राममंदिर निर्माण के लिए भूमिपूजन शुरू हुआ उसी दिन से रामभक्तों ने निधि समर्पित करनी शुरू दी। पिछले पांच सालों में रामलला को विभिन्न माध्यमों से 55 अरब का दान प्राप्त हुआ। जबकि 13 क्विंटल चांदी और 20 किलो सोना भी मिला है।

पांच सालों में प्रभु को विभिन्न माध्यमों से 55 अरब का दान प्राप्त हुआ

विदेशी दान भी प्राप्त होने लगा

रामलला को ऑनलाइन, नगदी, चेक, आरटीजीएस के माध्यम से दान प्राप्त होता है। साथ ही विदेशी दान भी रामलला को प्राप्त होने लगा है। पिछले एक साल में करीब 15 करोड़ का विदेशी दान भी रामलला को प्राप्त हुआ है। राममंदिर के ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र बताते हैं कि रामलला को भक्त राम जन्मभूमि सेवा केंद्र स्थित दान काउंटर पर दान अर्पित करते हैं। इसके अलावा दर्शन पथ पर दान काउंटर बने हैं।

देश के प्रमुख मंदिर- सालाना आय (करोड़ में)

- तिरुपति वेंकटेश्वर मंदिर, आंध्रप्र - 1450-1613
- पद्मनाभस्वामी मंदिर, केरल- 650-700
- स्वर्ण मंदिर, पंजाब - 500
- वैष्णो देवी मंदिर, जम्मू एंड कश्मीर- 400
- शिरडी साई मंदिर, महाराष्ट्र-400
- जगन्नाथ मंदिर, पुरी, उड़ीसा-230-240
- श्री सिद्धि विनायक मंदिर, महाराष्ट्र-100-150
- अक्षरधाम मंदिर, नई दिल्ली -60-100
- सोमनाथ मंदिर, गुजरात- 50-100

कोई शुल्क नहीं लिया जाता

राम कचहरी स्थित मंदिर में स्थित ट्रस्ट कार्यालय पर दान लिए जाते हैं। मंदिर परिसर में रामलला के दान पात्र में भक्त चढ़ावा अर्पित करते हैं। इसके अलावा ऑनलाइन माध्यमों से भी भक्त श्रद्धा अर्पित करते हैं। राममंदिर में सभी सुविधाएं निःशुल्क हैं। किसी भी सुविधा के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता है।

मिली आय से ब्याज को मिलाकर मंदिर की सालाना आय 400 करोड़ रुपए

कमाई में राममंदिर सबसे आगे

उत्तरप्रदेश-उत्तराखंड एकोनॉमिक एसोसिएशन के अध्यक्ष व अयोध्या की अर्थव्यवस्था पर शोध कर रहे अवध विवि के प्रो. विनोद श्रीवास्तव बताते हैं कि देश के प्रमुख मंदिरों की सालाना आय की बात करें तो सबसे आगे आंध्र प्रदेश का तिरुपति वेंकटेश्वर मंदिर है। इस मंदिर की सालाना आय करीब 1600 करोड़ है। यह दान के अलावा भी आय के अन्य माध्यम हैं। इसके बाद केरल पद्मनाभस्वामी मंदिर की आय 700 करोड़ सालाना है। राममंदिर की सालाना आय कुछ ही वर्षों में वैष्णो देवी, शिरडी साई मंदिर के बराबर पहुंच गई है। जबकि दशकों पुराने अक्षरधाम, सोमनाथ व जगन्नाथ मंदिर कमाई में पीछे हो गए हैं।

ब्रीफ न्यूज

बैंक अधिकारी की दफ्तर में संदिग्ध हालात में मौत

लखनऊ। लखनऊ के विभूतिखंड इलाके में बैंक की महिला अधिकारी की मंगलवार दोपहर दफ्तर में संदिग्ध हालात में मौत हो गई। बहनोई ने बीमारी से मौत होने का दावा किया है। हालांकि, पुलिस पीएम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। वजीरगंज के जीवन बेग लेन की रहने वाली सदफ फातिमा (45) एचडीएफसी बैंक के टेलीफोनिक चैनल में असिस्टेंट वाइस प्रेसीडेंट के पद पर कार्यरत थीं, उनके पास टीम मैनेजर का भी पद था। मंगलवार सुबह वह दफ्तर में बने ट्रेनिंग सेंटर आईं थीं और उनका चैंबर तीसरी मंजिल पर है। दोपहर एक बजे अन्य सहकर्मियों संग लंच करने सेकेंड फ्लोर पर स्थित कैफेटेरिया पहुंचीं। यहां वह बेहोश होकर गिर गईं। सहकर्मी उन्हें लोहिया अस्पताल ले गए। यहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस पर परिजन और विभूतिखंड पुलिस भी पहुंच गई।

भारत मजबूत टीम, दूसरे मैच में करेंगे वापसी: हाथुरुसिंघा

कानपुर। भारत के खिलाफ उसी के देश में खेलना बेहद मुश्किल होता है। हमें पहले मैच में हार मिली है, लेकिन हम दूसरे मैच में वापसी करेंगे। ये बात बुधवार को टीम के अभ्यास सत्र के बाद प्रेसवार्ता में बांग्लादेश टीम के कोच चंडिका हाथुरुसिंघा ने कही। उन्होंने बताया कि ग्रीनपार्क में होने वाले दूसरे टेस्ट मैच के लिए बांग्लादेश के पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन का खेलना तय हो गया है। हाथुरुसिंघा ने पहले टेस्ट में विफल रहे शीर्ष क्रम के बाएं हाथ के बल्लेबाजों का बचाव करते हुए कहा कि एक मैच के प्रदर्शन से उनकी आलोचना नहीं कर सकते। हम उनके पहले मैच में प्रदर्शन न कर पाने से निराश जरूर हैं।

ईडी के सामने नहीं पेश हुए पूर्व आईएएस मोहिंदर सिंह

लखनऊ। नोएडा में हैसिंडा प्रोजेक्ट भूमि घोटाले में जांच के दायरे में आए पूर्व आईएएस व नोएडा अथॉरिटी के तत्कालीन सीईओ मोहिंदर सिंह बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश नहीं हुए। बीते सप्ताह हैसिंडा के संचालकों के ठिकानों पर छापों के दौरान ईडी ने उनके चंडीगढ़ के आवास को भी खंगाला था। जहां करोड़ों रुपये के हीरे और नामी-बेनामी संपत्तियों के दस्तावेज मिलने के बाद उन्हें विस्तृत पूछताछ के लिए राजधानी स्थित जोनल कार्यालय बुलाया गया था।मोहिंदर ने ईडी के अधिकारियों को न कोई जवाब भेजा न ही पेश न हो पाने की कोई वजह बताई है।

पं. दीनदयाल के चिंतन में गांव गरीब, किसान और महिलाएं

जयंती को सदस्यता अभियान की तिथि के रूप में मनाएगी भाजपा

- सीएम ने अभियान के तहत पांच लोगों को भाजपा का सदस्य बनाया
- पं. दीनदयाल पाध्याय ने भारतीय राजनीति को जो दृष्टि दी थी, वह आज भी प्रासंगिक

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय के प्रणेता, महान चिंतक, विचारक और भारतीय जनसंघ के संस्थापकों में से एक थे। उनकी दृष्टि व विजन के कारण गांव, गरीब, किसान व महिलाएं राजनीतिक दलों के एजेंडे के हिस्से बने। पं. दीनदयाल ने 60-70 वर्ष पहले विचारों के माध्यम से भारतीय राजनीति को जो जीवनदृष्टि दी, उनका चिंतन-मनन आज भी न केवल भारतीय लोकतंत्र, बल्कि राजनीतिक दलों द्वारा प्रारंभ किए गए विभिन्न कार्यक्रमों में देखने को मिलता है। सीएम योगी ने पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर चारबाग रोड स्थित केकेसी कॉलेज के समीप दीनदयाल उपाध्याय स्मृतिका में लगी उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सदस्यता अभियान के तहत पांच लोगों को भारतीय जनता पार्टी का सदस्य बनाया। सीएम योगी ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय के चिंतन में गांव, गरीब, किसान, समाज के दबे-कुचले लोगों व महिलाओं को स्वावलंबन के पथ पर अग्रसर करने की दृष्टि है और उस तबके लिए सहानुभूति है। हर हाथ को काम, हर खेत को पानी उनका उद्घोष था। वे कहते थे कि आर्थिक प्रगति का पैमाना ऊंचे पायदान पर नहीं, बल्कि सबसे नीचे पायदान पर खड़े व्यक्ति के माध्यम से की जानी चाहिए। सीएम ने कहा कि 70 वर्ष पहले पं. दीनदयाल उपाध्याय ने भारतीय राजनीति को जो दृष्टि दी थी, वह आज भी प्रासंगिक बनी है।

बूथ ही चुनाव का कुरुक्षेत्र

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पीएम मोदी कहते हैं कि चुनाव जिला, संसदीय-विधानसभा क्षेत्र स्तर पर नहीं लड़ा जाता है, बल्कि चुनाव का कुरुक्षेत्र बूथ होता है। बूथ जीता तो चुनाव जीता। बूथ मजबूत है तो चुनाव पक्ष में है। इसी बुनियादी बात को ध्यान में रखकर भाजपा सबसे बड़े दल के रूप में स्थापित हुई है। सीएम ने कहा कि सदस्यता महाभियान का लक्ष्य प्रदेश के सभी 75 व सांगठनिक दृष्टि से सभी 98 जनपदों में तेजी से आगे बढ़ना चाहिए।

इसी का परिणाम है कि कोरोना महामारी के दौरान से ही देश में 80 करोड़ लोगों को फ्री में राशन, 12 करोड़ लोगों के घरों में शौचालय, 10 करोड़ घरों में उज्ज्वला योजना का निःशुल्क सिलेंडर, 4 करोड़ गरीबों को मकान, 12 करोड़ किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ प्राप्त हुआ है। यह दृष्टि समाज को समग्र रूप से विकास के पथ पर अग्रसर करने, सामाजिक विकास के माध्यम से सांस्कृतिक उत्थान व राष्ट्र के समग्र विकास की रूपरेखा को बढ़ाने की है।

यह भी रहे मौजूद

इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल, राज्यसभा सांसद बृजलाल, विधायक नीरज बोरा, विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा, रामचंद्र प्रधान, लालजी प्रसाद निर्मल, पूर्व मंत्री मोहसिन रजा, भाजपा के महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, पार्षद सुशील तिवारी, बूथ अध्यक्ष मनीष कुमार आदि मौजूद रहे।

दो लाख 52 हजार 494 सदस्य बनाए

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सदस्यता महाभियान के तहत बुधवार को पांच लोगों को भाजपा से जोड़ा। सीएम ने कहा कि भाजपा ने देश-प्रदेश व बूथ के लिए जो लक्ष्य तय किया है। हमारे कार्यकर्ता उसे आसानी से प्राप्त करेंगे। लखनऊ महानगर ने अब तक दो लाख 52 हजार 494 सदस्य बनाए हैं।

हम सभी कर रहे नए भारत का दर्शन- योगी ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में उस विजन को दस वर्ष से धरातल पर उतारकर हम सभी नए भारत का दर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल भाजपा ने पं. उपाध्याय की जयंती को अपने सदस्यता महाभियान की तिथि के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। लखनऊ महानगर की टीम बधाई की पात्र है, जिसने हर बूथ पर 100 सदस्य बनाने के बड़े अभियान को अपने हाथ में लिया है।

गाड़ी 5 लाख की, मरम्मत पर 20 लाख खर्च, डीजल-पेट्रोल में खेल

घोटाला: नेताओं की कारों में डलावाया जाता है तेल

मेरठ नगर निगम के वाहन डिपो में मचा हड़कंप

सत्ता सुधार ■ मेरठ

मेरठ नगर निगम के वाहन डिपो में करोड़ों का घोटाला हो रहा है। पांच-पांच लाख कीमत की गाड़ियों पर मरम्मत के नाम पर 20-20 लाख रुपया खर्च दर्शाया गया है। डीजल व पेट्रोल में भी बड़ा खेल है। मुख्य नगर लेखा परीक्षक की गोपनीय जांच में घोटाले की परतें दर परतें खुलती जा रही हैं। निगम के दिल्ली रोड डिपो में 90 वाहन, सूरजकुंड डिपो में 88 और कंकरखेड़ा डिपो में 88 वाहन हैं। इसके अलावा महानगर में 73 वार्डों से डोर-टू-डोर कूड़ा उठाने वाली बीवीजी कंपनी को करीब 280 वाहन निगम ने अलग से दिए हुए हैं। डिपो के 250 वाहनों की मरम्मत में निगम ने 2024-25 में 700 लाख का बजट रखा है। दिल्ली वाहन डिपो ने तय बजट खत्म कर दिया और पुनरीक्षित बजट का प्रस्ताव रखकर करीब इस वर्ष 2.50 करोड़ 10 महीने में खर्च कर दिया, जबकि सूरजकुंड वाहन डिपो में 46 लाख और कंकरखेड़ा डिपो में 48 लाख रुपया शेष बचा है। निगम के वाहनों में डीजल-पेट्रोल का खर्च करने का बजट अलग है, जो कि 2100 लाख है। वाहनों में डीजल-पेट्रोल फूंकना भी सबसे ज्यादा दिल्ली डिपो का बताया गया है। दिल्ली वाहन डिपो में बड़ा भ्रष्टाचार हो रहा है, इसकी शिकायत 45 दिन पहले हुई थी। इसकी गोपनीय जांच मुख्य नगर लेखा परीक्षक अमित भार्गव को दी गई। दिल्ली रोड वाहन डिपो की जांच पूरी हो गई।

छह महीने का खर्च सिर्फ 95 लाख रुपए दर्शाया

गोपनीय जांच के दौरान भाजपा पार्षदों ने वाहन डिपो में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था। इसमें नगर निगम के तीनों वाहन डिपो ने छह महीने (अप्रैल से सितंबर तक) का खर्च कुल 95 लाख दर्शाया। कंकरखेड़ा डिपो में 28 लाख, सूरजकुंड डिपो में 33 लाख और दिल्ली रोड डिपो में 34 लाख रुपए खर्च किए गए हैं। मुख्य लेखा नगर परीक्षक की जांच रिपोर्ट में वाहन डिपो द्वारा वाहनों की मरम्मत, डीजल-पेट्रोल के खर्च पर बड़ा घोटाला होने की पुष्टि हो गई। इस संबंध में मुख्य लेखा नगर परीक्षक अमित भार्गव का कहना कि जांच गोपनीय है। महापौर और नगर आयुक्त को जांच रिपोर्ट सौंप दूंगा। उसके बाद ही वाहन डिपो में गड़बड़ी का खुलासा किया जाएगा।

इनका कहना है.....

निष्पक्षता से जांच की जा रही है। वाहन डिपो में जो भी कमियां मिलेंगी, उनको सुधारा जाएगा। जो दोषी हैं उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। वाहन डिपो या अन्य किसी भी विभाग में भ्रष्टाचार बर्दास्त नहीं किया जाएगा। शासन की जीरो टॉलरेंस नीति पर काम होगा।

– सौरभ गंगवार नगर आयुक्त

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने दिए निर्देश

ग्राम्य विकास विभाग में 2500 खाली पदों को जल्द भरें

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग में रिक्त सभी 2500 पदों को जल्द भरने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि खंड विकास अधिकारियों (बीडीओ) के पदों पर पदोन्नति के लिए विभागीय प्रोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक हो चुकी है जल्द ही 100 से अधिक बीडीओ विभाग को मिल जाएंगे। भर्ती में उन्होंने आरक्षण नियमों के पालन का भी निर्देश दिया है। वे विभागीय कामकाज की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन पदों का अधियाचन भेजना बाकी हो उसे तत्काल भेजें। अधिकारियों ने बताया कि करीब 2500 पद ग्राम विकास अधिकारी के भरे जाने हैं, इसकी नियमावली की प्रक्रिया चल रही है। उप मुख्यमंत्री ने भर्ती प्रक्रिया नियमानुसार करने के निर्देश दिए। इसके अलावा डिप्टी सीएम ने चौपालों के आयोजन को और प्रभावी बनाने के लिए ठोस रणनीति बनाने के निर्देश दिए। पीएम ग्रामीण सड़क योजना से जोड़ने के लिए केंद्र सरकार को प्रपोजल भेजा जाए। सड़कों को मानकों के अनुरूप बनाने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि विकास कार्य धरातल पर स्पष्ट रूप से नजर आने चाहिए। बैठक में अपर मुख्य सचिव ग्राम्य विकास विभाग हिमांशु कुमार, महानिदेशक दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान के महानिदेशक एल. वेंकटेश्वर लू सहित अन्य अधिकारी शामिल हुए।

चोर-चोर कहकर सिपाहियों को पीटा, फिर ट्रेन से नीचे फेंका था

दो सिपाहियों का हत्यारा जाहिद उर्फ सोनू पुलिस मुठभेड़ में ढेर

सत्ता सुधार ■ गाजीपुर

आरपीएफ के दो सिपाहियों की हत्या का मुख्य आरोपी मो. जाहिद उर्फ सोनू सोमवार की रात पुलिस की मुठभेड़ में ढेर हो गया। मो. जाहिद यूपी से शराब ले जाकर विहार में तस्करी करता था। उसने गैंग बना रखा था। घटना वाली रात उसने अपने साथियों के साथ मिलकर आरपीएफ के दोनों सिपाहियों की चोर-चोर कहते हुए बेल्ट से पिटाई कर दी थी, फिर उनके कपड़े उतरवा लिए थे। इसके बाद चलती ट्रेन से पैर से धक्का देकर नीचे फेंक दिया था, जिसमें दोनों सिपाहियों की मौत हो गई थी। 19 अगस्त 2024 को

घटना वाली रात शराब तस्कर अलग-अलग ग्रुप में बाडमेर-गुवाहाटी एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 15621) ट्रेन में चढ़े थे। इनमें मो. जाहिद भी था, जो घटना वाले दिन शराब लेने के लिए अलीनगर मुगलसराय चंदौली गया था, जहां से वह तस्करी के लिए ठेके से शराब लेता था। शराब लेने के बाद वह अपने साथियों के साथ रेलवे स्टेशन पहुंचा। ट्रेन चलने के कुछ समय बाद गैंग ने चेन पुलिंग कर दी। इस पर आरपीएफ के आरक्षी जावेद खान और प्रमोद कुमार मौके पर पहुंच गए। चेन पुलिंग एवं शराब तस्करी का विरोध करने लगे।

रेलवे के कुछ कर्मचारियों से साठगांठ कर रखी थी

गिरफ्तारी के डर से गैंग के बदमाशों ने चोर-चोर करते हुए दोनों आरक्षियों की बेल्ट से पिटाई कर दी, उनके कपड़े उतरवा लिए और फिर चलती ट्रेन से उनको बाहर फेंक दिया। डॉ. ईरज राजा ने बताया कि गैंग के और सक्रिय बदमाश हैं, जो ट्रेन से शराब तस्करी कर रहे हैं। इन पर नजर रखी जा रही है। जल्द ही इन पर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मो. जाहिद चुनिंदा ट्रेनों से झोले और बैग में शराब भरकर यूपी से बिहार ले जाता था। उसने रेलवे के कुछ कर्मचारियों से साठगांठ कर रखी थी।

धांधली पौधे लगाए कम, कागज पर दिखाया ज्यादा, आंकड़ों में स्वास्थ्य विभाग ने किया फेरबदल

वाराणसी में पौधरोपण अभियान में फर्जीवाड़ा

सत्ता सुधार ■ वाराणसी

पौधरोपण अभियान में फर्जीवाड़े को रोकने के लिए इस बार पौधों की जियो टैगिंग की व्यवस्था की गई। इसके बाद भी कई विभागों ने इसमें फर्जीवाड़ा कर लिया।

विभागों ने पौधे कम लगाए लेकिन जियो टैगिंग में संख्या ज्यादा दिखा दी। इसमें दो विभाग गृह विभाग और रक्षा विभाग, ऐसे हैं जिन्होंने पौधे तो लगाए, लेकिन जियो टैगिंग ही नहीं की। जुलाई में शुरू हुए पौधरोपण अभियान के तहत 26 विभागों ने जिले में 15,06,617 पौधे लगाए थे। सभी विभागों को हर पौधे की जियो टैगिंग करने के निर्देश दिए थे। आंकड़ों के मुताबिक जिले में जितने पौधे लगाए गए उनमें से 94.25 फीसदी यानी 1420091 पौधों की जियो टैगिंग की गई। लेकिन, जियो टैगिंग में कई विभागों ने फर्जीवाड़ा किया है। इसमें सबसे ज्यादा आंकड़ों में फेरबदल स्वास्थ्य विभाग ने किया। स्वास्थ्य विभाग ने पौधे तो पांच हजार लगाए, लेकिन जियो टैगिंग 6310 पौधों की कर दी। इसी तरह लोक निर्माण विभाग ने सात हजार पौधे लगाए और जियो टैगिंग का आंकड़ा 8588 दिखाया है। वहीं, उच्च शिक्षा विभाग ने 11000 पौधे लगाए जबकि 11426 पौधों की टैगिंग कर डाली। माध्यमिक शिक्षा ने 5000 पौधे लगाए है और 5292 पौधे की टैगिंग की है। पौधे उद्यान विभाग ने 95 हजार लगाए और 95150 पौधों की टैगिंग की है। इसी तरह ग्राम विकास विभाग ने 832097 पौधे के सापेक्ष 838157 जियो टैगिंग की। आवास विकास विभाग ने 30200 के सापेक्ष 30850 पौधों की जियो टैगिंग कर की। नगर विकास विभाग ने 81000 पौधे लगाए, लेकिन 84083 पौधों की टैगिंग की है।

11 विभागों ने सौ फीसदी की जियो टैगिंग

26 में से 11 विभाग ऐसे हैं जिन्होंने सौ फीसदी जियो टैगिंग की है। इनमें उद्योग, ऊर्जा, औद्योगिक विकास, प्राविधि, रेशम, कृषि, पशुपालन, श्रम, परिवहन, रेलवे और पर्यावरण विभाग शामिल हैं। पांच विभाग ऐसे हैं जिन्होंने पौधों तो लगाए हैं, लेकिन जियो टैगिंग कम की है। इसमें जलशक्ति विभाग ने 60.95, पंचायती राज ने 70.42, बेसिक शिक्षा ने 78.20 और सहकारिता विभाग ने 83.94 फीसदी पौधों की जियो टैगिंग की है।

इनका कहना है

पौधों की सही जानकारी के लिए जियो टैगिंग कराई जा रही है। कुछ विभागों द्वारा ज्यादा पौधों की टैगिंग हो गई है। उसे दिखाया जा रहा है।

–स्वाती, प्रभागीय वनाधिकारी, वाराणसी

गाजीपुर एनकाउंटर पर सांसद अफजाल अंसारी ने कहा

सीएम योगी आदित्यनाथ ग्राम प्रधानी भी चलाने योग्य नहीं

सत्ता सुधार ■ गाजीपुर

गाजीपुर में पुलिस एनकाउंटर और योगी आदित्यनाथ पर गाजीपुर के सांसद अफजाल अंसारी का बड़ा बयान सामने आया है। अंसारी ने कहा कि योगी आदित्यनाथ एक महंत हो सकते हैं, पुजारी, मठाधीश और पूजन प्रक्रिया के विशेषज्ञ हो सकते हैं, उनका सरकार चलाने से क्या मतलब, ग्राम प्रधानी भी चलाने योग्य नहीं है। एनकाउंटर के मामले पर सांसद अफजाल अंसारी ने कहा की अखिलेश यादव हमेशा कहते हैं कि पुलिस को कानून में किसी का एनकाउंटर करने का अधिकार नहीं है। फर्जी एनकाउंटर घर से ले जाइए और गोली मार दीजिए। किसी के पैर में किसी के छाती में और किसी के सिर में गोली मार दीजिए। अंसारी ने कहा कि जब आरोप लगने लगा तो इन लोगों ने ठाकुर को भी मार दिया। आपने पहले जो किया वह भी हत्या है और अब जो किया है वह भी हत्या है। दोनों मामलों में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज होना चाहिए। पीड़ितों के पक्ष में अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी खड़ी है।

सत्ता बदली तो कराएंगे जांच

उत्तर प्रदेश में पुलिस एनकाउंटर लेकर सपा सांसद अफजाल अंसारी ने कहा कि किसी भी कौम के व्यक्ति को अगर गलत तरीके से उठाकर गोली मारकर मुठभेड़ दिखाकर कहानी बनाया जाए तो ये शुद्ध हत्या का आरोप है। पुलिस को कानून में किसी का इस तरीके से एनकाउंटर करने का अधिकार नहीं है। यूपी की जब सत्ता बदलेगी तो हम जांच कराएंगे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक गोपाल श्रीवास्तव के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, बाराघाटा इंडस्ट्रीयल एरिया प्लाट नं. 12ए झांसी रोड़ ग्वालियर से मुद्रित एवं गहोई बाटिका सीता सागर ताल के सामने मां पीताम्बरा रोड, दतिया से प्रकाशित। संपादक - गोपाल श्रीवास्तव। मोबाईल न. 9893126900, 7869966100, फोन- 0751-4922849, भोपाल ऑफिस-0755-4002626, 4939910, आरएनआई नं. एमपीएचआईएन/2005/16546 विधिक सलाहकार श्री राजेंद्र जैन, एडवोकेट, शिकायत एवं सुझाव हेतु संपर्क करें-6261052058, ई मेल- sattasudhar@gmail.com* समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।